नई दिल्ली RNI NO. DELHIN/2010/37009

वर्षः 12

अंकः 31

सोमवार, 29-04 सितंबर 2022

मूल्यः 5 रु प्रति

रु 250 वार्षिक

NCR समाचार

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

हिल असेंबली पहाड़िया महासभा झारखंड द्वारा अपने विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया 03

आखिर कांग्रेस अध्यक्ष पद से दूर क्यों भाग रहे हैं अशोक गहलोत ? 08

अमेरिका के साथ तनाव के बीच रूस ने चीन संग मिलकर शुरू किया युद्धाभ्यास 10

मैदान पर फिर देखेंगे वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर, इन टीमों की संभालेंगे कमान 11

इस्माईल खान

भगवान गणेश की मूर्ति घर लाने पर ट्रोल हुए शाहरुख खान, यूजर्स बोले- ड्रामा बंद करो साहब 12

रामलीला मैदान से राहुल गांधी का हल्ला बोल

भाजपा राज में बढ़ रही नफरत, कमजोर हो रहा देश

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में महंगाई के खिलाफ आवाज आज दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस बीजेपी के खिलाफ हल्ला बोल मार्च निकाल रही है। मां तुझे सलाम.. गीत गूंज रहा है, माहौल को देशभक्ति से पूर्ण कर रहा है। महंगाई के विरुद्ध युद्ध में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की मैदान में में मौजूदगी नजर आई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश की हालत आपको दिख रही है, जब से बीजेपी की सरकार आई है तब से देश में नफरत और क्रोध बढ़ता जा रहा है। देश में भविष्य, महंगाई और बेरोजगारी का डर बढ़ता जा रहा है जिसकी वजह से देश में नफरत बढ़ रही है। नफरत से लोग और देश बटता है जिससे देश कमजोर होता है। आरएसएस और बीजेपी देश में नफरत फैलाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि काले

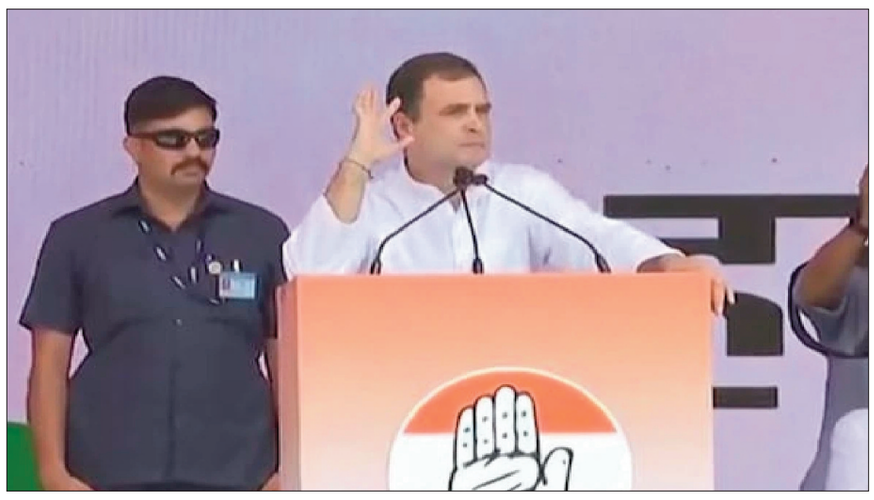

कानून भी दो उद्योगपतियों के फायदे के लिए था। छोटे व्यापारियों और किसानों की कमर तोड़ी गई। पेट्रोल, गैस, दूध, तेल के दाम आसमान पर हैं। कांग्रेस राज में इतनी महंगाई नहीं थी। आम आदमी मुश्किल और दर्द में है। विपक्ष को संसद में बोलने नहीं दिया जाता है। राहुल ने कहा कि सारी संस्थाओं पर घोर दबाव है। राहुल गांधी ने कहा कि देश की आत्मा को बचाने का काम कांग्रेस को करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ये देश केवल उद्योगपतियों का नहीं है। ये मजदूरी, गरीबों और किसानों का भी देश है। देश को रोजगार लघु और मध्यम व्यवसाय वाले और किसान देते हैं लेकिन इन लोगों की रीढ़ की हड्डी नरेंद्र मोदी जी ने तोड़ दी है। जो आज बेरोजगारी दिख रही है वो आने वाले समय में और भी बढ़ेगी। राहुल गांधी ने कृषि कानूनों के लिए कहा कि ये तीनों कानून उद्योगपतियों के लिए लाए गए थे। किसानों की ताकत ने इन कानूनों को वापस लेने पर मजबूर कर दिया। हिंदुस्तान में आम नागरिक मुश्किल में हैं। जीएसटी ने छोटे कारोबारियों को खत्म कर दिया और रोजगार इन्हीं से मिलता है। आप पूछते हैं कांग्रेस ने क्या किया। मैं बताता हूं कि 70 साल में कांग्रेस ने ऐसी महंगाई कभी नहीं दिखाई।

राहुल की फिर फिसली जुबान, आटा का भाव बताया 40 रुपये लीटर

कांग्रेस नेताओं ने राजधानी में हल्ला बोल रैली के माध्यम से महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। जहां कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बारी-बारी से भाजपा पर हमला किया।वहीं राहुल गांधी ने यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान गैस, तेल, दूध, आटा का भाव बताया। राहुल गांधी का एक वीडियो क्लिप वायरल हो गया है जिसमें उन्हें आटा को किलो की जगह लीटर में बताते हुए सुना जा सकता है। वायरल क्लिप में राहुल कह रहे हैं, ₹आटा 22 रुपए प्रति लीटर था लेकिन आज 40 रुपए प्रति लीटर है। फिर क्या था देखते ही देखते राहुल गांधी सोशल मीडिया में ट्रेंड होने लगे। कई फेसबुक यूजर्स ने राहुल गांधी के वायरल क्लिप को पोस्ट करते हुए मजेदार कमेंट किए हैं। इंडिया टुडे एंटी फेक न्यूज वॉर रूम ने इस क्लिप को सही पाया है। राहुल गांधी ने अपने भाषण में पहले के वर्षों के साथ विभिन्न वस्तुओं की कीमतों की तुलना करते हुए वास्तव में आटा को किलो की जगह लीटर बता दिया था।

हालांकि वायरल वीडियो अधूरा है क्योंकि उन्होंने तुरंत खुद को ठीक कर लिया। राहुल गांधी ने यूपीए सरकार और एनडीए सरकार के दौरान महंगाई की तुलना की। इस दौरान उन्होंने कुछ आंकड़े भी गिनाए। राहुल ने कहा कि 2014 में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 410 रुपये थी और आज 1050 है। पेट्रोल 70 रुपये था आज करीब 100 रुपये प्रति लीटर है। डीजल 70 रुपये था और अब 90 रुपये है। सरसों तेल 90 रुपये लीटर था आज 200 रुपये लीटर है। दूध 35 रुपये लीटर था आज 60 रुपये लीटर है। आटा 22 रुपये लीटर था और आज 40 रुपये लीटर हो गया। हालांकि उन्होंने अपनी गलती में सुधार कर लिया। कपिल मिश्रा ने ट्वीट करते हुए कहा कि आटा 22 रुपए लीटर, अध्यक्ष बनाओ इन्हें प्लीज। इसके साथ ही उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि महंगाई पर बात करते समय अगर आप आटे का भाव लीटर में बताते हैं तो आपकी समझ और गम्भीरता दोनों पर सवाल उठने स्वाभाविक है। पूरी कांग्रेस को किलो के भाव बेचने के बाद ऐसी मासूमियत ही इन्हें चिर युवा सिद्ध करती हैं।

राहुल गांधी के दौरे से पहले गुजरात यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का इस्तीफा

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह वाघेला ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के गुजरात दौरे से एक दिन पहले आया है। राहुल गांधी पार्टी की 'भारत जोड़ी यात्रा' से पहले 5 सितंबर को गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बूथ स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं की एक रैली को संबोधित करेंगे।

वह 5 सितंबर को अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के 'परिवर्तन संकल्प' सम्मेलन को संबोधित करेंगे। विश्वनाथ सिंह वाघेला के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात भाजपा के प्रवक्ता रुतविज पटेल ने कहा, ₹राहुल गांधी कल 'कांग्रेस में शामिल होने के अभियान' के लिए गुजरात आ रहे हैं, लेकिन राज्य में 'कांग्रेस छोड़ो अभियान' जारी है।₹ 35 वर्षीय विश्वनाथसिंह वाघेला को इस साल जनवरी में गुजरात युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से

इस्तीफा दे दिया था। कुछ साल पहले नेतृत्व द्वारा अनदेखी किए जाने के आरोप लगाते हुए कांग्रेस छोड़ने वाले असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि उनके और आजाद के इस्तीफे में कई समानताएं थीं, जिनका उल्लेख उन्होंने 2015 में पार्टी छोड़ने पर किया था।

सरमा ने कहा कि कांग्रेस में समस्या यह है कि हर कोई जानता है कि राहुल गांधी ₹अपरिपक्व और अप्रत्याशित₹ हैं, लेकिन उनकी मां अभी भी उन्हें बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने हाल ही में पार्टी छोड़ दी है। प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कांग्रेस छोड़ दी थी और शिवसेना में शामिल हो गईं थीं।

रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में रिजल्ट आया

पाकिस्तान ने 5 विकेट से भारत को हराया

एजेंसी

एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार चरण के मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को हराकर पिछले मुकाबले का बदला ले लिया। पाकिस्तानी कप्तान ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कोहली की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की बदौलत सात विकेट खोकर 181 रन बनाए। जिसके जवाब में पाकिस्तान की टीम ने पांच विकेट खोकर इस लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मैच आखिरी ओवर तक गया। आसिफ और खुशदिल ने आखिरी ओवर में पाकिस्तान को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। लेकिन मैच के 20वें ओवर की चौथी गेंद पर अर्शदीप ने आसिफ को पैवेलियन लौटा दिया। जबकि पांचवी गेंद पर 2 रन लेकर अहमद ने पाकिस्तान को जीत दिला दी। भारत की ओर से कुलदीप बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल और हार्दिक पांड्या ने एक-एक विकेट लिए। 182 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम

को शुरू में ही बड़ा झटका लगा। कप्तान बाबर आजम कुलदीप बिश्नोई की गेंद पर 14 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद रिजवान और फखर जमां ने पाकिस्तानी पारी को आगे बढ़ाया। मोहम्मद रिजवान ने ताबड़तोड़ शार्ट्स खेले। भारत को दूसरी सफलता फखर जमां के रूप में मिला। युजवेंद्र चहल ने जमां को 15 रन के निजी योग पर कोहली के हाथों कैच आउट कराया। जिसके बाद मोहम्मज नवाज बल्लेबाजी करने के लिए आए। मोहम्मद रिजवान और मोहम्मद नवाज ने पाकिस्तानी पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने पाकिस्तान के स्कोर को तीन अंकों तक पहुंचाया। इस दौरान रिजवान ने 37 गेंदों पर अपने पचास रन भी पूरे किए। भारत को बड़ी सफलता भुवनेश्वर कुमार ने दिलवाई। 16वें ओवर में मोहम्मद नवाज 20 गेंदों पर तूफानी 42 रन बनाकर पैवेलियन लौट गए। हार्दिक पांड्या ने मोहम्मद रिजवान को 17वें ओवर में सूर्यकुमार यादव के हाथों कैच आउट कराकर भारत की मैच में वापसी करवाई। रिजवान ने 71 रन की पारी खेली। आसिफ और खुशदिल शाह ने जिसके बाद पाकिस्तानी पारी को आगे बढ़ाया और कुछ शाट्स लगाकर अपनी टीम की उम्मीदों को भी जगाया। इसी ओवर में आसफि का कैच अर्शदीप के हाथों छूट गया। 20वें ओवर में अर्शदीप गेंदबाजी करने आए और आसिफ को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। 20वें ओवर की पांचवी गेंद पर अहमद ने सीधा शॉट खेलकर दो रन बटोरकर पाकिस्तान को जीत दिलाई। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट के नुकसान पर 181 रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने 14 गेंदों पर 28 रन बनाए। केएल राहुल ने शादाब की गेंद पर आउट होने से पहले 28 रन बनाए। कोहली ने आखिरी ओवर में रन आउट होने से पहले 44 गेंदों पर 60 रन बनाए।

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का कार दुर्घटना में निधन

एजेंसी

मुंबई। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की महाराष्ट्र के पालघर में रविवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह 54 वर्ष के थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब मिस्त्री की कार मुंबई से सटे पालघर जिले में एक डिवाइडर से टकरा गई। उस समय मिस्त्री मर्सिडीज कार में अहमदाबाद से मुंबई लौट रहे थे।

पालघर जिले के पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने कहा, ''दुर्घटना अपराह्न लगभग 3.15 बजे हुई। मिस्त्री अहमदाबाद से मुंबई की ओर जा रहे थे। यह हादसा सूर्या नदी पर बने पुल पर हुआ।''उन्होंने कहा, ''दुर्घटना में मिस्त्री और एक अन्य व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर समेत दो अन्य घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए गुजरात भेज दिया गया है।'' हादसे का शिकार हुई कार में मिस्त्री और ड्राइवर समेत कुल चार लोग सवार थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया

कि यह हादसा कासा थाना क्षेत्र में सूर्या नदी पुल पर चरोटी नाका में हुआ। मिस्त्री की कार डिवाइडर से टकराने के बाद रिटेंशन वॉल से जाकर टकरा गई। हादसे में जान गंवाने वाले मिस्त्री और जहांगीर पंडोल के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कासा ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया है।

पाटिल ने कहा कि हादसे में घायल हुए दोनों लोगों- ड्राइवर अनायता पंडोल और डेरियस पंडोल को इलाज के लिए गुजरात के वापी के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पालघर के पुलिस अधिकारी सचिन नवादकर ने कहा कि स्थानीय पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

साइरस मिस्त्री का निधन उद्योग जगत के लिए अपूरणीय क्षति : मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे उद्योग जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मिस्त्री के निधन की खबर को ''स्तब्ध कर देने वाला'' करार देते हुए शिंदे ने कहा कि मिस्त्री न केवल एक सफल उद्योगपति थे, बल्कि एक युवा और दूरदर्शी उद्यमी भी थे। मुख्यमंत्री ने कहा, '' मिस्त्री का निधन न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे उद्योग जगत के लिए एक क्षति है।'' टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की महाराष्ट्र के पालघर में रविवार को हुई एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालयः
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोनः
8888883968,
9811111715

संक्षिप्त समाचार

सेना प्रमुख पांच दिन की नेपाल यात्रा पर रवाना, पीएम देउबा से करेंगे मुलाकात

नयी दिल्ली। सात दशक पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को सोमवार को काठमांडू में एक समारोह में नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी 'नेपाली सेना के जनरल' की मानद उपाधि से

सम्मानित करेंगी। जनरल पांडे रविवार को नेपाल की पांच दिन की यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान वह पड़ोसी देश के असैन्य और सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे। जनरल पांडे की काठमांडू में होने वाली चर्चा में अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में नेपाल के गोरखा जवानों को शामिल किए जाने का विषय भी आ सकता है। खबरों के अनुसार, नेपाल ने भारत से कहा है कि नयी योजना के तहत भर्ती मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। सेना ने कहा कि जनरल पांडे इस यात्रा में राष्ट्रपति भंडारी तथा प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात करेंगे और नेपाल के सेना प्रमुख जनरल प्रभुराम शर्मा से व्यापक चर्चा के साथ ही नेपाल के वरिष्ठ सैन्य एवं असैन्य नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सेना ने एक बयान में कहा, ''यह यात्रा मौजूदा द्विपक्षीय रक्षा संबंधों की समीक्षा का अवसर देगी और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करेगी।'' उसने कहा कि जनरल पांडे को राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास 'सीतल निवास' में सोमवार को आयोजित एक समारोह में नेपाली सेना के जनरल की मानद उपाधि प्रदान की जाएगी।

संगम विहार में बड़ी वारदात, छात्रा पर चली गोली प्रशासन सुस्त, हिन्दू संगठन ने उठाई आवाज

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में स्कूल की छात्रा पर गोली चलाने का मामला धीरे धीरे गर्माता जा रहा है। बताया जा रहा है कि, अभी तक प्रशासन आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। इस बात से गुस्साया ब्राह्मण समाज आक्रोश में है, महज इतना ही नहीं ब्राह्मण समाज ने तो DCP

ऑफिस का घेराव करने तक की भी बात कह डाली।

यह मामला 25 अगस्त गुरुवार का है जब छात्रा नैना मिश्रा अपनी मां के साथ स्कूल से घर को लौट रहीं थी उसी समय गुलशन उर्फ़ अली नाम के युवक ने बाइक से उसका पीछा किया और फिर पीछे से ही उस पर गोली चला दी। गोली छात्रा के पीठ में लगी जिसकी वजह से वो मौके पर ही बेहोश हो गई। इस घटना से मां थोड़ी देर के लिए सहम गई, लेकिन फिर कुछ लोगों की मदद से उसे उठाकर पास ही के अस्पताल में भर्ती कराया। पिछले 4 दिनों से पीड़िता अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत में अब कुछ सुधर बताया जा रहा है। एनसीआर समाचार से बातचीत के दौरान पीड़िता के पिता ने यह जानकारी दी कि लड़का काफी लम्बे समय से उसे परेशान कर रहा था। नैना ने कई बार उसे मना भी किया, लेकिन वो मैंने को तैयार ही नहीं था। दोनों की दोस्तों सोशल मीडिया के जरिए हुई थी, लेकिन जब नैना मिश्रा को पता चला कि वह एक मुस्लिम है तो उसने रिश्ता खत्म करना चाहा, लेकिन अली नहीं माना और रिश्ता रखने की जिद करने लगा। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी ने पहले भी उनके घर पर आकर तोड़ फोड़ की थी जिसको लेकर तिगड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। पीड़िता के पिता का कहना है कि ये सब प्रशासन की ढिलाई की वजह से ही हुआ है कि उनकी बेटी की ऐसी हालत है।

अगर प्रशासन थोड़ा ठीक से काम करती तो वो लड़का आज जेल में होता और उसकी बेटी स्वस्थ। नैना मिश्रा को न्याय दिलाने के लिए बजरंग दाल, शिव सेना और विश्व हिन्दू संगठन के अध्यक्ष और कार्यकर्ता पीड़िता के घर पहुंचे और न्याय की मांग की। इतना ही नहीं ब्राह्मण समाज के लोगों ने नैना मिश्रा के साथ हुई दुर्घटना के लिए पूरी तरह से प्रशासन को जिम्मेवार ठहराया।

एनसीआर समाचार पत्र के
स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त समाचार

अगले लोकसभा चुनाव में मैनपुरी सीट भी भाजपा के खाते में होगी : मंत्री जयवीर सिंह

मैनपुरी (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) की गढ़ माने जाने वाली मैनपुरी सीट पर भी जीत दर्ज करेगी। सिंह ने बातचीत में दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा मैनपुरी सीट पर भी जीत हासिल करेगी। उन्होंने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर जीत के लिए रणनीति तैयार की है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता ने सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं तथा अन्य कार्यक्रमों से प्रभावित होकर भाजपा के प्रति झुकाव दिखाया है। गौरतलब है कि इस वक्त मैनपुरी सीट से सपा संस्थापक व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव सांसद हैं। इस सीट को सपा का बेहद मजबूत किला माना जाता है। जयवीर सिंह इस वक्त मैनपुरी विधानसभा सीट से भाजपा के विधायक हैं। इससे पहले सपा के राजकुमार उर्फ राजू यादव 2012 से 2022 तक लगातार दो बार मैनपुरी से विधायक रहे थे। सिंह ने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने जाति, धर्म और मत का भेदभाव किए बगैर गरीबों और दलितों की समस्याओं का हमेशा समाधान किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से गरीबों का जीवन बदल गया है।

योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार ने कहा- उप्र की शिक्षा प्रणाली को एनईपी के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के अनुरूप व्यवस्थित किया जाएगा और विद्यार्थियों को रोजगार परक समग्र शिक्षा प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहकार प्रोफेसर धीरेंद्र पाल सिंह ने रविवार को पीटीआई- से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन से विभिन्न शिक्षण संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो सकेगा, जो शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए जरूरी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सिंह ने कहा, "मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने को लेकर प्रयासरत हैं।

वह चाहते हैं कि राज्य के सभी विद्यार्थियों को गुणवत्ता परक शिक्षा प्राप्त हो। मुख्यमंत्री का मानना है कि विद्यार्थियों के चरित्र के विकास पर ध्यान दिए बगैर और उनमें शुरुआत से ही राष्ट्रवाद की भावना विकसित किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता।" उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मुख्य रूप से समग्र शिक्षा पर केंद्रित है और इसमें प्राविधिक तथा रुचि आधारित विषयों को शामिल किया गया है। इन विषयों का अध्ययन करने से छात्रों को रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप अपना कौशल विकसित करने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी।" प्रोफेसर सिंह ने बताया कि छात्रों को विज्ञान, वाणिज्य और कला से जुड़े विषयों के साथ-साथ अपनी रुचि के हिसाब से कोई दूसरा विषय चुनने का भी विकल्प मिलेगा। उन्होंने कहा, उदाहरण के तौर पर अगर कोई छात्र भौतिक विज्ञान के साथ गणित की पढ़ाई कर रहा है तो वह संगीत या दर्शनशास्त्र जैसे विषयों को भी अपने एक विषय के तौर पर चुन सकता है। प्रोफेसर सिंह ने हालांकि यह भी कहा कि इससे छात्रों को ज्यादा विषय चुनने का अवसर प्राप्त होगा, लेकिन शिक्षण संस्थाओं के सामने चुनौती भी खड़ी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी प्रणालियों में बदलाव लाने की जरूरत है। प्रोफेसर सिंह ने कहा, "शैक्षणिक संस्थानों को स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर विभाजित किया गया है, जिससे ज्ञान का आदान-प्रदान रुकता है।

रैली और कुछ नहीं, राहुल गांधी का रीलॉन्च है: भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को मूल्य वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस की रैली का यह कहते हुए मखौल उड़ाया कि यह "राहुल गांधी रीलॉन्च 4.0"है क्योंकि विपक्षी दल का कोई भी नेता इसका नेतृत्व नहीं करना चाहता।

कांग्रेस ने रविवार को यहां रामलीला मैदान में 'महंगाई पर हल्ला बोल'रैली आयोजित की, जिसे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने संबोधित किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौर ने भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की रैली का असली मकसद गांधी परिवार को बचाना और परिवार के वंशज राहुल गांधी को फिर से 'लान्च' करना है। राठौर ने कहा,"यह रैली परिवार को बचाने के

लिए है न कि मूल्य वृद्धि के विरोध में। साथ ही यह राहुल गांधी को फिर से 'लॉन्च' करने के लिए है जिन्हें राजनीति में कई बार 'लॉन्च' किया गया है। यह रैली 'राहुल गांधी रिलॉन्च 4.0'है, क्योंकि कोई भी कांग्रेस का नेतृत्व नहीं करना चाहता है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी "2014 से अब तक 90 फीसदी चुनाव हार चुकी है। उत्तर प्रदेश के चुनावों में 90 फीसदी से ज्यादा सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई।" भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस जमीनी हकीकत से अनजान है, और "उसके पास कोई दूरदृष्टि नहीं है, कोई नीति नहीं है और कोई नेतृत्व नहीं है।" राजस्थान से सांसद राठौर ने वहां की कांग्रेस सरकार और उसके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि भले ही "महिलाओं और संतों के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई" है, गहलोत "गांधी परिवार को राज्य में कानून और व्यवस्था पर प्राथमिकता दे रहे हैं।" राठौर ने कहा, "जब भी कानून प्रवर्तन एजेंसियां ... गांधी परिवार को बुलाती हैं तो राजस्थान के मुख्यमंत्री दिल्ली आते हैं।

दिल्ली के सरकारी स्कूल के शिक्षकों ने लाखों छात्रों के जीवन को बेहतर बनाया: सिसोदिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को कहा कि सरकारी स्कूलों के शिक्षक अपने अथक प्रयासों और प्रतिबद्धता से लाखों बच्चों के जीवन स्तर में सुधार कर रहे हैं। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिसोदिया ने यह बात कही।

उन्होंने दिल्ली के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को दिल्ली शिक्षा क्रांति का ध्वजवाहक करार दिया है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री सिसोदिया ने कहा, न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश को हमारे स्कूल के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के काम पर गर्व है। वे ही हैं जो शिक्षा नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करना सुनिश्चित करते हैं और प्रत्येक बच्चा उनके द्वारा सकारात्मक रूप से

प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों का विकास उनके प्रधानाचार्यों के प्रयासों से संभव हुआ है। सिसोदिया ने कहा, स्कूल के प्रधानाचार्यों ने पिछले सात वर्षों के दौरान नवीन विचारों को बढ़ावा देकर, शिक्षकों और बच्चों को बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करके, शिक्षक-छात्र समुदाय के बीच बेहतर संबंध स्थापित करके और सीखने के लिए अनुकूल माहौल बनाकर दिल्ली सरकार के स्कूलों को आगे बढ़ाने और आधुनिक बनाने में अहम योगदान दिया है।

लूट के आरोप में गिरफ्तार आदिवासी की हिरासत में मौत, पांच पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी

महू (मध्य प्रदेश)। महू शहर में लूट के एक मामले में गिरफ्तार 19 वर्षीय आदिवासी युवक की हिरासत में हुई मौत के सिलसिले में पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार को हुई घटना के विरोध में मृतक के परिजन और जय आदिवासी युवा संगठन (जयस) के सदस्यों ने मानपुर पुलिस थाने में प्रदर्शन किया। उन्होंने यहां आगरा-बंबई राष्ट्रीय राजमार्ग को कुछ देर के लिए अवरुद्ध कर दिया और युवक की मौत पुलिस प्रताड़ना से होने का आरोप लगाया। एक अधिकारी ने बताया कि मानपुर कस्बे के रहने वाले अर्जुन सिंगरे को शुक्रवार को लूट के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि अगले दिन पूछताछ के दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे पास के एक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। इंदौर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक भगवत सिंह विरडे ने बताया कि प्रदर्शन के बाद उपनिरीक्षक कमल उइके, सहायक उपनिरीक्षक दिनेश वर्मा एवं निर्भय सिंह और दो कांस्टेबलों सहित पांच पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है। उन्होंने बताया कि सिंगरे लूट, डकैती और चोरी जैसे कई गंभीर अपराधों में कथित तौर पर शामिल रहा है।

रूस और भारत रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत बनाने को लेकर प्रतिबद्ध: रूसी राजदूत

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा कि रूस और भारत यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं कि दोनों रणनीतिक साझेदारों के बीच रक्षा सहयोग यूक्रेन संकट से "निर्बाध"रहे और "नकारात्मक बाहरी कारकों" से पैदा हुईं "बाधाओं"को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके। रूसी राजदूत ने पीटीआई-से कहा कि रूस द्वारा भारत को सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एस-400 की आपूर्ति करने की प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच रक्षा क्षेत्र में आपसी संबंधों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर नियमित रूप से संवाद हो रहा है। अलीपोव की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है जब भारत में कुछ हलकों ने आशंका जाहिर की है कि यूक्रेन में संघर्ष के कारण भारतीय सशस्त्र बलों को रूस द्वारा प्रमुख सैन्य प्रणालियों और अन्य साजो-सामान की आपूर्ति में देरी हो सकती है। अलीपोव ने कहा, रक्षा क्षेत्र में सहयोग रूस और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी के प्रमुख स्तंभों में से एक है। हमारे दोनों देश यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत प्रेरित हैं कि यह सहयोग निर्बाध रूप से जारी रहे। उन्होंने कहा, हम नकारात्मक बाहरी कारकों द्वारा निर्मित बाधाओं को सफलतापूर्वक कम करने और वैकल्पिक भुगतान और रसद विकल्पों का उपयोग करके नयी वास्तविकताओं को समायोजित करने में कामयाब रहे हैं। विशेष रूप से एस-400 मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति के बारे में पूछे जाने पर अलीपोव ने कहा, यह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। गौरतलब है कि भारत ने अमेरिकी प्रतिबंधों की आशंका को दरकिनार करते हुए एस-400 वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली की पांच इकाइयों की खरीद के लिए रूस के साथ अक्टूबर 2018 में पांच अरब अमेरिकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अलीपोव ने कहा, "हमारे नेताओं के बीच व्यक्तिगत समझ है, वे नियमित संवाद करते हैं और गहरी आपसी समझ प्रदर्शित करते हैं। दिसंबर 2021 में राष्ट्रपति (व्लादिमीर) पुतिन की नयी दिल्ली की यात्रा एक ऐतिहासिक घटना थी।" उन्होंने कहा, "इस साल दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर चार बार बात की। उनके लिए ब्रिक्स, एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) और जी20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बातचीत करने के कई मौके आये।

परिवार के तीन सदस्यों के इस्लाम धर्म अपनाया, इसके विरोध में हिंदू संगठनों ने निकाली रैली

एजेंसी

पालनपुर (गुजरात)। गुजरात में एक हिंदू परिवार के तीन सदस्यों के इस्लाम धर्म अपनाने और इसके कारण परिवार के एक सदस्य के आत्महत्या का प्रयास करने के मामले के खिलाफ दीसा शहर में शनिवार को हिंदू संगठनों द्वारा निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक अक्षय राज मकवाना ने बताया कि रैली शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अधिकारियों द्वारा अनुमति दिए गए मार्ग के अलावा केवल एक समूह ने दूसरे मार्ग का इस्तेमाल किया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, शनिवार को दीसा शहर में आयोजित

रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली को पहले से निर्धारित मार्ग पर निकाला जाना था। यह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई और कानून-व्यवस्था उचित तरह से बनी रही। कुछ प्रदर्शनकारियों के लाठीचार्ज में घायल होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, रैली में लोगों के एक समूह ने तय किए गए रास्ते से अलग रास्ता अपनाया। पुलिस ने भारी लाठीचार्ज या घायल किए बिना उन्हें इस बारे में समझाने की कोशिश की। मकवाना ने बताया, आत्महत्या के लिए उकसाने और जबरन वसूली करने के पांच आरोपियों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। 28 अप्रैल को पालनपुर (पूर्व) पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार हरेश सोलंकी, जिसने जहर खाकर जान देने की कोशिश की थी, ने कहा है कि वह अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के इस्लाम धर्म अपनाने और उनके अलग रहने से अवसाद में था। एक शेख परिवार के पांच सदस्यों के खिलाफ धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 384 (जबरन वसूली) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

पंजाब पुलिस ने मध्य प्रदेश से तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया, 63 देशी कट्टा बरामद

एजेंसी

खरगोन (मध्य प्रदेश)। पंजाब पुलिस ने मध्य प्रदेश के खरगोन जिले से तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 63 देशी कट्टे बरामद किये हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पंजाब के विशेष अभियान प्रकोष्ठ के उप निरीक्षक जगदीप सिंह ने बताया कि पंजाब पुलिस के दल ने खरगोन के काजल पुरा रोड से कैलाश सिंह, सोनू सिंह और गोरेलाल को शनिवार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 63 देशी कट्टे बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि तीनों के खिलाफ पंजाब के अमृतसर क्षेत्र में 24 मामले दर्ज हैं और ये लोग यहां से पंजाब और राजस्थान समेत अन्य राज्यों में अवैध रूप से हथियारों की आपूर्ति किया करते थे। सिंह ने बताया कि अगस्त 2022 में अमृतसर पुलिस ने जय शर्मा और दीपक प्रताप को गिरफ्तार कर उनके पास से चार देशी कट्टा बरामद किया था। दोनों ने पूछताछ में पुलिस को बताया था कि उक्त हथियार उन्होंने इन तीन आरोपियों से खरीदे थे। खरगोन के पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह यादव ने बताया कि पंजाब पुलिस की टीम को खरगोन पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की।

मान का टोल बंद वाला ऐलान था सियासी ड्रामा? पूर्व सांसद ने लोगों को गुमराह करने का लगाया आरोप

एजेंसी

लुधियाना। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संगरूर के दौरे पर लुधियाना के रास्ते में पड़ने वाले दो टोल प्लाजा बंद करने का ऐलान किया। लेकिन इसको लेकर भी राजनीति शुरू हो गई है और आप के पूर्व नेता ने मान सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। दरअसल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज

घोषणा की कि लड्डा और मंडी अहमदगढ़ टोल प्लाजा 5 सितंबर से बंद रहेंगे। ये आज रात 12 बजे तक ही चलेगा। मुख्यमंत्री ने इलाके के निवासियों को बधाई देते हुए कहा, 'टोल अधिकारी छह महीने का विस्तार चाहते थे लेकिन राज्य सरकार ने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब में आप सरकार के गठन के पहले दिन से ही वे राज्य के समग्र विकास और लोगों के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वहीं पटियाला से आम आदमी पार्टी के पूर्व सांसद डॉ धर्मवीर गांधी ने भगवंत मान पर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल किया है कि भले ही यह टोल प्लाजा आज रात की अवधि समाप्त होने के बाद बंद होने जा रहा है, फिर नौटंकी की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि धुरी टोल प्लाजा बंद करने का ड्रामा और लोगों के पैसे की बर्बादी। हर जगह ड्रामा कर राज्य का पैसा खराब करने की जरूरत नहीं भगवंत मान जी। धूरी टोल बंद करने का ऐलान करने वाले भगवंत मान दरअसल पंजाब की जनता को बेवकूफ बना रहे हैं, हमारा मीडिया उनसे सवाल नहीं करता। दरअसल, सड़क पर टोल प्लाजा लगवाते समय इसकी एक अवधि होती है कि टोल को इतना समय लगना पड़ता है और फिर उसे बंद करना पड़ता है। पूर्व सांसद डॉ धर्मवीर गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा कि धूरीवाले टोल का अनुबंध 4 सितंबर 2022 यानि आज खत्म हो जाएगा।

भगवंत मान को जैसे ही पता चला वह यह खबर लेने पहुंचे कि मैं टोल बंद कर दूं। बिना बात किये सरकारी कार्यक्रमों से लोग पैसा बर्बाद कर रहे हैं मुख्यमंत्री साहब। वहां से सरकारी कर्मचारियों को न तो तनख्वाह मिली, न एमएसपी मिला न ही मरने वाले 1 लाख से ज्यादा मवेशियों के बारे में सरकार ने कुछ किया। विज्ञापनों और नाटकों पर ही सरकार का पूरा जोर है।

गुलाम नबी आजादी ने अपनी पार्टी का एजेंडा पेश किया, पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराना प्राथमिकता

एजेंसी

जम्मू। गुलाम नबी आजादी ने कांग्रेस छोड़ने के बाद रविवार को अपनी पहली रैली में अपनी पार्टी के एजेंडे पर रोशनी डाली जिसमें जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराना, राज्य के नागरिकों के भूमि और रोजगार के अधिकारों की सुरक्षा तथा कश्मीरी पंडितों की वापसी और पुनर्वास शामिल हैं।

जम्मू के पास सैनिक कॉलोनी में सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह जम्मू कश्मीर की जनता और नेताओं से परामर्श करने के बाद अपनी नयी पार्टी का नाम घोषित करेंगे। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद के जम्मू हवाई अड्डे पर पहुंचने पर बड़ी संख्या में उनके समर्थकों ने उनका स्वागत किया और फिर एक जुलूस में उन्हें रैली स्थल

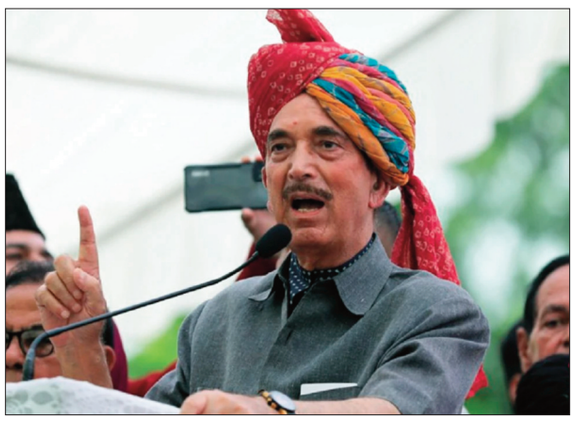

तक ले गये। आजाद के साथ मंच पर पूर्व उप मुख्यमंत्री तारा चंद, कांग्रेस से उनके समर्थन में इस्तीफा देने वाले कई पूर्व मंत्री एवं विधायक, पूर्व पीडीपी विधायक सैयद बशीर तथा अपनी पार्टी के पूर्व विधायक शोएब नबी लोन उपस्थित थे। आजाद ने इस मौके पर कहा कि उनकी नयी पार्टी जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किये जाने, उसके नागरिकों के लिए भूमि और नौकरियों के अधिकार सुरक्षित करने तथा कश्मीरी पंडितों की वापसी एवं पुनर्वास पर ध्यान देगी। आजाद (73) ने कांग्रेस के साथ अपने पांच दशक लंबे संबंध को 26 अगस्त को तोड़ दिया था।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश दौलतपुर में 3 सितंबर को आयोजित हुआ सदस्यता शिविर

उत्तर प्रदेश दौलतपुर में 3 सितंबर 2022 को शाक्य वाहुल ग्राम पंचायत रायसिंह शाक्य के नेतृत्व में सदस्यता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 85 प्राथमिक सदस्य बनाए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामप्रसाद शाक्य ने की संचालन जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा साजिद अली ने किया। शिविर में प्रमुख रूप से जिला सदस्यता प्रभारी चंद्रपाल सिंह यादव, सदस्यता प्रभारी व जिला प्रभारी डॉ0 नवल किशोर शाक्य,जिला उपाध्यक्ष बृजेश पाल, जिला उपाध्यक्ष डॉ0 नवरंग सिंह यादव, किसान नेता छविराम सिंह शाक्य, उमेश शाक्य, नगरध्यक्ष नवाबगंज सिंह शाक्य, पूर्व प्रधान रामप्रसाद शाक्य, श्याम सिंह शाक्य, महेश चंद शाक्य, रामसिंह शाक्य, प्यारेलाल शाक्य, सुखराम सिंह शाक्य, राजपाल शाक्य, सोहनलाल शाक्य, नरेश कुमार शाक्य मुन्ना लाल शाक्य, राकेश कुमारशाक्य, सुरेंद्र कुमार शाक्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तहसील सभागार में बीके गुप्ता उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस हुआ संपन्न

उत्तर प्रदेश अनूप शहर में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन 45 शिकायतें आई 5 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। तहसील सभागार में बीके गुप्ता उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न हुआ। राजसव विभाग, विद्युत विभाग, पुलिस विभाग, की अधिकतर शिकायतें है। स्वास्थ्य विभाग नदारद हुआ बालेंद्र भूषण, तहसीलदार अन्विता, उपाध्याय पुलिस क्षेत्राधिकारी मोकम सिंह, व राजकुमार खंड, विकास अधिकारी संजय वर्मा, अधिशासी अधिकारी, सिंचाई विभाग, वन विभाग, जल निगम विभाग, आपूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, आदि विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान जालोर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक की कमी से बच्चों का भविष्य दांव पर

राजस्थान जालोर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कालेटी में स्टाफ को लेकर बहुत बड़ी समस्या है। इसके बारे में ग्रामीणों ने पहले भी राज्य सरकार को अवगत किया था। इसके बाद वर्तमान समय में मात्र 4 अध्यापक मिलकर पूरे स्कूल को पढ़ा नहीं सकते, उसके लिए और अधिक शिक्षक की आवयश्कता है। 4 में से 3 शिक्षक सरकार की विभिन्न गतिविधियों में लगे रहते है और ना भी लगे तो भी 400 बच्चों को संभालने/पढ़ाने का काम 4 शिक्षक नहीं कर सकते हैं। बच्चे शिक्षकों से पढ़ाई के लिए मुंह ताकते है, लेकिन स्थिति यह है कि सरकार के दिए कार्य या सूचना से ही नहीं निकल पाते तो पढ़ाई कब करवाए और यह भी नहीं है कि, एक शिक्षक सारे विषय पढ़ा ले। उसके लिए हर विषय का अध्यापक चाहिए क्योंकि 9-10 में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, 11-12 में अंग्रेजी, हिंदी-साहित्य, इतिहास पढ़ाने वाला भी कोई नहीं है।

मध्य प्रदेश राजगढ़ में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पूरे नगर को स्वच्छ बनाया गया

मध्य प्रदेश राजगढ़ जीरापुर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुमार कुशवाह, उपाध्यक्ष हेमंत जोशी एवं सभी पार्षद गण, बनकट महेश्वरी पार्षद, प्रतिनिधि शिव मंडलोई, गिरिराज, जुलानिया प्रतिनिधि सुनील हिंडोलिया पार्षद, शंभू वर्मा, पार्षद प्रतिनिधि टैक्सी, पार्षद कमल जावा व्हाट्सएप संजय भावसार द्वारा नगर हित में कई सराहनीय कार्य किए जा रहे है। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत पूरे नगर को स्वच्छ बनाया जा रहा है नालियों की साफ सफाई की जा रही है। वहीं जगह-जगह डस्टबिन की व्यवस्था की जा रही है, व कचरा वाहन पूरे नगर का कचरा इकट्ठा कर ट्रेचिंग ग्राउंड में डाल रहे है। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राही नियाज मोहम्मद पिता नन्हे खान निवासी वार्ड क्रमांक 12 की मृत्यु 17/8/22 को हो गई थी, जिसकी अनुग्रह सहायता राशि ₹200000 बहुत कम समय 14 दिवस में है। स्वीकृत करा दी गई इन सभी कार्य को देखते हुए नहीं परिषद के प्रति नगर में हर्ष की लहर दौड़ रही है।

सलोनी जैन ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर रोशन किया नगर का नाम

मध्य प्रदेश मैहर जनपद के ग्राम सोनवारी के अंतर्गत आने वाले अल्ट्राटेक सीमेंट में कार्यरत अखिलेश ममता जैन की पुत्री सलोनी जैन ने कड़ी मेहनत के बाद सीए की उत्तीर्ण करने में सफलता हासिल की, सरला नगर विद्यालय से प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात इंदौर के प्रख्यात कॉलेज से उन्होंने इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की और इंदौर से ही उन्होंने सीए की तैयारी करते हुए इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने में सफलता हासिल किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता गुरुजनों एवं अपने मित्रों को दिया। उधर उनके माता-पिता ने बताया कि बचपन से ही सलोनी को पढ़ाई लिखाई के साथ खेलकूद का भी शौक था और उन्होंने कई ट्रॉफ़ियां एवं मैडल जीते है, सलोनी की सफलता पर अल्ट्राटेक सीमेंट परिवार और उनके शुभचिंतकों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना प्रेषित करते हुए हर्ष व्यक्त किया।

पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता कुणाल त्रिपाठी हुए अगवा, अपहर्ताओं ने बनाई मारपीट की वीडियो, हुई वायरल

आशीष यादव:

पटना हाई कोर्ट के पास से हाईकोर्ट के अधिवक्ता कुणाल गौरव त्रिपाठी का अपहर्ताओं ने अपहरण कर लिया था। जानकारी के मुताबिक अपहर्ताओं ने कुणाल गौरव को मारपीट करते हुए वीडियो बनाकर उनके पिताजी के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप वीडियो भेजा जो रांची में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। कुणाल के पिता ने तुरंत मामले की जानकारी पटना स्थित अपने भांजे जदयू उपाध्यक्ष रंजीत कुमार को दी और रंजीत कुमार ने तत्परता दिखाते हुए पटना पुलिस को मामले की सूचना दी पटना पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ताबड़तोड़ छापामारी करते हुए वैशाली जिले के देसरी थाना क्षेत्र से एक मुर्गी फार्म में बंधक बनाकर रखे गए। अधिवक्ता कुणाल गौरव को पुलिस ने बरामद किया साथ ही घटनास्थल से चार 4 मोबाइल फोन एवं बोलेरो गाड़ी के साथ गिरफ्तार किया गया हैं।

मुख्यमंत्री ने रखी रोहडी में 91.16 करोड़ रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश के गठन के 75 वर्ष के उपलक्ष्य में 'प्रगतिशील हिमाचलः स्थापना के 75 वर्ष' आयोजन की श्रृंखला में आज सिरमौर जिला के पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के रोहड़ी में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने इस अवसर पर एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जन-जन के सहयोग से हिमाचल आज प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हिमाचल को विकास के विभिन्न मानकों पर देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए एकजुट होकर सत्त प्रत्यनशील रहें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास का श्रेय प्रत्येक हिमाचली के परिश्रम और समर्पण को जाता है। जय राम ठाकुर ने कहा कि विगत 75 वर्षों में सभी क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश का समग्र विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के समय प्रदेश में केवल 301 शैक्षणिक संस्थान, 88 स्वास्थ्य संस्थान और प्रति व्यक्ति आय 240 रुपये थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 16,124 से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 4320 स्वास्थ्य संस्थान लोगों को उनके घर-द्वार के समीप गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 2,01,854 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1948 में प्रदेश में सड़कों की लम्बाई 228 किलोमीटर थी जबकि वर्तमान में प्रदेश में 39,500 किलोमीटर से अधिक लम्बी सड़कें विकास को गांव-गांव तक पहुंचाने का साधन बन रही हैं। उन्होंने कहा कि आज हिमाचल प्रदेश शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य है। विकास के अन्य मानकों में भी हिमाचल की उपलब्धियां बेहतरीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की स्वतन्त्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के साथ हिमाचल प्रदेश भी अपने गठन के 75 वर्ष मना रहा है। देश ने लम्बे संघर्ष और अनेक बलिदानों के पश्चात स्वतंत्रता प्राप्त की है और युवा पीढ़ी को भी अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दिए गए बलिदानों के विषय में जागरूक करना महत्वपूर्ण है। जय राम ठाकुर ने कहा कि पौने पांच वर्षों के दौरान प्रदेश सरकार ने राज्य का एक समान एवं सन्तुलित विकास सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा केंद्र और हिमाचल की डबल इंजन सरकार भविष्य में भी हिमाचल में विकास की तेज गति बरकरार रखेंगी। जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने समाज के हर वर्ग के कल्याण और राज्य के हर क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि गृहिणी सुविधा योजना के तहत प्रदेश में 3.32 लाख से अधिक महिलाओं को निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली निःशुल्क प्रदान की जा रही है और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। समारोह में हिमाचल प्रदेश के 75 वर्षों के गठन पर आधारित थीम सॉन्ग प्रस्तुत किया गया।

पश्चिमी हिमालयी समशीतोष्ण वृक्षोद्यान परियोजना की सलाहकार समीति की बैठक हुई आयोजित

एनसीआर समाचार

वन विभाग के वन्यप्राणी प्रभाग द्वारा वित्त पोषित पश्चिमी हिमालयी समशीतोष्ण वृक्षोद्यान परियोजना की सलाहकार समीति की बैठक प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन्यप्राणी) एवं मुख्य वन्यप्राणी संरक्षक हिमाचल प्रदेश राजीव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस परियोजना का क्रियान्वयन हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी द्वारा किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन्यप्राणी) राजीव कुमार ने कहा कि, इस परियोजना के अन्तर्गत शिमला में वृक्ष-उद्यान विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, इस वृक्ष-उद्यान में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि, उद्यान में पानी की सुविधा व आग जैसी घटनाओं से निपटने के लिए भी उचित प्रबन्ध किए जाएंगे। बैठक के दौरान डॉ. संजीव, निदेशक व वैज्ञानिक हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, पंथाघाटी एवं पश्चिमी हिमालयी समशीतोष्ण वृक्षोद्यान परियोजना के प्रभारी डॉ. वनीत जिष्टू ने परियोजना की संकल्पना, उद्देश्य व परियोजना के अन्तर्गत किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की रूपरेखा पर विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ. वनीत जिष्टू ने बताया कि, इस परियोजना के माध्यम से शिमला शहर में हरित स्थलों को वृक्षोद्यान द्वारा बढ़ाया जाएगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शिमला व इसके आस-पास के क्षेत्रों में पौधे रोपित करना, पेड़ों को स्वस्थ रखना, शहरी जैव विविधता का संरक्षण, स्थानीय वृक्षों की प्रजातियों को रोपित करके पारिस्थितिकी संतुलन बनाना।

हिल असेंबली पहाड़िया महासभा झारखंड द्वारा अपने विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया

एनसीआर समाचार

झारखंड जिला साहिबगंज बोरियो प्रखंड के कार्यालय के मैदान में आज हिल असेंबली पहाड़िया महासभा झारखंड के द्वारा अपने विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। असेंबली पहाड़िया महासभा के महासचिव शिवचरण मालतो द्वारा बताया गया कि यह आंदोलन 11 वर्षों से चला जा रहा है यह आंदोलन राजमहल पहाड़ में हो रहे अवैध खनन को रोकने व आदिम जनजाति के अस्तित्व को बचाने के लिए किया जा रहा है। 11 वर्षों से अवैध माइनिंग का काम राजमहल पहाड़ में किया जा रहा है जिससे राजमहल पहाड़ में बसे आदिम जनजाति के जितने भी लोग हैं उन्हें वहां से हटा दिया जाता है। वहीं बताया गया कि शिवचरण मालतो द्वारा बताया गया की आदिम जनजातियों का जंगल एवं पहाड़ का लगाव बहुत ही गहरा है पहाड़ व जंगल ना रहे तो इनका अस्तित्व पर संकट आ सकता है। वहीं अप्रैल 2022 को समक्ष प्रवर्तन निदेशालय आंदोलन कर आवेदन सौंपा गया था जिसके परिणाम स्वरूप जुलाई में साहिबगंज जिला पंकज मिश्रा एवं उनके अन्य साथियों के ऊपर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापा पड़ा जिसमें तकरीबन 3 करोड़ों से भी अधिक की राशि जप्त की गई, हिल असेंबली पहाड़िया महासभा के महासचिव शिवचरण मालतो एवं अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि हमारी मांग राजमहल पहाड़ को बचाना मुख्य मांग राजमहल की पहाड़ी खदान क्रेशर बंद करदिया जाय, ई डी द्वारा जब्त करोड़ो राशि पहाड़िया रैयतों का भुगतान किया जाए। झारखंड राज्य आदिम जनजाति आयोग का गठन किया जाय, पांचवी अनुसूची क्षेत्रों में केंद्रीय कानून पैसा 1996 के 23 प्रावधानों को लागू करना एवं आदिम जनजाति पेंशन में 1000 से बढ़ाकर 5000 मासिक पेंशन करना, इस मौके पर उपस्थित महासचिव शिवचरण मलतो, लिमोती मलतो जिला अध्यक्ष,सरदार मैसा पहाड़िया मंडरो, धर्मदेव पहाड़िया बरहेट, आबू पहाड़िया आदरो, जोशेप मलतो चेयरमैन बरहेट, शाऊल मलतो, फागू पहाड़िया चतरा मंडरो, डेविड मलतो, आदि लोग मौजूद रहे।

विज्ञान के पास भी नहीं परमाणु संयंत्र से निकलने वाली रेडियोधर्मी कचरा का निस्तारण करने की सुरक्षित विधि

इन्द्रमेन मार्को / एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश मंडला परमाणु उर्जा स्वच्छ नहीं है। इसके विकिरण के खतरे सर्वविदित है। वहीं परमाणु संयंत्र से निकलने वाली रेडियोधर्मी कचरा का निस्तारण करने की सुरक्षित विधी विज्ञान के पास भी नहीं है। ऐसी दशा में 2.4 लाख वर्ष तक रेडियोधर्मी कचरा जैवविविधता को नुकसान पहुंचता रहेगा। वहीं अध्ययन में यह बात भी सामने आया है कि परियोजना के आस-पास निवास करने वाले लोंगों के बीच विकलांगता, कैंसर और महिलाओ में गर्भपात एवं बांझपन की मात्रा बढ़ गई है। परमाणु उर्जा संयत्रों के इतिहास की तीन भीषण दुर्घटनाओं थ्री माइल आइस लैंड अमेरिका, चेर्नोबिल युक्रेन और फुकुशिमा जापान ने बार-बार हमें यह बताया जाता है कि यह एक ऐसी तकनीक है जिस पर इंसानी नियंत्रण नहीं है। इस परिस्थित में इस परियोजना के निर्माण पर पुनर्विचार करना चाहिए। अगर इन खतरों के बाद भी सरकार इस परियोजना को बनाना चाहती है तो प्रदेश की जनता परमाणु संयंत्र से बनने वाली बिजली का दर जानना चाहती है, जो नहीं बताया जा रहा है। जबकि उत्पादित बिजली का 50 % मध्य प्रदेश सरकार को खरीदना है। ज्ञात हो कि रीवा सोलर प्लांट से मिलने वाली बिजली का अधिकतम दर रूपये 2.97 है। जो दिल्ली मेट्रो को बेचा जा रहा है। वर्ष 2020 के सरकारी आंकडे अनुसार प्रदेश में नवीकरणीय उर्जा की क्षमता 3965 मेगावाट है। जबकि प्रदेश के विभिन्न अंचलो में 5 हजार मेगावाट की सोलर पावर प्लांट निर्माणाधीन है। रिसर्च फाउंडेशन दिल्ली की रिपोर्ट के अनुसार परमाणु बिजली की लागत 9 से 12 रूपये प्रति यूनिट आएगी। लगभग चालीस वर्ष तक चलने वाली परमाणु उर्जा संयत्र का डी कमिशनिंग (संयंत्र को बंद करना) आवश्यक होगा, जिसका खर्च स्थापना खर्च के बराबर होगा। अगर इस खर्च को भी जोडा जाएगा तो बिजली उत्पादन की लागत 20 रुपए प्रति यूनिट आएगी।

लापता युवक का शव मिला, परिजनों ने शव को हाईवे पर रख लगाया जाम

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश कोतवाली डिबाई क्षेत्र के गांव यावा पुर के युवक महिपाल सिंह पुत्र रोशन लाल 22 वर्षीय के पास 29 अगस्त को रात 11:00 बजे एक पड़ोसी युवती का फोन आया और उसी समय वह घर से लापता हो गया। सुबह युवक के परिजनों ने काफी तलाश की परंतु कहीं भी युवक का सुराग नहीं मिला मृतक के पिता ने युवती के परिजनों के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी। खेतों पर काम कर रहे लोगों को गौशाला के पास एक युवक का शव दिखा, जिसके बाद लोगों ने यह सूचना पुलिस को दी और घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को बिना सूचना दिए जिला मुख्यालय पर शव का पोस्टमार्टम करने के लिए भेजा गया पुलिस ने ही जिला मुख्यालय से परिजनों को सूचना दी परिजनों को सूचना मिलते ही परिजनों ने शव को हाईवे पर रख कर जाम में लगा दिया, जिसके बाद सैकड़ों लोग एकत्रित हो गए और शोर शराबा किया सूचना मिलते ही अन्विता उपाध्याय पुलिस क्षेत्राधिकारी अनूप शहर वीके सिंह पुलिस क्षेत्राधिकारी के डिबाई उप जिलाधिकारी भारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को कानूनी कार्यवाही का आश्वासन देकर जाम खुलवाया और शव को अंतिम संस्कार के लिए मस्तराम घाट अनूप शहर पर भेज दिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने प्रेस वार्ता में बताया कि मृतक के पिता के आधार पर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है शेष तीन व्यक्तियों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने की प्रगतिशील हिमाचल स्थापना के 75वें वर्ष के कार्यक्रम की अध्यक्षता

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि, जवाली में एक नया विकास खंड कार्यालय खोला जाएगा और क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए 50 बिस्तरों वाले नागरिक अस्पताल को 100 बिस्तरों के अस्पताल में स्तरोन्नत किया जाएगा।

'प्रगतिशील हिमाचलः स्थापना के 75 वर्ष' समारोहों की कड़ी में आज कांगड़ा जिले के जवाली विधानसभा क्षेत्र के ज्वाली में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने यह घोषणाएं कीं। जय राम ठाकुर ने कहा कि, स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि, इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत देश की जनता से अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में राष्ट्र और तिरंगे के प्रति गौरव, स्नेह और सम्मान की भावना पैदा करना है। मुख्यमंत्री ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रदेशवासियों का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, हिमाचल प्रदेश भी अपने अस्तित्व के 75वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और राज्य सरकार प्रदेश भर में 75 कार्यक्रम आयोजित करके इस महत्वपूर्ण अवसर को शानदार तरीके से मना रही है। उन्होंने कहा कि, इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को राज्य के गौरवमयी विकासात्मक, सांस्कृतिक और राजनीतिक सफर से अवगत करवाना है। उन्होंने कहा कि, यह अवसर उन सभी नेताओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों, कर्मचारियों, श्रमिकों, किसानों और सबसे बढ़कर उन सभी लोगों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का है, जिन्होंने हिमाचल के विकास में योगदान दिया है। उन्होंने हिमाचल को देश के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श राज्य बनाने तथा सक्षम नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्रियों का धन्यवाद भी किया। जय राम ठाकुर ने कहा कि कोविड-19 प्रबंधन के मामले में हिमाचल देश के सर्वश्रेष्ठ राज्यों में से एक रहा। उन्होंने कहा कि, इस महामारी से निपटने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की न केवल प्रधानमंत्री, बल्कि अन्य राज्यों ने भी सराहना की है। उन्होंने कहा कि, इस संकट के दौरान प्रदेश सरकार ने देश के अन्य राज्यों में फंसे लगभग ढाई लाख लोगों को सुरक्षित घर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि, विपक्ष के नेताओं ने उस कठिन दौर और संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण करने से भी परहेज नहीं किया।

इन नेताओं ने कोरोना रोधी टीकाकरण को लेकर भी लोगों को गुमराह करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने कहा कि, प्रदेश सरकार ने धर्मशाला से 'नारी को नमन' कार्यक्रम शुरू करके महिलाओं को हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में किराये में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की है। महिलाओं को यह रियायत राजनीतिक कदम नहीं है, बल्कि महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के प्रदेश सरकार के संकल्प की दिशा में एक छोटा कदम है। उन्होंने कहा कि, महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने शगुन योजना, गृहिणी सुविधा योजना, बेटी है अनमोल और महिला स्वयं सहायता समूहों की मदद जैसी योजनाएं आरंभ की हैं। उन्होंने कहा कि, गंभीर बीमारियों या दुर्घटनाओं के कारण असहाय लोगों के लिए प्रदेश सरकार की सहारा योजना वरदान साबित हो रही है। इन असहाय लोगों को प्रतिमाह 3000 रुपये की राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि, अभी तक किसी भी सरकार ने गरीब और जरुरतमंद लोगों के लिए ऐसी योजनाएं शुरू करने के बारे में नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट मुफ्त बिजली भी उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि, जिस पार्टी की अपनी कोई गारंटी नहीं है, वह राज्य के लोगों को दस गारंटी दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

राजगढ़ पुलिस अधीक्षक अवधेश गोस्वामी के द्वारा चलाए जा रहे स्थाई वारंटी धरपकड़ अभियान

मध्य प्रदेश राजगढ़ पुलिस अधीक्षक अवधेश गोस्वामी के द्वारा चलाए जा रहे है स्थाई वारंटी धरपकड़ अभियान के अंतर्गत S.D.O.P. राजगढ़ सनम बी खान के निर्देशानुसार थाना प्रभारी छापीहेड़ा अर्जुन सिंह मुजाल्दे के द्वारा स्थाई वारंटी धरपकड़ के लिए टीम गठित की, J.M.F.C. न्यायालय सारंगपुर के प्रकरण क्रमांक 1889 /15 धारा 294, 323,506, 34 IPC के स्थाई फरार वारंटी गंगाराम पिता रततीराम मालवीय उम्र 60 वर्ष एवं भोलाराम पिता नाथू लाल मालवीय उम्र 50 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय सारंगपुर पेश किया गया, इसमें विशेष रूप से प्र आ 01 दिलीप कुमार, प्र आ 305 बने सिंह, प्र आ 342 फतेह सिंह सिंह, आ 690 कमल, आ 496 नरेंद्र, आ 567 राजेंद्र शर्मा की टीम ने कालीसिंध पुलिया पर गिरफ्तार किया।

राजस्थानी नाटक 'किसी ओर का सपना' में नज़र आए श्याम प्रजापति

राजस्थान द्वारा संगीत नाटक अकेडमी, नई दिल्ली के सहयोग से दर्शक कॉलेज और म्यूजिक एण्ड आर्ट्स जयपुर में आयोजित हुए नाटक किसी और का सपना का मंचन 3 सितम्बर 2022 को शाम 6:30 बजे दर्शक कॉलेज ऑफ म्यूजिक एण्ड आर्ट्स, मालवीय नगर जयपुर में स्थित ओपन एयर थिएटर में किया गया, जिसमें जयपुर के एक छोटे से गांव जयरामपुरा के मध्यमवर्गीय परिवार से निकले श्याम प्रजापत ने मुख्य भूमिका में अभिनय किया। पिछले दिनों इन्होंने डीडी राजस्थान के एक धारावाहिक 'म्हारी गलती कोनी' में भी मुख्य भूमिका में नजर आए। यह नाटक 'किसी और का सपना' का निर्देशन डॉक्टर चंद्रदीप हाडा ने किया और इस नाटक का लेखन नंदकिशोर आचार्य ने किया। श्याम प्रजापत का कहना है कि वे आगे भी फिल्म इंडस्ट्रीज और थिएटर में अपना लक्ष्य हासिल करेंगे।

उत्तर रेलवे ने किया सराहनीय कार्य, यात्री को लौटाया खोया हुआ फोन

सलमान थानवी: उत्तर रेलवे बोर्ड के अधिकारी का काफी अच्छा सराहनीय कार्य देखने को मिला। उनका काफी अच्छा प्रदर्शन रहा हैं कि, उन्होनें समाज को प्रेरणा दी है कि समाज से केसे बुराई को खत्म किया जा सकता हैं और अधिकारियों से कैसे पेश आए। ताकि लोगों के दिल और दिमाग से गलत अवधारणाएं निकल जाए। अधिकारियों से केसे बर्ताव करें रेलवे बोर्ड के अधिकारी, गाड़ी संख्या 18477 में कार्य करने के दौरान टिकट चेकिंग स्टाफ, लाल्टू दास TTE/BRJN को यात्री का एक मोबाइल फोन मिला, जिसको उन्होंने अपने पास हिफाजत में रखा, फिर कुछ देर बाद उस मोबाइल फोन पर एक रिंग बजा, जिसका टिकट चेकिंग स्टाफ ने तुरंत उत्तर दिया उस तरफ के आदमी ने बोला कि, यह फोन उनका है और वह अभी कोच संख्या S-4 में सीट नम्बर 13 पर है। टिकट चेकिंग स्टाफ तुरंत बताए गए सीट नम्बर पर जाकर सत्यापन के बाद यात्री को मोबाइल फोन लौटा दिया। यात्री बहुत ही खुश हुए और रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज के लोगों से आग्रह किया कि हर व्यक्ति को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए और समाज में पनपने वाली बुराइयों को खत्म केसे करे इस पर गंभीर विचार करें।

पुलिस से मुठभेड़ में गोली लगने से घायल इनामी बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)। प्रतापगढ़ जिले के हथिगवां क्षेत्र में बछ्न्दामऊ-सुनियावां मार्ग पर पुलिस से हुई मुठभेड़ में गोली लगने से घायल एक वांछित इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस ने तीन/चार सितंबर की मध्यरात्रि को हथिगवां थाना क्षेत्र के बछ्न्दामऊ-सुनियावां मार्ग पर मोटरसाइकिल से आ रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश राम सिंह यादव (30) को रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि जवाबी कार्रवाई में वह बदमाश गोली लगने से जख्मी हो गया। उसे गिरफ्तार कर स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि यादव हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उसके खिलाफ लूट तथा कई अन्य जघन्य अपराधों के मामलों में कुल 18 मुकदमे दर्ज हैं।

भाजपा 'विपक्षी सांसदों-विधायकों को खरीदकर' संख्याबल बढ़ा रही है : माकपा

तिरुवनंतपुरम। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पलटवार करते हुए कहा कि 'वह (भाजपा) अपने राजनीतिक विरोधियों के सांसदों और विधायकों की खरीद-फरोख्त' कर अपना संख्याबल बढ़ाने में सफल हो रही है। इससे पहले शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि वामपंथी दल दुनिया से जल्द विलुप्त हो जाएंगे और केवल भाजपा का ही देश में भविष्य है। शाह के बयान के जवाब में माकपा ने यह पलटवार किया है। केरल से माकपा के अनुभवी नेता और पार्टी पोलित ब्यूरो के सदस्य एम.ए.बेबी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा विपक्षी दलों, खासतौर पर कांग्रेस के सांसदों और विधायकों की खरीद-फरोख्त करके देश में संख्याबल बढ़ाने में सफल हुई है। उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा भ्रष्ट राजनीति कर रही है और कांग्रेस के विधायक भी बिकने को तैयार हैं।'' बेबी ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा वर्ष 2016 के चुनाव में एकमात्र नेमोम विधानसभा सीट जीतने में सफल रही और वह भी कांग्रेस के मतों की वजह से उसे यह सफलता मिली। माकपा के वरिष्ठ नेता ने वर्ष 2021 के चुनाव में पार्टी प्रत्याशी द्वारा नेमोम सीट जीतने का संदर्भ देते हुए कहा, ''जब अमित शाह केरल में कमल खिलने की बात करते हैं, तो संभवत: उन्हें जानकारी नहीं है कि कमल के फूल का यहां केवल क्षरण हुआ।'' बेबी ने आगे कहा, ''केरल में भाजपा की (अभी) यही स्थिति है।

आरोपी की जाति का थानाधिकारी होने के कारण पीड़ित परिवारों को नहीं मिला इंसाफ

एनसीआर समाचार

राजस्थान में एक पीड़ति परिवार का कहना हे कि आरोपी की जाति का थानाधिकारी होने के कारण से हमे न्याय नही मिला, घटना की बार-बार पुनर्नाव्रति होने पर भी मंडावर थाना पुलिस चुप्पी साधे बैठी है।

राजस्थान के दौसा जिले के गांव पाकर में राकेश कुमार पुत्र राम सिंह जाति बेरवा परिवार व अन्य परिवार के सदस्य 18 जून 2022 को अपनी कार से अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में जा रहे थे। गाड़ी में 8 से 10 महिला पुरुष व बच्चे बैठे थे। वे थोड़ी देर बाद जैसे ही ग्राम किसोरपुर के स्कूल के पास पहुंची सामने सर झुका लिया निवासी केसरी का बास देवेंद्र मीणा पुत्र भगवान सहाय मीणा शराब के नशे में धुत होकर ट्रैक्टर ट्रॉली को तेज गति से खोकर की तरफ लहराता हुआ चलाता आ रहा था गाड़ी चालक सतीश चंद्र ने ट्रैक्टर चालक देवेंद्र मीणा से साइड देने के लिए कई बार होर्न बजाया लेकिन देवेंद्र मीणा ने साइट नहीं दी और शराब के नशे में ट्रैक्टर चलाने के कारण से ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर में लगी ट्रॉली पलट गई।

शराब के नशे में धुत देवेंद्र मीणा व मौके पर राकेश मीणा मुरारी मीणा पुत्र जगदेव मीणा निवासी किशोरपुरा व अन्य लोग जिन को नहीं जानते गाड़ी में बैठी महिलाएं को बच्चों पुरुषों को गाड़ी से उतारकर राकेश कुमार बेरवा और उसके परिवार वालों के साथ गंभीर मारपीट की व जाति सूचक शब्दों सैलेड चमार कहा तथा महिलाओं की लज्जा भंग करने का प्रयास किया अनीता बाई प्रिया बंदा माया देवी रीना देवी को गाड़ी में घसीटकर नीचे फेंक दिया और महिलाओं के कपड़े फाड़ दिए तथा उनके पास गले में सोने और चांदी के मंगलसूत्र सिम लिए व उन्हें बेरहमी से पीटा। माया देवी व प्रिया के गले में पहने हुए सोने के पेंडल को लूट कर

ले गए। आरोपी देवेंद्र मीणा ने और उसके साथियों ने गाड़ी चालक सतीश चंद्र के दाई आंख पर मुक्के मारे जिससे उसकी आंख में गंभीर चोट आई है। पीड़ितों के द्वारा घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए 18 जून 2022 को शाम को ही पुलिस थाना मंडावर में रिपोर्ट दर्ज करवाने गए लेकिन थाना अधिकारी पुलिस थाना मंडावर अनिल कुमार मीणा में 19 जून 2022 को रात के 1:00 बजे प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0188 /22 दिनांक 19 जून 2022 को अंतर्गत धारा 143, 279, 323, 341, 354, 378 आईपीसी में दर्ज की व पीड़ितों को सुबह रिपोर्ट की प्रतिलिपि उपलब्ध करवाई उक्त घटना के प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0191/22, 20 जून 2022 को पुलिस थाना मंडावर जिला दोसा में राकेश मीणा दिनेश मीणा निवासी किशोरपुर के खिलाफ धारा 323 341 34 427 आईपीसी में दर्ज करवाई। लेकिन घटना के 10 दिन बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई है यदि थाना अधिकारी व जांच अधिकारी समय रहते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट पर ही आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही करता तो आरोपी पुणे घटना की पुनरावृति नहीं करते लेकिन प्रथम सूचना रिपोर्ट पर कार्यवाही नहीं करने के कारण से आरोपियों ने पुलिस की मौजूदगी में शिवचरण व राकेश बेरवा के साथ जांच अधिकारी को मौका मुआयना करने में सहयोग करने पर मारपीट की वह शिवचरण के हाथ पैर तोड़ दिए वह मोटरसाइकिल को क्षति ग्रस्त करने की घटना को अंजाम दिया। पुलिस थाना मंडावर की मौन स्वीकृति के कारण आरोपियों ने इस प्रकार की घटना को अंजाम दिया वहीं पीड़ित परिवार का कहना है कि हमारे साथ ही मारपीट हुई है और हमारे खिलाफ ही 4 मुकदमे दर्ज करवाए गए हैं उक्त दोनों घटनाओं के संबंध में पीड़ित परिवार के लोगों ने कई बार पुलिस थाना मंडावर के तत्कालीन थाना अधिकारी अनिल कुमार मीणा जो कि आरोपियों की सही जाति का होने के कारण से आरोपियों को बचाने का प्रयास किया तथा आरोपियों को थाना अधिकारी अनिल कुमार मीणा का सिलेक्शन होने के कारण से आरोपी मीणा जाति के लोग आए दिन परेशान करते हैं जान से मारने की धमकी देते है।

इस संबंध में पीड़ित ने कई बार पुलिस थाना मंडावर के थाना अधिकारी श्री अनिल कुमार मीणा से जाकर मिला आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की लेकिन थाना अधिकारी अनिल कुमार मीणा आरोपी की जाति का होने के कारण से पीड़ितों को दोनों दर्ज प्रकरणों में से राहत नहीं मिली, मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता हू कि पुलिस विभाग में जाने पर पुलिस विभाग प्रत्येक व्यक्ति, न्याय, सुरक्षा व कटिबव्दता तथा ₹आमजन मे विश्वास अपराधियों मे डर₹ की शपथ लेते है लेकिन पद मिलते ही आम लोगों को न्याय,राहत व सुरक्षा देना भूल जाते हैं।

राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम अंतर्गत पोषण माह रैली निकाली गई

इन्द्रमेन मार्को / एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सुड़गांव विकास खंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत देवगांव में बाल विकास परियोजना मोहगांव अंतर्गत सेक्टर देवगांव आंगनवाड़ी केंद्र में राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम अंतर्गत पोषण माह रैली निकाली गई। जिसमें भ्रमण कर पोषण और सुपोषण की ओर आकर्षित करने का आह्वान किया गया। इस रैली में ग्राम के जनप्रतिनिधि और स्कूली बच्चे भी शामिल हुए, आंगनवाड़ी केंद्रों पर पोषण जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देवगांव सरपंच रेखा वरकड़े, उपसरपंच प्रतीक झारिया, शिव कुमार वरकड़े, परशुराम झारिया, महिला बाल विकास परियोजक मनोरमा त्रिवेदी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रियंका झारिया, रुकमणी पराठे, सरस्वती बैरागी, धनिया नेताम, चंद्रिका मरावी, शाला के बालिकाएं केंद्र के बच्चे उपस्थित रहे। रैली का उद्देश्य कुपोषण दूर भगाना है और बच्चों को स्वस्थ रखना है। ग्राम पंचायत सुड़गांव सेक्टर आंगनवाड़ी एक लुहार टोला में भी राष्ट्रीय पोषण माह में रैली निकाली गई। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम भी शामिल थी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जयंती मार्को, आंगनवाड़ी सहायिका धर्मी बाई मरावी, आशा कार्यकर्ता सीता मार्को, एएनएम पूनम मार्को, सीएचओ पूजा गौतम शामिल हुई। गर्भवती महिला विनीता, बसंती, मीरा,

हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने की आयुष डॉक्टरों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार की बात

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और आयुर्वेद मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने कहा कि, प्रदेश सरकार डॉक्टरों की मांगों के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है और पौने पांच वर्षों के दौरान उन्हें विभिन्न लाभ और सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

आज यहां हिमाचल आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी संघ (एचएएमओए) के साथ संघ की विभिन्न मांगों पर एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. राजीव सैजल ने कहा कि, आयुष चिकित्सकों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि, प्रदेश के लोगों को जमीनी स्तर तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवाने में आयुर्वेदिक चिकित्सक अमूल्य योगदान दे रहे हैं। सरकार ने भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाने के लिए अतिरिक्त प्राथमिकता दी है और नए आयुष स्वास्थ्य केंद्र खोलकर तथा डॉक्टरों एवं पैरा-मेडिकल स्टाफ के पद भरकर विभाग को मजबूत किया गया है। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री से आयुष चिकित्सकों को प्रारंभिक प्रवेश स्तर पर एलोपैथिक, दंत चिकित्सा और पशु चिकित्सकों के समान ही संवर्ग सेवाओं में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने आयुष चिकित्सा अधिकारियों की अंतिम वरिष्ठता सूची जारी करने, सेवानिवृत्ति की आयु में वृद्धि और स्नातकोत्तर नीति सहित कई अन्य मुद्दों को भी स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष उठाया। डॉ. राजीव सैजल ने संघ के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा और समयबद्ध तरीके से उचित निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में संघ के अध्यक्ष डॉ. शिव गौतम, महासचिव डॉ. राजेश्वर कंवर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज पपरोला के शिक्षक संघ के साथ भी बैठक की और आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर भी सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. माणिक सोनी ने स्वास्थ्य मंत्री को विभिन्न मांगों से अवगत कराया।

हादसे को न्योता दे रहा स्कूल का जर्जर भवन, टूटी-फूटी छत के नीचे पढ़ाई करने को मजबूर हुए बच्चे

इन्द्रमेन मार्को / एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सुड़गांव विकास खण्ड मोहगांव मुख्यालय में शिक्षा व्यवस्था और स्कूल की इमारतें पूरी तरह से बदहाली का शिकार हो चुकी हैं, मोहगांव में स्थिति उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन मोहगांव में बने कमरों की छत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। छत कब गिर जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता है। इसी बीच छत के नीचे बैठकर सैकड़ों की संख्या में बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। मासूम बच्चों की जिंदगी पर मौत का संकट लगातार मंडरा रहा है, लेकिन, शिक्षा विभाग के अफसरों पर इस ओर कोई ध्यान नहीं है। इस स्कूल में शिक्षा के नाम पर मासूमों को मौत के मुंह में धकेलने का काम चल रहा है, लेकिन शासन प्रशासन नींद की आगोश में है। बता दे कि सन 1984 में स्कूल का निर्माण हुआ था, 38 सालों से स्कूल हो रहा संचालित इस विद्यालय में दूरदराज के कई गांवों के छात्र अध्ययन करने के लिए आते थे और बेहतर शिक्षा प्राप्त करते है लेकिन आज यह विद्यालय अपनी दुर्दशा पर रो रहा है। साथ ही 6 कमरों की स्कूल में 3 कमरे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है, जो रोंगटे खड़े कर देने वाली इन तस्वीरों से साफ पता चलता है कि आखिरकार बच्चे पढ़ें तो पढ़े कहां। 6 कमरों में संचालित इस स्कूल की 3 कमरे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तो वहीं मात्र दो कमरों में कक्षा 9 से 10 तक के बच्चे अध्यापन कार्य करते हैं, एक कमरे में जहां कक्षा 11वीं से 12वीं तक के बच्चे पढ़ाई करते हैं तो वहीं दूसरे कमरे में कक्षा 11वीं से 12वीं तक की पढ़ाई संचालित होती है। मजबूरन बच्चों को बरामदा में बैठा कर शिक्षा दी जा रही है। स्कूल भवन क्षतिग्रस्त होने से प्राचार्य नारायण भवेदी उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहगांव ने बताया कि यहां पर अभिभावकों में डर का माहोल बना हुआ है, जिसके बाद बच्चों को विद्यालय भेजना बंद किया गया। वहीं कई लोगों ने अपने बच्चों को विद्यालय भेजना भी बंद कर दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक जिला कलेक्टर को उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आपूर्ति किए गए

एनसीआर समाचार

तेलंगाना के मंत्री के टी रामाराव ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक जिला कलेक्टर को उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से आपूर्ति किए गए चावल के केंद्र और राज्य के हिस्से का जवाब देने में असमर्थ होने के लिए फटकार लगाने पर आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि उच्च धारण करने वाले लोगों का ऐसा आचरण कार्यालय केवल 'मेहनती एआईएस अधिकारियों का मनोबल गिराएंगे। रामा राव ने शुक्रवार रात एक ट्वीट में कहा कि "मैं कामारेड्डी के जिलाधिकारी/कलेक्टर के साथ एफएम @nsitharaman के अनियंत्रित आचरण से स्तब्ध हूं। सड़क पर ये राजनीतिक हथकंडा मेहनती एआईएस अधिकारियों का मनोबल गिराएगा। साथ ही उन्होंने ट्वीट किया कि जितेश वी पाटिल, आईएएस को उनके सम्मानजनक आचरण के लिए मेरी बधाई। केंद्रीय मंत्री ने बिरकूर में एक पीडीएस राशन की दुकान के निरीक्षण के दौरान जितेश पाटिल से यह भी पूछा था कि वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर क्यों गायब है।

4 सितंबर को प्रत्येक मतदान केंद्र पर चलाया जाएगा विशेष अभियान

एनसीआर समाचार

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हिमाचल प्रदेश के सभी 68 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण कार्य 10 अक्तूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि, मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण कार्य 16 अगस्त से आरंभ किया जा चुका है। इस दौरान नए पात्र लोगों के नाम मतदाता सूचियों में शामिल करने के दावे और अपात्र लोगों के नाम हटाने के संबंध में आपत्तियां निर्धारित प्रपत्रों पर प्राप्त की जा रही हैं। ये दावे या आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि 11 सितंबर निर्धारित की गई है। प्रवक्ता ने बताया कि, एक अक्तूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी अपने नाम मतदाता सूचियों में दर्ज करवा सकते हैं। सभी पात्र लोगों के नाम मतदाता सूचियों में शामिल करने के लिए 3 और 4 सितंबर को प्रत्येक मतदान केंद्र पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि, मतदाता सूचियों का प्रारूप सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार के कार्यालयों के अलावा प्रत्येक बूथ लेवल अधिकारी के पास भी उपलब्ध करवाया गया है। कोई भी पात्र नागरिक इन मतदाता सूचियों का निरीक्षण करके इनमें अपने नाम दर्ज होने की पुष्टि कर सकता है। अगर उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है तो वह अपना नाम पंजीकृत करवाने के लिए निर्धारित प्रपत्र पर 11 सितंबर तक आवेदन कर सकता है। इसी प्रकार अपात्र व्यक्ति का नाम हटाने के लिए भी निर्धारित प्रपत्र पर आपत्ति दर्ज करवाई जा सकती है। राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल या वोटर हैल्पलाइन ऐप पर भी ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। मतदाता सूचियों में अपना नाम दर्ज होने की पुष्टि मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट ceohimachal.nic.in पर भी की जा सकती है। प्रवक्ता ने बताया कि मतदाता सूचियों के संबंध में 11 सितंबर तक प्राप्त दावों या आपत्तियों का निपटारा 26 सितंबर तक कर लिया जाएगा। इसके बाद 10 अक्तूबर को ये मतदाता सूचियां अंतिम रूप से प्रकाशित कर दी जाएंगी।

पंजाब में धन धन बाबा चंद्र की 528वीं जयंती 5 सितंबर को धूमधाम से मनाई जाएगी

पंजाब मलौट में 2 सितम्बर को कपूरथला जिले के बेगोवाल के निकट ग्राम नाथूपुर में 5 सितम्बर को धन्य बाबा चन्द्र का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि इस स्थान पर भंडारे का आयोजन 2 सितंबर को किया जायेगा, जिसमें विभिन्न डेरों से महापुरुष, संत महात्मा पहुंच रहे हैं। भंडारा हर साल की तरह मनाया जाएगा तथा महापुरुषो की पंगत लगाईं जायगी। उन्होंने कहा कि 2 सितंबर को आरंभ अखंड पाठ साहिब के 5 सितम्बर को भोग डाले जाएंगे 5 अगस्त को अखण्ड पाठ साहिब द्वारा संगतों की प्रगति के लिए प्रार्थना, शुद्ध गुरबानी कीर्तन और महापुरुष के भाषण, संगतों को गुरबाणी से जोड़ा जाएगा। इस जन्मदिन का आयोजन संत बाबा धरम दास और संत बाबा, लक्ष्मण दास, के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस उदासी आश्रम के गद्दी नशीन महंत संत बाबा अवतार दास हैं। अध्यक्ष बलविंदर सिंह, कैशियर बिरसा सिंह, सचिव बलविंदर सिंह प्रेमपुर, सचिव रंजीत सिंह रूथल, नरिंदर सिंह दसुहा, तरविंदर सिंह पीआरओ, नरिंदर सिंह होशियारपुर, अमरजीत सिंह हबीब वालसहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

महेंद्रगढ़ के एक सरकारी स्कूल में लगा ताला, धरने पर बैठे सभी शिक्षक

महेंद्रगढ़ क्षेत्र के गांव बेवल में ग्रामीणों ने सरकारी स्कूल के बाहर ताला लगा दिया जिसकी वजह से बच्चे और अध्यापक अंदर नहीं जा पाए। ग्रामीणों ने इसलिए ताला लगा दिया कि विद्यालय में अध्यापकों का तबादला हो रहा है और यहां पर पूरा स्टाफ नहीं भेजा गया है। इसीलिए ग्रामीणों में काफी रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि, यहां से अध्यापकों का ट्रांसफर तो कर दिया है, लेकिन यहां पर नया स्टाफ नहीं भेजा गया है।

अवध केशरी सेना के प्रमुख के नेतृत्व में कार्यालय टीम के पदाधिकारियों संग बैठकर दिए सफलता के गुण

उत्तर प्रदेश गोण्डा में गरीबो मज़रूमो महिला सम्मान, सभी के हक की लड़ाई करने वाले अवध केशरी सेना के प्रमुख के नेतृत्व में कार्यालय टीम के पदाधिकारियों संग बैठकर दिए सफलता के गुण। बताते चले की गरीबो मजलूमो, महिला सम्मान सहित सभी के साथ हमेसा हक की लड़ाई लड़ने वाले अवध केशरी सेना के प्रमुख ठाकुर नीरज सिंह के नेतृत्व में अपने कार्यालय पर सेना के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ वैठकर अपने ओजस्वी शब्दों व कविता के माध्यम से सफलता के टिप्स दिए और टीम को मजबूती प्रदान करने में सेना से अपील किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने हमेसा टीम के साथ तनमन धन से सहयोग करने का आश्वासन दिया।

कटरा के पास कार पलटने से एक युवक की मौत, तीन की हालत गंभीर

उत्तर प्रदेश शाहजहांपुर कटरा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौक निवासी ऋषभ खन्ना अपने मित्रों दिव्यम गुप्ता व गौरव सेठ के साथ मारुति कार से बरेली घूमने जा रहे थे। कटरा के पास अचानक से गाड़ी डिवाडर से टकरा गई और कार पलट गई। जिससे कार चालक ऋषभ गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। व दिव्यम गुप्ता तथा गौरव सेठ व सागर खन्ना गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए बरेली में भर्ती कराया गया, जिनका इलाज चल रहा है।

बाड़मेर में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल 2022 हुआ संपन्न

बाड़मेर जिले के सिवाना क्षेत्र से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बैरा नाड़ी गांव कुण्डल में राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल 2022, शांतीपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान, सरपंच प्रतिनिधि भिमाराम टेलर, उप सरपंच गणपत सिंह, एस एम सी अध्यक्ष छेलसिह राजपुरोहित, पी इ इ डी सुरेश कुमार रावल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, इस अवसर पर सांस्कृतिक सचिव भुराराम, शंकर लाल रावल करना राम भिल, महेंद्र जिनगर, कन्हैयालाल पाटीदार, एवं मंच संचालन उतम सिंह राजपुरोहित, सहित अन्य ग्रामीण मोजूद रहे।

सोलन की ग्राम पंचायत गोयला में पूर्व प्रधान पर लगे बड़े आरोप

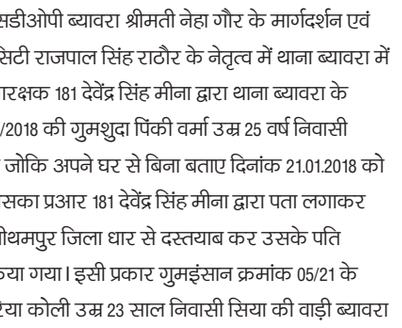

ग्राम पंचायत गोयला के एक शख्स ने पूर्व प्रधान पर आरोप लगाए हैं कि उनके कार्यकाल में पास किए गए कार्य अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। दरअसल मामला ग्राम पंचायत गोयला का है जहां पर ग्राम पंचायत गोयला के प्रदीप कुमार पुत्र रतन सिंह का कहना है कि, पूर्व प्रधान कृष्णा देवी ने अपने कार्यकाल में कुछ कार्यों को कागजों में तो पूरा कर दिया परंतु उन्हें जमीनी स्तर पर अभी तक पूरा नहीं कर पाए हैं जिस कारण प्रदीप कुमार ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1100 पर कंप्लेंट भी की और कार्य को जल्द पूरा करने की मांग की है। उधर मौजूदा प्रधान मदन वर्मा ने बताया कि, मामला उनके संज्ञन में आया है की जो भी कार्य बचे हैं उन्हें बरसात के बाद पूरा कर दिया जाएगा।

अलग-अलग दो गुमशुदाओ को दीगर जिलों से दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे अभियान के दौरान पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अवधेश कुमार गोस्वामी (IPS) द्वारा जिले की पुलिस को गुमइंसान दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में अति पुलिस अधीक्षक मनकामना प्रसाद, एसडीओपी ब्यावरा श्रीमती नेहा गौर के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी ब्यावरा सिटी राजपाल सिंह राठौर के नेतृत्व में थाना ब्यावरा में पदस्थ कार्य. प्रधान आरक्षक 181 देवेंद्र सिंह मीना द्वारा थाना ब्यावरा के गुमइंसान क्रमांक 03/2018 की गुमशुदा पिंकी वर्मा उम्र 25 वर्ष निवासी पंचमुखी मार्ग ब्यावरा जोकि अपने घर से बिना बताए दिनांक 21.01.2018 को कहीं चली गयी थी जिसका प्रआर 181 देवेंद्र सिंह मीना द्वारा पता लगाकर दिनांक 29.08.22 को पीथमपुर जिला धार से दस्तयाब कर उसके पति दुर्गालाल को सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार गुमइंसान क्रमांक 05/21 के गुमशुदा गौरव भगोरिया कोली उम्र 23 साल निवासी सिया की वाड़ी ब्यावरा जोकि अपने घर से बिना बताए दिनांक 20.01.2021 को कहीं चला गया था जिसका प्रआर. 181 देवेंद्र सिंह मीना द्वारा पता लगाकर दिनांक 01.09.22 को दस्तयाब कर उसके परिजनों को थाना बुलाकर सुपुर्द किया गया। उपरोक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी निरीक्षक राजपाल सिंह राठौर, प्रधान आरक्षक 181 देवेंद्र सिंह मीना, आर. 1018 विक्रम भिलाला, आर. 190 विक्रम धाकड़, आर. 444 श्याम रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक गोंडा दौरे पर, जिला अस्पताल का किया दौरा

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश उपमुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक गोंडा के दौरे पर आए और गुरुवार को उन्होंने जिला अस्पताल का दौरा किया वहां की अव्यवस्थाओं की सारी कलाई खोल दी इमरजेंसी के बाहर मरीज स्टेचर पर तड़पती रही उसे देखने के लिए वहा ना कोई डॉक्टर ना कोई स्टाफ मौजूद था।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और डिप्टी सीएम के कहने पर करीब 10 मिनट तक कोई डॉक्टर मरीज के इलाज के लिए नहीं पहुंचा जो डॉक्टर डिप्टी सीएम की अगुवाई कर रहे थे। उनके पास आला तक नहीं था डिप्टी सीएम के आगमन के पहले जिला अस्पताल में आनन-फानन में व्यवस्थाएं चाक चौबंद कर स्वास्थ्य अधिकारी मुख्य गेट पर गुलदस्ता लिए खड़े थे बृजेश पाठक गाड़ी से पहले ही उतरकर इमरजेंसी गेट पर स्टेशन पर तड़प रही कुसुम देवी को देखने पहुंच गए परिवार जनों से कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि 4 घंटे वार्ड में थे।

कोई डॉक्टर देखने तक नहीं आया डिप्टी सीएम को मरीज के पास देखकर स्वागत में खड़े अधिकारी दौड़कर आए लेकिन किसी के पास आला था और न चेक करने की मशीन वहीं डिप्टी सीएम के साथ मरीज को मेडिकल वार्ड में ले जाया गया जहां ना बीपी नापने की मशीन थी और ना ही ईसीजी करने की व्यवस्था, जिसको देख डिप्टी सीएम आग बबूला हो गए प्रमुख अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाते हुए तुरंत डीएम सीडीओ से मुंह अधीक्षक को अलग-कमरे में बुलाकर कड़ी फटकार लगाई नर्स ड्यूटी रूम का दरवाजा बंद कर करीब आधे घंटे तक अधिकारियों की क्लास ली इतना सब हो जाने के बावजूद भी हमारे जिला अस्पताल के भ्रष्ट कर्मचारी और डॉक्टर सुधार लाने का नाम नहीं ले रहे हैं डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है।

प्रतिदिन किया जाने वाला योग मस्तिष्क को सुकून और विकारों से दूर रहने में मदद करता है: मुकेश गोयल

एनसीआर समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से समर्थ सशक्त कोटपूतली अभियान के तहत विश्व योग दिवस से प्रारम्भ योग शक्ति कार्यक्रम का पंचम योग शिविर ग्राम रामपुरा में नियमित रूप से जारी है। योग शिविर मे ग्राम के युवा एवं बुजुर्गों ने प्रातः 05.30 बजें से 07.00 बजें तक प्राणायाम का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर समर्थ सशक्त कोटपूतली अभियान के संयोजक मुकेश गोयल ने कहा कि, योग शक्ति कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए जागरुक करना है।

भारत की प्राचीन परंपरा विदेशों तक अपनी जड़े जमा चुकी है और बहुत से देशों में निरोगी काया के लिए योग पर निर्भर रहते हैं। यहीं नहीं योग और साधना के जरिए मानसिक शांति भी मिलती है। प्रतिदिन किया जाने वाला प्राणायाम मस्तिष्क को सुकून और विकारों से दूर रहने में मदद करता है। दिनभर की भागदौड़ के लिए खुद को तैयार करना है तो सुबह के केवल 60 मिनट योग को दें जिससे आप तन और मन दोनों से तरोताजा महसूस करेंगे।

उन्होंने बताया कि, यह योग शिविर ग्राम रामपुरा में 31 सितम्बर 2022 से निरन्तर जारी है जो 4 सितम्बर 2022 तक रहेगा। योगाचार्य राजेश लखेरा ने नियमित योग के शारिरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया। योग शक्ति कार्यक्रम में जिला पार्षद भोमाराम गुर्जर, सी पी शर्मा, रामपुरा पं.स.स. नरेन्द्र गुर्जर, मनोज मीणा, नरेन्द्र सोलंकी, अशोक कुमावत, शिवराज खारड़िया, रणजीत, विक्रम, दशरथ, नितिन सिंह शेखावत सहित सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए।

पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान कार में अवैध रूप से डोडाचूरा परिवहन करते दो आरोपियों को किया गिरफ़्तार

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश निम्बाहेड़ा में सदर थाना पुलिस ने गुरुवार को नाकाबंदी के दौरान एक स्विफ्ट कार में अवैध रूप से डोडाचूरा परिवहन करते दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 34 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजन दुष्यन्त ने बताया कि गुरुवार को थानाधिकारी थाना सदर निम्बाहेड़ा तुलसीराम पु.नि.व थाने के पुलिस जाप्ता हैड कानि सुन्दरपाल कानि. प्रमोद कुमार, हरविन्द्र सिंह, नरेश कुमार, जीवनलाल, चालक भेरूलाल द्वारा नीमच-चित्तौड़गढ हाईवे रोड थाने के सामने नाकाबंदी के दौरान अहीरपुरा से एक स्विफ्ट कार को रोककर नियमानुसार तलाशी ली गयी तो 02 प्लास्टिक के काले कट्टे मिले। जिनमें 34 किलोग्राम डोडाचुरा भरकर ले जाया जा रहा था। इस पर पुलिस ने अवैध डोडाचुरा व घटना में प्रयुक्त कार को जप्त कर हरियाणा के मण्डवाल थाना राजौद जिला कैथल निवासी 32 वर्षीय कर्मजीत सिंह पिता गुरूचरण सिंह मजवी सिख तथा 22 वर्षीय मंगल सिंह पिता निशान सिंह मजवी सिख को गिरफ्तार किया। आरोपियों से जप्त शुदा अवैध अफीम डोडाचुरा की खरीद फरोख्त के संबंध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

विभिन्न अंचलो में निर्माणाधीन हैं 5 हजार मेगावाट की सोलर पावर प्लांट

इन्द्रमेन मार्को / एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश मंडला प्रदेश की जनता परमाणु संयंत्र से बनने वाली बिजली का दर जानना चाहती है। जो नहीं बताया जा रहा है, जबकि उत्पादित बिजली का 50 % मध्य प्रदेश सरकार को खरीदना है।

ज्ञात हो कि रीवा सोलर प्लांट से मिलने वाली बिजली का अधिकतम दर रूपये 2.97 है। जो दिल्ली मेट्रो को बेचा जा रहा है। वर्ष 2020 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में नवीकरणीय उर्जा की क्षमता 3965 मेगावाट है। जबकि प्रदेश के विभिन्न अंचलो में 5 हजार मेगावाट की सोलर पावर प्लांट निर्माणाधीन है। रिसर्च फाउंडेशन दिल्ली रिपोर्ट के अनुसार परमाणु बिजली की लागत 9 से 12 रूपये प्रति यूनिट आएगी। लगभग चालीस वर्ष तक चलने वाली परमाणु उर्जा संयत्र का डी- कमिशनिंग (संयंत्र को बंद करना) आवश्यक होगा। जिसका खर्च स्थापना खर्च के बराबर होगा, अगर इस खर्च को भी जोड़ा जाएगा तो बिजली उत्पादन की लागत 20 रुपए प्रति यूनिट आएगी। अब इस हालत में मध्य प्रदेश सरकार बिजली खरीदी अनुबंध कैसे करेगी, ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश में मांग से 50 फीसदी बिजली ज्यादा बिजली उपलब्ध है।

वर्ष 2019- 20 में कुल 28293.97 मिलियन यूनिट यानि 2 अरब 82 करोड़ 93 लाख 97 हजार 726 यूनिट बिजली सरेंडर की गई थी। मध्य प्रदेश पावर मेनेजमेन्ट कम्पनी ने पिछले पांच साल में बिना बिजली खरीदे विधुत कम्पनियों को 12834 करोड़ रुपए का भुगतान बतौर फिक्स चार्ज कर दिया है। 2014 से 2020 विधुत कम्पनियों का घाटा 36812 करोड़ रुपए और कर्ज 50 हजार करोड़ रुपए पार हो गया है। इस कारण प्रदेश के हर बिजली उपभोक्ता पर 25 हजार का कर्ज है। अगर विधुत कंपनी चुटका परमाणु संयंत्र से महंगी बिजली खरीदी अनुबंध करती है तो प्रदेश की 1.30 करोड़ बिजली उपभोक्ताओ को ही आर्थिक बोझ उठाने के लिए तैयार रहना होगा। बरगी बांध विस्थापित एवं विस्थापित संघ मांग करता है कि चुटका परमाणु संयंत्र से उत्पादित बिजली का दर सार्वजनिक किया जाए।

ग्राम पंचायत में चल रही राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

एनसीआर समाचार

राजस्थान फूलिया कलां ग्राम पंचायत में 29 अगस्त से चल रही राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिता का गुरुवार को समापन हुआ। समापन समारोह सरपंच लक्ष्मी देवी धोबी की अध्यक्षता में हुआ तो वहीं समारोह के मुख्य अतिथि भामाशाह सुभाषचन्द्र लड्ढा, विशिष्ट अतिथि तहसीलदार बसंत कुमार पांडे, नायब तहसीलदार रामनिवास मेहता, भामाशाह आजाद राव, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि अमरचंद रेगर, रामधन जाट, रफीक उस्ता, रूपचंद गुर्जर, प्रधानाचार्य लाल मोहन कश्यप, शंकर लाल जाट व अन्य अतिथि थे। कार्यक्रम का संचालन बसंत कुमार नौलखा ने समापन किया इस समारोह के दौरान प्रतियोगिता में भाग लेकर जीतने वाली सभी टीमों व प्रतियोगता में सक्रिय रूप से सहायक भूमिका निभाने वाले सभी कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य लाल मोहन कश्यप ने बताया कि प्रतियोगिता में जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों व सहायकों के लिए स्मृति चिन्ह की व्यवस्था स्थानीय विद्यालय से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक सवाचन्द जाट की तरफ से की गई। विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक त्रिलोक खटीक ने बताया की प्रतियोगिता में कुल 825 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

साहिबगंज में हिल असेंबली पहाड़िया महासभा झारखंड का विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन

साहिबगंज बोरियो प्रखंड के कार्यालय के मैदान में आज हिल असेंबली पहाड़िया महासभा झारखंड के द्वारा अपने विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया हिल असेंबली पहाड़िया महासभा के महासचिव शिवचरण मालतो द्वारा बताया गया कि, यह आंदोलन 11 वर्षों से चला जा रहा है। यह आंदोलन राजमहल पहाड़ में हो रहे अवैध खनन को रोकने व आदिम जनजाति के अस्तित्व को बचाने के लिए किया जा रहा है। 11 वर्षों से अवैध माइनिंग का काम राजमहल पहाड़ में किया जा रहा है, जिससे राजमहल पहाड़ में बसे आदिम जनजाति के जितने भी लोग हैं उन्हें वहां से हटा दिया जाता है। शिव चरण मालतो द्वारा बताया गया कि, आदिम जनजातियों का जंगल एवं पहाड़ का लगाव बहुत ही गहरा है। पहाड़ व जंगल ना रहे तो इनका अस्तित्व पर संकट आ सकता है। इसी को लेकर अप्रैल 2021 को के समक्ष प्रवर्तन निदेशालय आंदोलन कर आवेदन सौंपा गया था जिसके परिणाम स्वरूप जुलाई में साहिबगंज जिला पंकज मिश्रा एवं उनके अन्य साथियों के ऊपर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापा पड़ा।

वस्तु एवं राशि के रूप में सहयोग करने से कलेक्टर हर्ष दीक्षित द्वारा शाल-श्रीफल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश राजगढ़ जिला शिक्षा अधिकारी बी.एस. बिसोरिया द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विद्यालय शिक्षा का मंदिर है। जिसमें हमारे छात्रों का भविष्य निर्माण होता है। शालाओं में आधारभूत सुविधाओं का विकास एवं छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु शिक्षकों के साथ पालकों, छात्रों एवं समुदाय का सहयोग आवश्यक है। पालकों एवं समुदाय के सहयोग को प्रोत्साहित करने एवं शालाओं में निरंतर सहयोग प्राप्त करने के लिए जिला स्तर पर ऐसे पालकों, शिक्षकों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, शाला के पूर्व छात्रों, व्यावसायियों, अधिकारियों, कर्मचारियां तथा अन्य जो शालाओं में सहयोग के रूप में रुपए 5,000 का या उससे अधिक की वस्तु एवं राशि के रूप में सहयोग किया है या सहयोग करेंगे। उनको शीघ्र ही कलेक्टर हर्ष दीक्षित द्वारा शाल-श्रीफल एवं प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। 5,000 से कम राशि या वस्तु के रूप में सहयोग करने वालों को ब्लॉक एवं शाला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी शालाओं के संस्था प्रधान इस कार्य में स्वयं रुचि लेकर समुदाय के सहयोग को प्रोत्साहित कर शाला में वस्तु या राशि के रूप में अधिक से अधिक सहयोग प्राप्त करें। वस्तु के सहयोग के रूप में आवश्यकतानुसार वाटर कूलर, पंखा, टीवी, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर, पानी की टंकी, उपयोगी पुस्तकें, फर्नीचर, मध्यान्ह भोजन हेतु डाइनिंग टेबल, बर्तन, वृक्षारोपण हेतु ट्री गार्ड, छात्रों के लिए स्कूल बेग, पेन-पेन्सिल, पुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएं, बेल्ट, टाई, जूते, स्वेटर आदि वस्तुएं प्राप्त की जा सकती है। परिवार के किसी सदस्य की स्मृति में या जन्मदिन पर पानी की टंकी, कक्षों का निर्माण, फर्श का निर्माण, बाउंड्री वाल का निर्माण, प्लेटफार्म का निर्माण, गेट का निर्माण, वाटिका का निर्माण आदि कार्य करवाया जा सकता है। निर्माण का जिनकी स्मृति में निर्माण हुआ है उनका स्मृति में निर्माण का लिखवाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शाला में राशि का उपयोग सहयोग करने वाले के माध्यम से उचित कार्य में प्रयोग करें। ताकि सहयोग करने वालों का विश्वास अर्जित हो सके एवं अन्य सहयोगी भी आगे आ सके, सहयोग करने वालों को सम्मानित करने हेतु शीघ्र ही सहयोग करने वालों की सूची प्राप्त की जाएगी। उन्होंने निर्देशित किया कि शाला के संस्था प्रधान सहयोग करने वालों के नाम एव विवरण दी जा रही लिंक पर दर्ज करें सहयोग हेतु नागरिकों से संपर्क कर निरंतर प्रयास करते रहें। ताकि अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता शाला में हो सके, सहयोगियों के नाम शाला के सूचना पटल पर लिखवाने की कार्रवाई भी की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मोहगांव में महिला सरपंच के पति संभाल रहे पंचायत का काम, ग्रामीणों ने किया विरोध

इन्द्रमेन मार्को / एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सुड़गांव मोहगांव की ग्राम पंचायत सुडगांव में महिला सरपंच के पति कार्य कर रहे हैं। हाल ही में सामान्य सभा की बैठक में महिला सरपंच के पति भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि शासन की मंशा है कि पुरुषों के अनुसार महिलाओं को भी समान रूप से गांव से लेकर शहर तक की सरकार निर्माण में भागीदारी हो, लेकिन यह देखने में आ रहा है आदिवासी बाहुल्य जिले में जनप्रतिनिधि के रूप में महिलाएं चुनी तो जाती हैं लेकिन कई स्थानों में महिलाओं की जगह उनके पति पूरा कामगाज देखते हैं इससे जहां सरकारी गोपनीयता भंग होती है वहीं शासन की मंशा भी पूरी होती दिखाई नहीं दे रही है। ग्रामीणों ने इस पर विरोध प्रकट किया है।

इस शिक्षक दिवस पर जानें डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन के बारे में

सितंबर का महीना शुरू हो चुका है और महज 2 दिन शेष रह गए है। सितंबर महीने की 5 तारीख को पूरे देश में शिक्षक दिवस मनाया जायेगा, जिसकी तैयारियां अभी से शुरू हो चुकी है। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन आजाद भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे। वे एक प्रसिद्ध शिक्षक भी थे और यही वजह है कि 5 सितंबर यानि सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के अवसर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्कूलों में अक्सर सीनियर क्लास के बच्चे इस दिन शिक्षक बनते है और अपने से छोटी क्लास के बच्चों को पढ़ाते है। इस दिन बच्चों में खूब उत्साह भरा रहता है, उन्हें अपने विद्यार्थी जीवन में शिक्षक बनने का मौका मिलता है। बच्चे इसकी तैयारियां पहले से ही शुरू कर देते है। देखा जाए तो गुरु का महत्व शिष्यों के लिए हमेशा ही एक समान रहता है लेकिन किसी खास अवसर पर शिष्य अपने गुरु के लिए वो सब करते है जिससे उनके गुरु को ख़ुशी मिले। उनको विशेष महसूस करने के लिए बच्चे आयोजन करते है शिक्षकों को उपहार देते है आदि कार्य करते है जिससे शिक्षकों को भी ख़ुशी मिलती है।

योगी आदित्यनाथ ने ड्रग माफिया को जड़ से उखाड़ फेंकने के निर्देश जारी किए

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ड्रग माफिया के खिलाफ बड़ा फैसला लिया है उन्होंने प्रदेश में ड्रग माफिया को पूरी तरह से नेस्तनाबूद करने के निर्देश दिए हैं इस बाबत में पुलिस विभाग मादक पदार्थ तस्करी के अंतरराष्ट्रीय रूट का अध्ययन किया है इसी के आधार पर नेपाल जैसे सीमाएं पर तैनाती बढ़ाने व नजर रखने को सख्त निर्देश दिए गए।

बलरामपुर जिले के मदर्से के पीछे जिओ टावर के पास गन्ने के खेत में मिला अज्ञात नवजात शिशु

उत्तर प्रदेश बलरामपुर जिले के उतरौला तहसील अंतर्गत सादुल्लाह नगर थाना क्षेत्र के मनकापुर रोड स्थित सरकार एआरसी मदर्से के पीछे जिओ टावर के पास गन्ने के खेत में मिला अज्ञत नवजात शिशु गन्ने के खेत के पास से एक महिला जा रही थी जिसको बच्चे के रोने की आवाज सुनाई पड़ी महिला गन्ने के पास जाकर देखा और आस-पास के लोगों को सूचना दी कि गन्ने के खेत में टावर के पीछे नवजात शिशु पड़ा है मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए इस बात की सूचना थाने पर दी गई सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष वह बाल कल्याण अधिकारी आरती वर्मा ने पुलिस टीम के साथ नवजात शिशु को अपने कब्जे में लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सादुल्लाह नगर डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया। थाना अध्यक्ष व बाल कल्याण अधिकारी आरती वर्मा द्वारा बाल कल्याण विभाग में सूचना दी प्राप्त जानकारी के अनुसार बाल कल्याण विभाग की टीम बच्चे को लेकर सादुल्लानगर के लिए रवाना हुईं हैं।

अभियंता और तकनीकी कर्मचारी महासंघ खंड महामंत्री अनिल कुमार सैनी का पुष्प गुच्छ भेंट कर किया स्वागत

राजस्थान कोटपुतली में सहायक अभियंता (AEN) पद पर चन्द्र मोहन सैनी व PHED JEN नीतू सैनी एवं तकनीकी कर्मचारी महासंघ खंड महामंत्री अनिल कुमार सैनी का माला पहनाकर किया स्वागत कोटपुतली में 31 अगस्त को महात्मा फुले ब्रिगेड की ओर से कोटपुतली बिजली विभाग में ट्रांसफर होकर आए सहायक अभियंता (AEN) पद पर चन्द्र मोहन सैनी कि माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया, एवं PHED JEN नीतू सैनी एवं तकनीकी कर्मचारी महासंघ खंड महामंत्री अनिल कुमार सैनी का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज की पूर्व अध्यक्ष सैनी समाज बिडदीचन्द हवलदार, जिलाध्यक्ष महात्मा फुले बिग्रेड बिल्लू राम सैनी, रणजीत सैनी युवा नगर अध्यक्ष-आँल इण्डिया सैनी सेवा समाज, नगर अध्यक्ष महात्मा फुले बिग्रेड, मुकेश कुमार सैनी, सैनी समाज सचिव एडवोकेट योगेश सैनी, महामंत्री एडवोकेट विजय सैनी, पवन सैनी समाजसेवी, हेमचन्द सैनी इत्यादि लोग उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का उद्घाटन

मोहम्मद सलमान थानवी / एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश के ज़िला बागपत कि विधान सभा में सर्वोदय पब्लिक स्कूल में उत्तर प्रदेश शूटिंग चेम्पियनशिप प्रतियोगिता का उद्घाटन माननीय आरएलडी प्रत्याशी अहमद हमीद ने किया और उन्होंने ही एक बागपत बाजार में कन्फेक्शनरी स्टोर का उद्घाटन भी उन्ही के हाथो से क्षेत्र के लोगों ने कराया व क्षेत्र में लोगो के सुख दुख में शामिल हुए। उद्घाटन में क्षेत्र के सभी सम्मानित व्यक्ति मौजूद रहे व उत्तर प्रदेश के ज़िला बागपत के पुलिस अधीक्षक माननीय नीरज कुमार जादौन भी स्कूल में मौजूद रहे। अहमद हमीद ने स्कूल के विद्यार्थियो को कुछ उपनिवेश काल की बात का उदहारण देकर समझाया हैं विद्यार्थियो को बताया की किस तरह से खेल विद्यार्थियो की ज़िंदगी में कितना महत्व पूर्ण है। उन्होंने कुछ इस तरह से शब्दो में बताया की औपनिवेशिक काल में अमेरिका में लक्ष्य शूटिंग एक पसंदीदा खेल था, न्यू इंग्लैंड प्यूरिटन्स नियमित रूप से मनोरंजन के लिए और मिलिशिया प्रशिक्षण के दिनों में अपने शूटिंग कौशल का परीक्षण करते थे। सीमांत पर स्कॉच आयरिश बसने वालों ने टैवर्न रखवाले द्वारा प्रायोजित शूटिंग मैचों का समर्थन किया। तुर्की के अंकुर फसल के समय के बाद लोकप्रिय थे। प्रतियोगी एक प्रवेश शुल्क का भुगतान करेंगे, और हर कोई जिसने कस्तूरी के लिए 110 गज की दूरी पर या राइफल के लिए सौ और 65 गज की दूरी पर एक टिथर टर्की को मार डाला, वह पक्षी को रख सकता था। पेंसिल्वेनिया में जर्मन बंदूकधारियों ने 1720 के दशक में फ्लिंटलॉक राइफल्स का निर्माण शुरू किया, जो लंबी दूरी की सटीकता के कारण काफ़ी कुछ देखने को मिलता हैं। आगे उन्होनें कुछ विद्यार्थियो को बताया हैं की खेल से विद्यार्थियो को काफी अच्छा प्रदर्शन करने को मिलता हैं जीवन में कई लाभ मिलते हैं उन्होनें अभिभावको को बताया हैं कि वास्तव में यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे का विकास स्वस्थ तरीके से हो तो उसके लिए खेलना बहुत आवश्यक है। यह एक सच्चाई है कि आजकल के बच्चों में मोटापे की समस्या बहुत बढ़ रही है। इस प्रकार की समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक है कि बच्चे को किसी खेल में लगाया जाए।

निजी कंपनी से निकालने पर सात कर्मचारियों ने की आत्महत्या करने की कोशिश

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश इंदौर से एक बड़ी खबर सामने आई है जहां नौकरी से निकालने के बाद सात कर्मचारियों ने एक साथ जहर खाकर जान देने की कोशिश की, बता दे कि इंदौर के एक कंपनी में ये सतो कर्मचारी काम किया करते थे और उस कंपनी ने इन सभी को इन सभी को एक साथ निकाल दिया, जिसके बाद सभी कर्मचारियों ने आत्महत्या करने की नियत से एक साथ जहरीले पदार्थ का सेवन किया और उन सभी की हालत ख़राब होने लगी जिसके बाद सभी कर्मचारियों को इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां अभी उनका इलाज जारी है। बता दे कि इन सभी कर्मचारियों का नाम शेखर वर्मा, दीपक सिंह, जमनाधर विश्वकर्मा, देवीलाल करेडिया, रवि करेड़िया, राजेश मेमियोरिया, जितेंद्र धमनिया, है और साथ ही इनके परिजनों का कहना है कि ये जिस कंपनी में काम करते थे उस कंपनी के मालिक ने नई कंपनी खोली है और निकाले गए सभी कर्मचारियों को उस नई कंपनी में काम देने की बात कही थी, लेकिन वे अपनी बात से मुकर गए और इन्हे काम देने से मना कर दिया जिसके बाद इन्होने ये बड़ा कदम उठाया। वहीं इस हादसे के बाद कंपनी के मालिक रवि बाफना और पुनीत अजमेरा के गायब होने की खबर सामने आई है और पुलिस इनकी तलाश में है।

शादी का हवाला देकर युवक ने बनाए शारीरिक सम्बन्ध, फिर किया इंकार

एनसीआर समाचार

दिबियापुर थाना क्षेत्र निवासी दुष्कर्म पीड़िता आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पूरे दिन थाने में डटी रही फिर भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। आपको बता दें कि दिबियापुर थाना क्षेत्र निवासी दुष्कर्म पीड़िता युवती अपनी मां के साथ आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पूरे दिन थाने में डटी रही। गीता ने बताया कि, 29 मई 2020 को उसकी कुशल मिश्रा के साथ सगाई हुई थी। कोरोनावायरस के बाद अच्छे दिनों में शादी करने का वचन दिया था। इसी बीच आरोपी पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस मामले में 13 फरवरी को घटना की रिपोर्ट थाना दिबियापुर में दर्ज हुई थी, परंतु अभी तक दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई। पीड़िता का आरोप है कि पूरे थाने में धरने पर बैठी थी, जहां से पुलिस ने उसे भगा दिया। थाना प्रभारी शशि भूषण मिश्रा का कहना है कि, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किया जा रहा है जल्दी आरोपी की गिरफ्तारी होगी।

लुटेरी दुल्हन सामान व नगदी लेकर प्रेमी के साथ फरार

एनसीआर समाचार

राजस्थान के संभल फरार होने की घटना सड़क पर लगे सीसी कैमरे में हुई कैद पीड़ित ने थाने में एक के खिलाफ दी तहरीर पूरी घटना सम्भल के मोहल्ला हल्लू सराय निवासी अंकुश पुत्र मोहन सिंह द्वारा सदर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया है। मेरी शादी अब से 4 माह पूर्व मनीषा पुत्री कल्लू निवासी शिवपुरी कमला गंज मध्य प्रदेश के साथ हिंदू रीति रिवाज के साथ संपन्न हुई थी बीती रात मेरी पत्नी द्वारा सभी को खाना बना कर खिलाया गया और इसी बीच पत्नी द्वारा मुझसे दूध लाने को कहा गया जब मैं दूध लेकर घर वापस घर पर अपनी पत्नी को दे दिया। दूध लेकर मुझसे कहा कि आप कमरे में जाओ में दूध लेकर आ रही हूं इसी बीच रसोई की लाइट बंद कर दी और कुछ समय बाद लाइट चालू करने के बाद वह दूध लेकर आई जिससे कि सभी को बारी-बारी से उसने दूध पीने को दे दिया और उसने नहीं पीया उसे पीने को कहा गया तो जवाब देते हुए कहा मैं बाद में पी लूंगी पहले आप पी लो कुछ समय बाद सभी को नींद आ गई। वहीं सब सो गए रात को लगभग 1:00 बजे मेरी बीवी द्वारा मकान की छत से ग्रील पर साड़ी बांधकर घर में रखें 70 हजार रुपए एवं सोने चांदी के आभूषणों के लेकर फरार हो गई जिसकी जानकारी मुझे सुबह होने पर मिली जब मैंने बैड पर देखा तो मेरी पत्नी दिखाई नहीं दी और घर का सारा सामान इधर उधर पड़ा है और सेफ अलमारी खुली थी जिस में में रखे सोने चांदी के आभूषण पैसे गायब थे मेरी बीवी द्वारा दूध में कुछ ऐसा नशीला पदार्थ मिलाया गया। जिसकी वजह से सभी बेहोश हो गए और वह अपना काम तमाम कर के किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ मौके से फरार हो गई। लेकिन लुटेरी दुल्हन को मालूम नहीं था सड़क पर लगे सीसी कैमरा में सारी घटना कैद हो जाएगी परिजनों द्वारा आस-पास लगे सीसी कैमरा जब चेक किया गया तो पता चल गया की एक लड़का सड़क पर लुटेरी दुल्हन का इंतजार कर रहा है और कुछ पीछे से आ जाती है।

24 घंटे के अंदर आरोपियों को कालीपीठ पुलिस ने किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश जिला राजगढ़ में 31अगस्त को फरियादी मोतीलाल तंवर निवासी बांसखो ने थाना कालीपीठ आकर बताया कि मेरे साले गोवर्धन पिता भंवरलाल तवर निवासी ग्राम खेरखेड़ी, लटेरी, विदिशा की शादी संगीता पिता हेमराज तवर निवासी प्रेमपुरा (कालीपीठ) से हुई थी और पहले संगीता की सगाई हेमराज पिता नाथूलाल तवर से होकर टूट चुकी थी संगीता बाई की शादी गोवर्धन से होने के बाद से ही हेमराज, गोवर्धन से झगड़े के पैसे मांग कर विवाद कर रहा था। 31अगस्त के दोपहर करीब 12.30 बजे के करीब की बात है गोवर्धन मेरे घर बांसखो आया था, तो में गोवर्धन को साथ लेकर किला अमरगढ. मेरी लडकी की दबाई लेने गये थे और राजेश डॉक्टर की दुकान के पास किला अमरगढ मे खडे थे तभी अचानक हेमराज और उसका भाई घनश्याम व इनके अन्य साथी आये और मेरे साले गोवर्धन को मोटरसाइकिल पर बेठाने लगे , मैं छुडाने दौड़ा तो मुझे धक्का देकर मेरे साले को कहीं ले गये। जिस पर से थाना पर अपराध क्रमांक 235/22 धारा 365, 34 भादवि का पंजीबद्घ कर विवेचना मे लिया गया प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अवधेश कुमार गोस्वामी (भा पु से), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़ मनकामना प्रसाद निर्देशन में सुश्री सनम बी खान एसडीओपी राजगढ़ व तथा एसडीओपी खिलचीपुर आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कालीपीठ प्रदीप कुमार गोलिया, थाना प्रभारी खिलचीपुर रविंद्र चावरिया, थाना प्रभारी भोजपुर प्रभात गॉड के साथ बल को लेकर थाना भोजपुर अंतर्गत साइबर से प्राप्त लोकेशन के आधार पर तीन अलग-अलग स्थानों पर संयुक्त रूप से दबिश दी गई। वहीं थाना भोजपुर अंतर्गत ग्राम सूखा सेदरा में घेराबंदी कर मक्का के खेत में बनी झोपड़ी से आरोपी गणों हेमराज पिता नाथू लाल तंवर निवासी गंगा पाट, राजू पिता बाबूलाल तवर निवासी पाडलया, पप्पू पिता बाबूलाल तवर निवासी हिनोतिया देव के कब्जे से गोवर्धन तबर को विधिवत समक्ष पंचान बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी गणों से पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि उक्त घटना हम सभी व हमारे साथी शंकर लाल तंवर, अमृतलाल तवर व घनश्याम तवर के साथ मिलकर झगड़े की राशि ना देने की बात को लेकर की गई, साथ ही आरोपी गण से घटना में प्रयुक्त वाहन दो मोटरसाइकिल जप्त किया।

सीबीएन ने मारुति ऑल्टो कार को रोका और कुल 3.050 किलोग्राम अफीम जब्त किए

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश नीमच मादक द्रव्य रोधी अभियान जारी रखते हुए विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) सिंगोली के अधिकारियों ने 31 अगस्त को गंगरार टोल नाका, चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) में एक मारुति ऑल्टो कार को रोका और कुल 3.050 किलोग्राम अफीम जब्त की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई खुफिया सूचना मिलने के बाद की गई है। वहीं राजस्थान की पंजीकरण संख्या वाली एक मारुति ऑल्टो कार में अफीम होने की सूचना सीबीएन सिंगोली के अधिकारियों लगी थी। इस पर अधिकारियों ने टीम को भेजा और संदिग्ध मार्ग पर निगरानी करवाई। इसके बाद जैसे ही संदिग्ध कार दिखाई दी तो सीबीएन टीम ने गंगरार टोल नाके पर उसे रोक लिया। जब कार की तलाशी ली तो अवैध रूप से रखी 3.050 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। इस अफीम को कार के डैश बोर्ड में छुपाकर तीन पारदर्शी पॉलीथिन में पैक किया गया था। साथ ही बता दे कि अफीम के साथ कार को जब्त कर लिया गया है और एक व्यक्ति को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया व आगे की जांच जारी है।

कशौधन वैश्य समाज ने मनाई अपने पूर्वज ऋषि कश्यप की जयंती

एनसीआर समाचार

मझगवां में विगत 15 वर्षों से लगातार हो रहे पूर्वज महाराज कश्यप ऋषि की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता रहा है। विगत कई वर्षों की भांति भी इस वर्ष भी कार्यक्रम संपन्न कराए गए, जिसमें हमारे विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता जी ने कहा कि, मैं पिछले 15 वर्षों से लगातार मझगवा आता रहा हूं और आता रहूंगा, क्योंकि मझगांव में जिस तरह का कार्यक्रम मनाया जाता है। इसी को देख कर पूरे मध्यप्रदेश में कार्यक्रम मनाए जा रहे हैं। मैं मजगामा कसौधन समाज को धन्यवाद देता हूं कि, वह इसी तरह से कार्यक्रम करते रहें और साल में दो बार कार्यक्रम करें। जिला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने मझगवां कसौधन धर्मशाला के विकास के लिए 5100 की राशि दी। कहा कि, बड़े ही हर्ष व्यक्त करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। यहां पर आप सभी मिलकर हमारे पूर्वज महाराज कश्यप ऋषि जी की धर्मशाला में पूजा अर्चना कर रथ यात्रा स्थानीय प्रशासन थाना प्रभारी के निर्देशों पर पूरे मझगवा में पूरे शांति वातावरण के साथ यात्रा निकाली गई मझगवां धर्मशाला में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार गुप्ता का स्वागत करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम नन्हे मुन्ने बच्चो के द्वारा एक से बढ़कर एक कार्यकम किए गए। कार्यक्रम के समापन के बाद कशौधन वैश्य समाज मझगवां के अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता और पदाधिकारीयों द्वारा नन्हे मुन्ने बच्चो का हौसला बुलंद करते हुए पुरस्कार वितरण किया गया।

केवल 250 सरकारी दुकानों पर ही मिलेगी शराब

एनसीआर समाचार

राजधानी दिल्ली में 1 सितंबर 2022 यानी आज से पुरानी आबकारी नीति लागू हो गई है। इस निति के तहत अब शराब केवल सरकारी दुकानों पर ही शराब की बिक्री की जाएगी। शराब की बिक्री के लिए DTTDC, DSIIDC, DCCW और DSCSC कॉरपोरेशन की दुकानों को लाइसेंस दिए गए हैं। नई आबकारी नीति के तहत शराब की सभी निजी दुकानों के लाइसेंस 31 अगस्त तक के लिए ही मान्य थे। सितंबर महीने की 1 तारीख से दिल्ली वासी केवल सरकारी दुकानों से ही शराब खरीद पाएंगे।

दिल्ली में खुलने वाली थी 500 शराब की दुकानें

आपको बता दें कि, आबकारी विभाग की ओर से यह दावा किया गया था कि, शराब की 500 सरकारी दुकानें खोली जाएंगी, लेकिन सूत्रों के मुताबिक शुरुआत में इनकी संख्या करीब 250 ही रहेगी। एयरपोर्ट पर अभी तक सरकारी दुकानें खुलने का रास्ता साफ नहीं हुआ है। यहां के तीनों टर्मिनलों पर 6 प्राइवेट शराब की दुकानें थी, जोकि 31 अगस्त को बंद हो गई।

12 घंटों के लिए खुली रहेंगी दुकानें

सूत्रों के मुताबिक शुरुआत में ग्राहकों को कुछ ब्रैंड्स की शराब मिलने में परेशानी हो सकती है। कुछ कंपनियां ऐसी है जिसने अभी तक अपने ब्रैंड रजिस्टर्ड नहीं कराए हैं। आबकारी विभाग के सूत्रों के मुताबिक शुरुआत दौर में कुछ समस्या हो सकती है, लेकिन कुछ ही दिनों में इसका भी समाधान आसानी से हो जाएगा। पहले शराब की दुकाने दोपहर 12 बजे खुला करती थी, लेकिन अब इसके समय में बदलाव किया गया है। अब शराब की सभी सरकारी दुकानें सुबह 10 बजे से लेकर रात के 10 बजे तक खुली रहेंगी।

चारों कॉर्पोरेशन के लिए अलग-अलग कलर कोड

तमाम सरकारी दुकानों के कर्मचारियों को ड्रेस पहननी होगी और इसके ऊपर नेम प्लेट लगी होगी। इसके अलावा चारों कॉरपोरेशन की दुकानों के लिए अलग-अलग कलर कोड दिए गए हैं। इसमें DSIIDC के लिए ग्रे, DTTDC के लिए ग्रीन, DCCWS के लिए ब्लू और DSCSC के लिए येलो कलर कोड दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

नगरोटा में बीजेपी को झटका, आरएस बाली की मौजूदगी में बीजेपी छोड़ 50 महिलाएं कांग्रेस में शामिल

हिमाचल प्रदेश नगरोटा बगवां में एक बार फिर बीजेपी को बड़ा झटका लगा है, आज ओबीसी भवन में करीब 70 लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा है. इनमें से 50 महिलाओं ने बीजेपी छोड़ कांग्रेस पार्टी को ज्वाइन किया, वहीं महाराष्ट्र से कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव हर्षवर्धन सपकल और कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव आरएस बाली की मौजूदगी में इन लोगों ने कांग्रेस का दामन थामा है। इस मौके पर आरएस बाली ने कहा ग्रामीण क्षेत्र के लोग बहुत अहम भूमिका निभाते हैं. उन्होंने कहा बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ ये लड़ाई मजबूत हो रही है। जीएस बाली के समय नगरोटा बगवां तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा था, आरएस बाली बोले, नगरोटा बगवां भारत का अकेला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र है जहां सरकार के सारे कॉलेज, सरकारी कार्यालय एक ही विधानसभा क्षेत्र में है। उन्होंने आगे कहा कि विकास पुरुष जीएस बाली ने रोजगार भत्ता अपने शासनकाल में पूरे हिमाचल में दिया, विकास पुरुष जीएस बाली की विचारधारा को आगे लेके जाना है। बीजेपी पर हमला बोलते हुए आरएस बाली ने कहा, कि आज के समय लोगों की जीना मुश्किल हो गया है। रोजगार, महंगाई, जीएसटी ने आम जनता का जीना मुश्किल कर दिया है। झूठ का प्रचार अब नहीं चलेगा, जनता ने सब देखा और जनता सबस बताएगी, इस मौके पर सभी ने जीएस बाली को श्रद्धांजलि अर्पित की।

हिमाचल प्रदेश में भाजपा जिला सचिव का दायित्व गुरमेल चौधरी को सौंपा

हिमाचल प्रदेश में भाजपा जिला सचिव का दायित्व गुरमेल चौधरी को सौंपा गया है यह जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष आशुतोष ने बताया कि गुरमेल चौधरी पिछले कई अर्से से पार्टी के कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। इसलिए उनको ये दायितव दिया गया है। वहीं गुरमेल चौधरी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, महामंत्री पवन राणा, जिला अध्यक्ष आशुतोष वैद्य, दून विधायक परमजीत सिंह पम्मी और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद व आभार जताया और कहा की पार्टी ने जो जिम्मेदारी उनको दी है उस पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगें और पार्टी को मजबूत करने के लिए दून की जनता को भाजपा में शामिल कर हिमाचल व दून में पुनः कमल का फुल खिलाएंगे।

उत्तर प्रदेश अनूप शहर क्षेत्र के गांव करनपुर कला में स्थित अस्थाई गौशाला का निरीक्षण

उत्तर प्रदेश अनूप शहर गौशाला का हुआ औचक निरीक्षण अनूप शहर क्षेत्र के गांव करनपुर कला में स्थित अस्थाई गौशाला का निरीक्षण मौकम सिंह खंड विकास अधिकारी ने किया 1 गोवंश मृत अवस्था में मिली दूसरी गोवंश की हालत गंभीर अवस्था में मिली चारे पानी की अवस्था देखकर नाराजगी जताते हुए कड़े दिशा निर्देश दिए और गोवंश के उपचार के लिए चिकित्सक को मौके पर बुलाकर उपचार कराया सभी गोवंश की गंभीर हालत देखकर नाराजगी जताई गई। गृाम प्रधान बिमलेश देवी का कहना है कि सरकार की तरफ से गौवंश की धनराशि न्यूनतम भी समय से नहीं मिल रही है, जिससे गोवंश की हालत गंभीर दिखाई दे रही है हम अपने स्तर से अधिक से अधिक गौवंशो की देखभाल कर रहे है।

मदनपुर के प्रधान हरगोविंद सिंह पिंटू यादव के नेतृत्व में एक विशाल सदस्य शिविर का आयोजन किया गया

उत्तर प्रदेश में 1 सितंबर 2022 को ग्राम पंचायत मदनपुर के प्रधान हरगोविंद सिंह पिंटू यादव के नेतृत्व में एक विशाल सदस्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 940 प्राथमिक सदस्य बनाए गए। शिविर की अध्यक्षता निवर्तमान जिलाध्यक्ष नदीम अहमद फारूकी ने की संचालन जिला महासचिव मंदीप यादव ने किया। शिविर में प्रमुख रूप से जिला सदस्यता प्रभारी चंद्रपाल सिंह यादव, सदस्यता प्रभारी व जिला प्रभारी डॉ नवल किशोर शाक्य, विधानसभा अमृतपुर से प्रत्याशी रहे डॉ जितेंद्र सिंह यादव, कायमगंज विधानसभा से प्रत्याशी रहे सर्वेश अंबेडकर, चेयरमैन मोहम्मदाबाद हरीश यादव, डॉ सुभाष पाल, डॉ नवरंग सिंह यादव, कश्मीर सिंह यादव, अमर सिंह यादव, संजीव यादव, बिजेंदर यादव, दिनेश यादव, आफाक अली, कुलदीप यादव, अवधेश सिंह यादव, प्रधान धर्मवीर यादव, राजीव यादव, मनोज यादव, अजय राज यादव, अनुराग यादव, जोगिंदर सिंह यादव, मींडिया प्रभारी इलियास मंसूरी आदि नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुरादनगर के कस्तूरबा आवासीय बालिका विधालय में ख़राब खाने की वजह से लगभग तीस बच्चे हुए बीमार

उत्तर प्रदेश मुरादनगर के कस्तूरबा आवासीय बालिका विधालय में ख़राब खाने की वजह से लगभग तीस बच्चे बिमार हो गये, जिनको मुरादनगर के सरकारी अस्पताल में 31 अगस्त की रात को एडमीट कराया गया जिसको देखने के लिये बहुजन समाज पार्टी ग़ाज़ियाबाद के ज़िला अध्यक्ष वीरेन्द्र एडवोकेट पूर्व विधायक वहाब चौधरी मंडल कोरडीनेटर विनोद प्रधान राजकुमार सैन विधान सभा अध्यक्ष मनोज भारती नगर, अध्यक्ष इमरान एडवोकेट, शादाब सैफी, मुकेश कुमार, ओमवीर गौतम, नवीन बौद्ध, और बहुत साथियों ने मिलकर अस्पताल में जाकर सभी बच्चों का हाल जाना और डाक्टरों से भी बात की, जिसमें डाक्टर कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे पाये और फिर स्कूल का निरक्षण किया जहाँ पर पीने के पानी का आर ओ भी ख़राब मिला, रसोई और विधालय के आस-पास भी गंदगी मिली (बी.एस.ए) विनोद कुमार मिश्रा ने जाँच कराकर दोषियों को सज़ा देने की बात कही है।

औरैया बीएससी में फेल होने पर छात्र ने खाया जहर, इलाज के दौरान हुई मौत

उत्तर प्रदेश कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जनेतपुर धौरेरा निवासी अंकित राजपूत 22 वर्ष शिशुपाल राजपूत ने बीएससी फाइनल की परीक्षा दी थी। परीक्षा परिणाम आने पर वह अनुत्तीर्ण हो गया। इसी बात से परेशान होकर मंगलवार की शाम छात्र ने सल्फास की गोली खाई, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। जानकारी मिलने पर परिजन उसे तुरंत निजी साधन से कानपुर ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन बुधवार की सुबह छात्र का शव लेकर जैसे ही गांव पहुंचे, उसी समय मौत की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

कोटपुतली में छात्रसंघ ने की मूर्ति लगाने की मांग

एनसीआर समाचार

राजस्थान कोटपुतली लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय कोटपुतली में एक बार फिर मेजर सतीश दहिया की मूर्ति स्थापित करने की मांगे जोर पकड़ने लगी है। 5 साल से लगातार लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में शहीद मेजर सतीश दहिया की मूर्ति लगाने की मांग छात्रों द्वारा निरंतर की जा रही है। आज के संदर्भ में महाविद्यालय के नवनिर्वाचित पदाधिकारी गण इकट्ठे होकर एलबीएस प्राचार्य के पास पहुंचे तथा उनसे ज्ञापन सौंपकर मेजर सतीश दहिया की मूर्ति कॉलेज परिसर में लगाने की मांग की। 'एबीवीपी' की ओर से नवनिर्वाचित महासचिव के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं द्वारा ज्ञापन सौंपा गया तथा पुरजोर मांग की गई कि विद्यार्थी हित में तथा देश के शहीदों को सम्मान देने की परंपरा का निर्वहन करते हुए कॉलेज परिसर में मेजर सतीश दहिया की मूर्ति स्थापित होनी चाहिए। छात्र-छात्राओं ने एक सुर में यह कहा कि मेजर सतीश दहिया इस कॉलेज के पूर्व विद्यार्थी रहे हैं तथा भारत सरकार द्वारा सूर्य चक्र पुरस्कार से सम्मानित हुए मेजर सतीश दहिया ने सर्जिकल स्ट्राइक में भाग लेकर देश का गौरव बढ़ाया था उनके शहीद होने के बाद से निरंतर कॉलेज में छात्र-छात्राओं द्वारा मेजर सतीश दहिया की मूर्ति लगाने की मांग की जा रही है लेकिन कॉलेज प्रशासन में उसको ध्यान न दिया जाना एक खेद का विषय है। संयुक्त सचिव संदीप जाट ने कहा कि किसी भी सूरत में शहीदों के सम्मान में अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी अगर कॉलेज प्रशासन ने की बात नहीं मानी तो आने वाले समय में कॉलेज के सैकड़ों छात्र-छात्राएं संगठित होकर शहीद के सम्मान के लिए लामबद्ध होंगे। प्राचार्य ने इस पर आश्वासन देते हुए कहा कि छात्र-छात्राएं काफी लंबे समय से मेजर सतीश दहिया की मूर्ति लगाने की मांग करते आ रहे हैं । वे इसके लिए सार्थक प्रयास करेंगी । उन्होंने शीघ्र इस पर विचार कर उचित कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर ABVP जिला संयोजक अजय सिंह राठौड़ छात्र संघ महासचिव दीपिका स्वामी संयुक्त सचिव संदीप जाट, मोनू स्वामी, छात्र नेता विजय स्वामी, संजय सैनी, अजय, अभिषेक भारद्वाज, टिंकू, राकेश आर्य ,संदीप शर्मा समेत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी मौजूद थे। गौरतलब है कि मेजर सतीश दहिया 2003 से 2005 तक एलबीएस कॉलेज के विद्यार्थी रहे तथा उन्होंने इस कॉलेज से स्नातक की उपाधि ग्रहण की, व सतीश दहिया ने लेफ्टिनेंट पद के रूप में भर्ती होकर भारतीय सेना को ज्वॉइन किया तथा वर्ष 2017 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकियों से मुठभेड़ करते हुए 3 आतंकियों को ढेर करने के बाद शहीद हो गए। उनकी बहादुरी पर मरणोपरांत भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें शौर्य चक्र बहादुरी पुरस्कार से अलंकृत किया। तभी से महाविद्यालय के छात्र शक्ति उनकी मूर्ति कॉलेज परिसर में लगाने की निरंतर मांग कर रही है। लेकिन कॉलेज प्रशासन का रवैया अभी तक उदासीन ही रहा है, उन्होंने इस संदर्भ में अभी तक कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी है। जिससे छात्रशक्ति शहीदों के सम्मान में हो रही इस अनदेखी से आहत है तथा उनमें आक्रोश का माहौल है।

मुखबिर सूचना के आधार पर क्रिकेट सट्टा खेलते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश मंदसौर पुलिस अधीक्षक मंदसौर की अनुराग सुजानिया द्वारा जिले में अपराध एवं अपराधियों तथा ऑनलाईन क्रिकेट सट्टा करने वाले अपराधियों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही किये जाने सम्बंधी निर्देश दिये गये थे। प्राप्त निर्देशों के तारतम्य में गोतम सोलंकी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर एवं सतनाम सिंह नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर के मार्गदर्शन में पुलिस थाना कोतवाली द्वारा 31 अगस्त को कार्यवाही करते हुये आरोपी राजा उर्फ राजकुमार पिता मांगीलाल अग्रवाल को रंगे हांथों एशिया कप क्रिकेट पर सट्टा करते हुये गिरफ्तार किया। मौके से कुल 66 लाख 50 हजार रूपये का हिसाब पकडा गया है तथा नगदी कुल 10400 रूपये जप्त किये गये हैं। क्रिकेट सट्टे में अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 31 अगस्त को पुलिस थाना कोतवाली निरीक्षक अमित सोनी की टीम के द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर एशिया कप क्रिकेट मेच पर क्रिकेट सट्टा खेलते रंगे हांथों आरोपी राजा उर्फ राजकुमार अग्रवाल निवासी जनकुपुरा मंदसौर को पकडा गया है। जिसके कब्जे से मिली डायरी में कुल 66 लाख 50 हजार रूपये के क्रिकेट सट्टे का हिसाब मिला है। आरोपी के कब्जे से नगदी 10 हजार 400 रूपये जप्त की गई है। अर्जुन सिंह आरक्षक 258 मोहित आरक्षक 263 भानुप्रताप सिंह आरक्षक 933 मनीष शर्मा आरक्षक 19 जितेन्द्र टॉक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने ढाढ़र में सुने ग्रामीणों के अभाव-अभियोग विद्यालय का किया अवलोकन

रोहितेश कुमार / एनसीआर समाचार

राजस्थान के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने ढाढ़र में सुने ग्रामीणों के अभाव-अभियोग विद्यालय का किया अवलोकन, बच्चों से किया संवाद, कम्प्यूटर लैब को भी देखा चूरू, 1 सितंबर जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग माह के प्रथम गुरुवार को होने वाली ग्राम पंचायत स्तरीय जन सुनवाई में ग्राम पंचायत ढाढ़र पहुंचे तथा लोगों की समस्याएं सुनीं, ग्राम पंचायत के राजीव गांधी आईटी सेंटर पर हुई इस जन सुनवाई में तहसीलदार धीरज झाझड़िया, सहायक विकास अधिकारी सोहन लाल धायल समेत अधिकारीगण मौजूद रहे। वहीं जिला कलेक्टर ने इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से संचालित सेवाओं, सुविधाओं और योजनाओं के संबंध में ग्रामीणों से फीडबैक लिया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही उनके निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि शासन-प्रशासन आमजन की समस्याओं की सुनवाई के लिए बेहद संवेदनशील है तथा आमजन की जन सुनवाई के लिए इस त्रि-स्तरीय जन सुनवाई व्यवस्था के अलावा अनेक प्लेटफॉर्म मुहैया कराए जा रहे हैं। जिला कलक्टर ने कहा कि सरकार की ओर से प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, ग्रामीण इन योजनाओं को लेकर जागरुक बनें और इनका लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद पात्र व्यक्तियों को सरकार की योजनाओं का समुचित लाभ मिलना चाहिए। इस दौरान ग्रामीणों ने गौशाला के लिए श्मसान भूमि में से भूमि उपलब्ध कराने, हाईवे निर्माण के समय वंचित किसानों को मुआवजा दिलवाने एवं सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने संबंधी अनुरोध किया, जिस पर जिला कलेक्टर ने नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही का भरोसा दिलाया। जिला कलेक्टर ने कहा कि यदि किसी पात्र ग्रामीण को किसी योजना का लाभ किसी कारण से नहीं मिल पा रहा है, तो वे इस जन सुनवाई में अवश्य बताएं। पूर्व सरपंच चिमनाराम कारेल, बजरंग कस्वां, धीर सिंह, सुभाष खारड़िया आदि ने गांव में विभिन्न सुविधाओं एवं विभिन्न विभागों की सेवाओं के संबंध में फीडबैक दिया।

कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी को अवार्ड प्रदान कर नई दिल्ली में सम्मानित किया

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेश सागर में मंत्री आवास एवं शहरी विकास विभाग, पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस विभाग, भारत सरकार हरदीप सिंह पुरी के मुख्य आतिथ्य में यूनाइटेड नेशंस इंडिया, एनआईयूए, नीति आयोग और आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्मार्ट सॉल्यूशंस चैलेंज एंड इनक्लूसिव सिटीज अवॉर्ड 2022 समारोह का आयोजन 1 सितंबर दिन गुरुवार को नई दिल्ली में किया गया।

इस समारोह में मिशन डायरेक्टर, अटल इन्नोवेशन मिशन नीति आयोग चिंतन वैष्णव, ज्वाइंट सेक्रेट्री आवास एवं शहरी विकास विभाग भारत सरकार कुणाल कुमार, भारत में यू एन रेसिडेंट कोऑर्डिनेटर शॉम्बी शार्प, सेक्रेटरी आवास एवं शहरी विकास विभाग मनोज जोशी ने एड्रेस किया, एवं स्वागत उद्बोधन डायरेक्टर एनआईयूए हितेश वैद्य ने दिया। इस समारोह के दौरान सागर स्मार्ट सिटी में स्मार्ट प्रौद्योगिकीय सॉल्यूशंस को अपना कर किए गए नवाचारों के लिए सागर स्मार्ट सिटी के कार्यकारी निदेशक चंद्र शेखर शुक्ला एवं सीईओ राहुल सिंह राजपूत को स्मार्ट सॉल्यूशंस चैलेंज एंड इनक्लूसिव सिटीज अवार्ड 2022 प्रदान कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है की यूनाइटेड नेशंस इंडिया, एनआईयूए, नीति आयोग और आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा स्मार्ट सॉल्यूशंस चैलेंज एंड इनक्लूसिव सिटीज अवॉर्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के प्रथम चरण में सागर स्मार्ट सिटी का भी चयन हुआ था। यूनाइटेड नेशन एवं यूएन हैबिटेट के प्रतिनिधियों ने पाया की सागर स्मार्ट सिटी एवं बेलगावी स्मार्ट सिटी में जेंडर एंड डिसेबिलिटी समावेशन के सभी आवश्यक मापदंडों पर बेहतर कार्य किया गया है। देश की 100 स्मार्ट सिटीज में से सागर सहित 2 स्मार्ट सिटीज द्वारा जेंडर एंड डिसेबिलिटी समावेशन पर किए गए कार्यों की सराहना कर पुरस्कृत किया गया।

शिमला में आयोजित हुई स्मार्ट सिटी मिशन की समीक्षा बैठक

एनसीआर समाचार

शहरी विकास मंत्री ने दिए सभी परियोजनाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज ने आज यहां शिमला स्मार्ट सिटी मिशन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि, इस मिशन के तहत किए जा रहे सभी कार्य समय सीमा के भीतर पूर्ण किए जाए। उन्होंने कहा कि, इस महत्वाकांक्षी मिशन से शिमला जैसे खूबसूरत शहर को और बेहतर व स्मार्ट बनाया जा रहा है। शहरी विकास मंत्री ने कहा कि, मिशन के तहत 216 परियोजनाओं पर कुल 712.33 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। अब तक मिशन के तहत 383 करोड़ रुपये प्राप्त किए गए हैं जिनमें केंद्र सरकार द्वारा 194 करोड़ रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 189 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। मिशन के तहत 349.43 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं। कुल 48 परियोजनाओं को पूर्ण कर लिया गया है तथा 168 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। सुरेश भारद्वाज ने बैठक के दौरान स्मार्ट सिटी मिशन में शामिल सभी हितधारकों को मिशन के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मिशन प्रदेश सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है तथा इससे शहर के लोगों तथा यहां आने वाले पर्यटकों को आधुनिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। शिमला स्मार्ट सिटी मिशन के प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनमोहन शर्मा ने बैठक का संचालन किया।

साहू समाज गोण्डा ट्रस्ट और बीजेएम के पदाधिकारियों ने हर्षोल्लास से मनाया तेली दिवस

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश गोण्डा वाशियो ने गणेश चतुर्थी के साथ-साथ तेली दिवस पर सरसों के तेल से दीपक जलाया और फूल माला चढ़ाकर बड़े हर्षोल्लास से मनाया व एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशियां बांटी बता दे कि ये कार्यक्रम डॉ चिन्तामणि साहू हरि शंकर साहू और ओम साहू नेतृत्व में सम्पन्न हुआ जिसका अध्यक्षता श्रीराम साहू ने किया। साथ ही लोगों का ये मानना है भगवान शिव ही तेली के जन्मदाता ये बात उस समय की है जब भोले शंकर और माता पार्वती कैलाश पर्वत में निवास करते थे तो शंकर कही कही गए हुए तो माता पार्वती संख्या उनसे मिलने आई तो उन्होनें उमा से आग्रह किया की कम से कम एक महल तो बनवा ही लो जिसमें आप आराम से रह सको। ये सारी बाते माता उमा (पार्वती) ने भगवान शंकर से बताया तो शंकर जी ने महल निर्माण करा दिया जिसमें उमा जी आराम से रहती थी। एक दिन की बात है उमा को स्नान करना था और कोई द्वारपाल नही था और न ही भोलेनाथ तब माता उमा जी ने अपने दिव्य शक्ति से एक बालक को जन्म दिया और उमा जी निश्चित होकर स्नान करने लगी। वो बालक द्वारपाल की तरह द्वार पर पहरा देने लगा इतने में भोले शंकर जी भी आ गए और अंदर प्रवेश करने लगे बालक ने न पहचान पाने के कारण अंदर

जाने से रोका तो दोनों मे वाक्य युद्ध छिड़ गया जिससे नाराज होकर शंकर जी गुस्से से आग बबूला हो गए और बालक का वध कर दिया। ये घटना जब माता उमा को पता चली तो वो भोलेनाथ से नाराज हो गई और बोली मुझे मेरा पुत्र जिंदा चाहिय, जोकि ये संभव नही था तब शंकर जी ब्रम्हा जी से इसका उपाय पूछा तो उन्होंने कहा ये बालक जी सकता है मगर इसका सिर अब नही जुड़ प्रयोग फिर शंकर जी परेशान होकर पूछे बिना सिर के बालक कैसे जिंदा रह पाएगा इसका कोई उपाय बताइए ब्रम्हा देव, तब ब्रम्हा जी ने सलाह दिया कि जायो जिस भी जानवर का मुँह दक्षिण दिशा में और पूंछ उत्तर दिशा में हो उसका सिर काटकर लगा दो बालक यशस्वी होगा। तब शंकर जी जंगल में निकले तो उन्हें हाथी दिखा इसका सिर दक्षिण और पूंछ उत्तर दिशा में था जिसका व्यापारी मालिक सो रहा था। शंकर जी उसका सिर काटकर तुरन्त उस बालक के शरीर से जोड़ दिया वो बालक जिंदा हो जिसका नाम गजानन रखा है। जब उस हाथी के मालिक व्यपारी जब सोकर उठा तो देखा कि उसके हाथी का सिर नही है वो बेचारा रोता चिल्लाता गया शंकर जी के पास गया और कहने लगा भगवान आपने ऐसा क्यों किया अब हमारे बाल बच्चों का पेट कैसे भरेगा हमारे पास यही एक साधन था जिससे हम अपना व्यापार करके परिवार का भरण पोषण करते थे। तब शंकर जी ने एक मूसल यंत्र (घानी/कोल्हू) और अपना सबसे प्यारा नंदी बैल (वृषभ) दे दिया और कहा हे व्यापारी आज से इसे संचालित करने का कुशलता का बरदान तुम्हे मैं देता हूँ और साथ ही एक वरदान और देता हूँ किसी भी शुभ मुहूर्त या शुभ कार्य करने से पहले आपके द्वारा पिरोया गया तेल का ही पूजन होगा। दिया (बत्ती) जलेगा तभी वो पुजा सफल होगी बिना तेल के कोई भी पूजन कार्य पूर्ण नही माना जायेगा और जिस दिन गजानन का जन्म दिवस होगा तो ये तिथि आपको स्मरण होना चाहिये।

संपादकीय

ट्विन टॉवर तो ढह गये, पर इसे बनाने वाले लोगों पर कब होगी कार्रवाई?

उत्तर प्रदेश का नोएडा एक बार फिर देश-दुनिया की मीडिया की जबरदस्त सुर्खियों में चल रहा है, इस बार चर्चा के केन्द्रबिंदु में एक गगनचुंबी इमारत है। हालांकि अब भ्रष्टाचारियों के गठजोड़ की मजबूत नींव पर खड़ी हुई इस इमारत को ध्वस्त कर दिया गया है, यह गगनचुंबी इमारत कभी सुपरटेक बिल्डर की सल्तनत का एक बेहद अहम हिस्सा थी। यहां आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-93 ए में बेहद पॉश ढंग से सुपरटेक बिल्डर का एमराल्ड कोर्ट नामक एक विशाल प्रोजेक्ट है, जिसमें से अवैध रूप से बने गगनचुंबी ट्विन टॉवर एपेक्स और सियान को 28 अगस्त की दोपहर 2:30 बजे चंद सेकेंडों के दरम्यान अपने पूर्व निर्धारित तय कार्यक्रम के अनुसार सफलतापूर्वक जमींदोज कर दिया गया हैं। लेकिन नोएडा की यह इमारत भ्रष्टाचार की एक बड़ी प्रतीक बनकर अपने पीछे अब बहुत सारे सवाल छोड़ गयी है। वर्ष 2012 से चली एक बहुत लंबी कानूनी जंग के बाद देश की सर्वोच्च अदालत के आदेश के अनुपालन में भ्रष्टाचार के गठजोड़ का बड़ा प्रतीक बन चुके सुपरटेक बिल्डर के इन ट्विन टॉवर्स को तमाम बाधाओं को दूर करते हुए आखिरकार 28 अगस्त रविवार को ध्वस्त कर ही दिया गया है। हालांकि देश की ताकत का मुख्य केंद्र राजधानी दिल्ली के पास में इस तरह का यह अनोखा पहला मामला है। पहली बार देश की सर्वोच्च अदालत से लगभग 22 किलोमीटर की दूरी पर सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर इतनी बड़ी इमारत को गिराया गया है। हालांकि टीआरपी की जंग में देश के बहुत सारे न्यूज़ चैनल इस मसले को सनसनीखेज बनाने के लिए बेहद चतुराई के साथ पूरे देश का पहला मामला बताकर लोगों में जिज्ञसा पैदा करने का कार्य कर रहे हैं, जो सरासर झूठ है। आपको बता दें कि भारत में इस तरह से कोई बहुमंजिला इमारत पहली बार ध्वस्त नहीं की गयी है, इससे पहले भी दो वर्ष पूर्व वर्ष 2020 के जनवरी माह में भ्रष्टाचार के दम पर बनी केरल के मराडू में ऊंची बहुमंजिला इमारतों एच 20 होली फेथ, अल्फा सेरेन, जैन कोरल कोव और गोल्डन कयालोरम को गिराया गया था। वर्ष 2019 में सर्वोच्च न्यायालय ने झील के तट पर बनी इन सभी विशाल बहुमंजिला इमारतों को गिराने आदेश दिया था। झील के किनारे बनी इन सभी इमारतों के निर्माण में भी भ्रष्टाचार के दम पर देश के 'तटीय नियमन क्षेत्र' के प्रावधानों की जमकर धज्जियां उड़ाई गयी थीं। उस वक्त भी कुछ पैसे वाले ताकतवर लोगों ने सिस्टम को अपनी जेब में रखने का दुस्साहस किया था। वही स्थिति नोएडा में सुपरटेक बिल्डर ने ट्विन टॉवर के निर्माण के वक्त करने का कार्य किया था, बिल्डर ने धनबल के बलबूते पर अधिकारियों व चंद राजनेताओं के साथ गठजोड़ करके इस बड़े अवैध निर्माण करने के मंसूबे को धरातल पर साकार करने कार्य बेहद सफलता पूर्वक लगभग पूरा कर ही लिया था, यह तो अंतिम समय में अहंकार व दुस्साहस के चलते इस मामले की पोल खुल गई और ट्विन टॉवर्स का यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक चला गया। हमें उन सभी लोगों की हिम्मत की दाद देनी होगी, जिन्होंने इस भ्रष्टाचार के ताकतवर गठजोड़ की समय-समय पर हर स्तर पर निरंतर शिकायत बिना डरे व हार माने करने का कार्य किया। उन सभी लोगों को इस बेहद लंबी चली जंग का फाइनल अंतिम परिणाम 28 अगस्त 2022 को भ्रष्टाचार के दम बनी इन इमारतों के ध्वस्तीकरण के रूप में अब मिल गया है। हालांकि यह सब होना आसान नहीं था, क्योंकि कदम-कदम पर जबरदस्त ढंग से भ्रष्टाचार से परिपूर्ण सिस्टम वाली हमारे देश की व्यवस्था में इतनी आसानी से कुछ भी सही कार्य करवाना संभव नहीं है, इसके लिए कुछ लोगों ने निरंतर सिस्टम में बैठे ताकतवर लोगों के विभिन्न झूठ-प्रपंच, छल-कपट षड्यंत्रों को नंगा करके मात देते हुए, वर्ष 2012 में उच्च न्यायालय से लेकर के सर्वोच्च न्यायालय तक वर्षों की लंबी लड़ाई लड़ने का कार्य बिना अपना दीन-ईमान बेचे पूर्ण ईमानदारी से करने का काम किया था, तब ही इस जंग में एक बेहद ताकतवर बिल्डर के पेरोल पर नौकरों की तरह बनकर रहने वाले ताकतवर अधिकारियों व राजनेताओं के भ्रष्ट गठजोड़ के खिलाफ आम आदमी की जीत हुई है। ट्विन टॉवर के इस मसले में कुछ लोगों ने भ्रष्टाचारियों के बेहद ताकतवर गैंग के खिलाफ बेहद ईमानदारी से लंबी लड़ाई लड़ते हुए बिल्डर की मनमानी के खिलाफ एक बेहद बुलंद आवाज उठाकर भ्रष्ट तंत्र को घुटनों पर ला देने का कार्य संपन्न किया है। अब भविष्य में ट्विन टॉवर के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा दिया गया निर्णय समय-समय पर एक बेहद अहम नज़ीर बनने का कार्य करेगा। आपको बता दें कि सुपरटेक बिल्डर को एमराल्ड कोर्ट के लिए इस जमीन का आवंटन 23 नवंबर 2004 को हुआ था, जिसका मानचित्र वर्ष 2006 में पास हुआ था, जिसके बाद से इस प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचारियों के गठजोड़ के दम पर तरह-तरह के तिकड़मबाजी के खेल शुरू हो गये थे और धीरे-धीरे एक बड़े विवाद ने जन्म ले लिया। जिसके बाद वर्ष 2012 में यू.बी.एस. तेवतिया, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष, एमराल्ड कोर्ट और अन्य लोगों ने उच्च न्यायालय की शरण में जाने का कार्य किया था। इन सभी याचिकाकर्ताओं की उच्च न्यायालय से लेकर के सर्वोच्च न्यायालय तक दस वर्ष की लंबी कानूनी जंग चली थी। जिसके बाद इमारत के ध्वस्त होने के दिन 28 अगस्त 2022 को इन सभी लोगों को धरातल पर असली जीत मिलती है। लेकिन आज आम जनमानस के मन में एक सवाल कौंध रहा है कि भ्रष्टाचार की प्रतीक इन इमारतों को बनने देने के दोषियों को आखिरकार सजा कब मिलेगी, क्योंकि नोएडा प्राधिकरण और बिल्डर की मिलीभगत के चलते ही वहां पर नियम कायदे कानून को पूरी तरह से ताक पर रखकर ट्विन टॉवर्स का निर्माण होने का कार्य तेजी से चल रहा था। हालांकि इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय का आदेश आ जाने के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जांच शुरू करवाने के लिए अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त के नेतृत्व में 4 सदस्यों की एक जांच समिति का गठन कर दिया था। सूत्रों के अनुसार इस समिति की जांच रिपोर्ट में नोएडा प्राधिकरण के 26 अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ सुपरटेक लिमिटेड के 4 निदेशक और उनके 2 आर्किटेक्ट को भी भ्रष्टाचार के दम ट्विन टॉवर के निर्माण के लिए जिम्मेदार माना गया है, जिसमें कई सीनियर आईएएस अधिकारी से लेकर के प्राधिकरण के सीनियर अधिकारी संलिप्त हैं, लेकिन अफसोस की बात यह है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सिवाय औपचारिकता निभाने के धरातल इन लोगों के खिलाफ आज तक कोई ठोस प्रभावी कार्यवाही ना जाने क्यों नहीं हो पाई है।

आखिर कांग्रेस अध्यक्ष पद से दूर क्यों भाग रहे हैं अशोक गहलोत ?

रमेश सर्राफ धमोरा

कुछ महीनों में गुजरात, हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। उसके बाद अगले साल कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव होंगे। यदि विधानसभाओं के चुनावी नतीजे कांग्रेस पार्टी के मनमाफिक नहीं रहते हैं तो पूरी जिम्मेदारी उनकी मानी जाएगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद म्यूजिकल चेयर बन गया है। कांग्रेस अध्यक्ष का पद कांग्रेस नेताओं के इर्द गिर्द घूम रहा हैं। मगर सभी नेता अध्यक्ष बनने से इनकार कर रहे है। कांग्रेस पार्टी के हर बड़े नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी ही एक बार फिर से कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनें। मगर राहुल गांधी अध्यक्ष बनने से लगातार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने पार्टी नेताओं को साफ शब्दों में कह दिया है कि वह किसी भी सूरत में कांग्रेस अध्यक्ष बनना नहीं चाहते हैं। वह बिना पद के ही पार्टी का काम करना चाहते हैं। राहुल गांधी के इंकार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, वर्किंग कमेटी की सदस्य कुमारी शैलजा सहित कई नेताओं के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल हो गए हैं। मगर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती हैं कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अध्यक्ष का पद संभालें। अशोक गहलोत कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। ऐसे में वह सब के साथ तालमेल बिठाकर काम कर सकते हैं। जैसे ही कांग्रेसी हलकों में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए अशोक गहलोत का नाम आगे आया वैसे ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अध्यक्ष बनने से इंकार कर दिया। गहलोत का कहना है कि राहुल गांधी ही अध्यक्ष के रूप में पार्टी को मजबूत कर सकते हैं। उनका कहना है कि अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के लिए कई कार्य प्रारंभ किए थे। जिसका लाभ आने वाले समय में कांग्रेस को मिलेगा। गहलोत राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए 250 से अधिक बड़े नेताओं से समर्थन लेकर राहुल गांधी को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। गहलोत का कहना है कि मुझे राजस्थान की जिम्मेवारी मिली हुई है। जहां मेरा कार्यकाल बाकी है। अभी मैं राजस्थान की जनता की सेवा करना चाहता हूं। गहलोत का कहना है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ ही गुजरात में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें सोनिया गांधी ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ऐसे में वह अपनी दोनों जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। उनका प्रयास है कि गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर कर कांग्रेस की सरकार बनाएं। अभी वह इसी मिशन में लगे हुए हैं। ऐसे में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष पद संभालना उनके लिए अनुकूल नहीं है। यह सभी को पता है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व नरसिम्हा राव की सरकार में मंत्री रह चुके हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव, सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ही गहलोत तीन बार राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता और तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। राजस्थान में अशोक गहलोत कांग्रेस के सबसे बड़े चेहरे हैं। बहुमत नहीं मिलने पर भी जोड़-तोड़ कर वह दूसरी बार सरकार बनाकर सफलतापूर्वक चला रहे हैं, ऐसे में वह किसी भी स्थिति में मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ना चाहते हैं। गहलोत को पता है कि यदि वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनकर जयपुर से दिल्ली जाते हैं तो उनके स्थान पर कांग्रेस आलाकमान उनके कट्टर विरोधी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना सकता है। जो गहलोत किसी भी स्थिति में नहीं होने देना चाहते हैं। अशोक गहलोत व सचिन पायलट के बीच छत्तीस का आंकड़ा किसी से छुपा हुआ नहीं है। दोनों नेता एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप करते रहते है। कांग्रेस आलाकमान द्वारा अपने स्तर पर दोनों नेताओं के मध्य सुलह करवाने के उपरांत भी दोनों नेताओं के मन अभी तक नहीं मिल पाए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नहीं चाहेंगे कि उनके बाद पायलट राजस्थान में मजबूत होकर अपने पैर जमा सकें। गहलोत को पता है कि राजस्थान की राजनीति व दिल्ली की राजनीति में बड़ा फर्क है। राजस्थान की राजनीति को तो वह वर्षों से अपनी अंगुली पर नचा रहे हैं। मगर दिल्ली जाने के बाद ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। उनको पता है कि यदि वह पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन भी जाते हैं तो पार्टी तो गांधी परिवार के नियंत्रण में रहेगी। ऐसे में वह मात्र कठपुतली बनकर रह जाएंगे। ऊपर से राजस्थान भी उनके हाथ से निकल जाएगा। अगले कुछ महीनों में गुजरात, हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। उसके बाद अगले साल कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव होंगे। यदि विधानसभाओं के चुनावी नतीजे कांग्रेस पार्टी के मनमाफिक नहीं रहते हैं तो पूरी जिम्मेदारी उनकी मानी जाएगी। तब असफलता का ठीकरा उनके सर ही फूटेगा। गहलोत किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देना चाहते हैं। इसीलिए वह दिल्ली जाने के लिए आनाकानी कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की अपनी-अपनी वफादारों की मंडली है। जिन की सलाह पर यह नेता काम करते हैं। यदि गहलोत दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में इन वफादार नेताओं की बातों को अनसुना करते हैं तो उन्हें उनकी साजिशों का शिकार होना पड़ेगा। और उनका दिल्ली की राजनीति में टिके रहना मुश्किल हो जाएगा।

नेताओं की उठापटक से कांग्रेस का आम कार्यकर्ता सबसे ज्यादा परेशान है

दीपक कुमार त्यागी

कांग्रेस से विचारधारा व दिल से जुड़ा हुआ आम कार्यकर्ता दुविधा में है कि आखिरकार पार्टी में यह किस तरह का माहौल चल रहा है और भविष्य में ऐसा माहौल कब तक चलता रहेगा। लेकिन अफसोस की बात यह है कि कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता अपने ठाठबाट में ही मस्त हैं।

कांग्रेस पार्टी के सितारे पिछले कुछ वर्षों से लगातार गर्दिश में चल रहे हैं, पहले तो वह केंद्र की सत्ता से बाहर हुई फिर एक-एक करके उससे राज्यों की सत्ता भी छिनती चली गई। वहीं रही-सही कसर उन राजनेताओं ने पूरी कर दी जो कांग्रेस पार्टी में कभी सत्ता का प्रमुख केन्द्र व नीति निर्माता होते थे, वह राजनेता भी पिछले कुछ वर्षों से एक-एक करके ना जाने क्यों कांग्रेस पार्टी को छोड़ते जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के हालात को देखकर अब तो देश के आम जनमानस को भी यह लगने लगा है कि कांग्रेस मुक्त भारत का जो सपना कभी भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने देखा था, उसको कांग्रेस पार्टी के अंदर के कुछ नेता व पार्टी छोड़कर बाहर जाने वाले नेता ही पूरा करने पर तुले हुए हैं। आज कांग्रेस पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है, पार्टी के पास लंबे समय से अपना पूर्ण कालिक अध्यक्ष तक नहीं है, कांग्रेस के दिग्गज नेता पार्टी छोड़कर भाग रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी से दशकों से विचारधारा व दिल से जुड़ा हुआ आम कार्यकर्ता दुविधा में है कि आखिरकार पार्टी में यह किस तरह का माहौल चल रहा है और भविष्य में ऐसा माहौल कब तक चलता रहेगा। लेकिन अफसोस की बात यह है कि कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता अपने ठाठबाट में ही मस्त हैं, उन्हें ना तो वास्तव में कांग्रेस पार्टी की कोई चिंता है और ना ही पार्टी के आम कार्यकर्ताओं की भावनाओं की कोई चिंता है, कांग्रेस की बेहद चिंताजनक स्थिति होने के बाद भी पार्टी के दिग्गज राजनेता आरोप लगाने में तो मस्त हैं, लेकिन ना जाने क्यों कांग्रेस पार्टी के हित में कभी भी यह चंद ताकतवर राजनेता अपने गिरेबान में झांक कर आत्ममंथन करने के लिए तैयार नहीं हैं।

कांग्रेस पार्टी के दिग्गज राजनेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाब नबी आजाद ने भी 26 अगस्त शुक्रवार के दिन पांच पन्नों का लंबा पत्र सोनिया गांधी को लिखकर के कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए, कांग्रेस में अपनी बेहद लंबी चली पारी को विराम दे दिया। हालांकि अब उन पर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने दशकों तक कांग्रेस राज का आनंद लेकर आज जरूरत के समय कांग्रेस पार्टी का साथ छोड़ दिया, जो सैद्धांतिक रूप से ठीक नहीं है। हालांकि यह भी कटु सत्य है कि कांग्रेस पार्टी में गुलाम नबी आज़ाद बहुत लंबे समय तक एक नीति निर्माता व रणनीतिकार की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका में कार्य करते रहे थे, राहुल गांधी के दौर में वह इस सिस्टम से बाहर हुए तो शायद उनको भी छटपटाहट हुई और बहुत बुरा लगा, जिसके चलते ही उन्होंने कांग्रेस पार्टी के अन्य शीर्ष राजनेताओं के साथ सोनिया गांधी को पार्टी में अंदरूनी लोकतंत्र स्थापित करने के लिए व पार्टी की कमजोरियों पर ध्यान आकर्षित करने के लिए एक लंबी चौड़ी चिट्ठी लिख डाली थी। चिट्ठी लिखने वाले इस समूह को बाद में जी-23 नाम दिया गया था। इस ग्रुप पर कांग्रेस पार्टी के राहुल गांधी के नजदीकी विभिन्न बड़े राजनेताओं से लेकर के आम कार्यकर्ताओं तक ने भी बहुत गंभीर आरोप लगाये थे, जिसके चलते अन्य राजनेताओं के साथ-साथ गुलाम नबी आज़ाद भी बेहद आहत हुए थे। पिछले कुछ वर्षों से गुलाम नबी आज़ाद ने भी खुलेआम बागी तेवर अपना कर कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व के लिए बहुत बड़ी मुश्किल खड़ी कर रखी थी। हाल में उनको जम्मू-कश्मीर में संगठनात्मक दायित्व दिया गया था, जिसको उन्होंने लेने से इंकार कर दिया था। तब से ही देश के विभिन्न राजनीतिक गलियारों में यह कयास लगाए जाने शुरू हो गये थे कि अब कांग्रेस पार्टी में गुलाम नबी आज़ाद चंद दिनों के मेहमान हैं। इन अटकलों पर उन्होंने 26 अगस्त शुक्रवार को पांच पन्नों के अपने इस्तीफे पत्र के साथ ही मुहर लगा दी। कांग्रेस पार्टी में गुलाम नबी आजाद ने वर्ष 1973 से जो सफ़र शुरू किया था, उसमें उन्होंने सफलता के विभिन्न मुकामों को हासिल करने का कार्य किया, अब गुलाम नबी आज़ाद का कांग्रेस पार्टी के साथ का यह लंबा सफ़र 26 अगस्त 2022 को समाप्त हो गया है। जिसके बाद से मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर कांग्रेस के छोटे-बड़े राजनेताओं के द्वारा भी गुलाम नबी आज़ाद के खिलाफ जमकर अपनी भड़ास निकाली जा रही है, आज़ाद पर तथ्यहीन आरोपों की एक बहुत लंबी लिस्ट अब जबरन थोपी जा रही है। आम जनमानस के लिए विचारणीय तथ्य यह है कि अगर वास्तव में आज़ाद ऐसे व्यक्ति थे, तो कांग्रेस पार्टी ने उन्हें दशकों तक महत्वपूर्ण पदों पर आसीन क्यों रखा। लेकिन आज कांग्रेस पार्टी को देश व जन हित में स्वयं की खामी ढूंढने के लिए तत्काल आत्ममंथन करने की आवश्यकता है, जिसके लिए कोई भी तैयार नहीं है। ना ही कोई भी कांग्रेस का नेता यह आत्ममंथन करने के लिए तैयार है कि कहीं गुलाम नबी आज़ाद ने यह कदम पार्टी की जनता के बीच तेजी से गिरती साख को देखकर तो नहीं लिया है, क्योंकि शायद गुलाम नबी आज़ाद कांग्रेस पार्टी की दिन प्रतिदिन जनता के बीच हो रही खस्ताहाल के चुपचाप गवाह नहीं बनना चाहते थे, इसलिए उन्होंने कांग्रेस पार्टी को छोड़ना उचित समझा। गुलाम नबी आज़ाद के इस निर्णय पर ताली पीट पीटकर खुशियां मना रहे कुछ नादान कांग्रेसियों को यह समझना होगा कि गुलाम नबी आज़ाद का पार्टी छोड़ना कांग्रेस पार्टी के लिए एक बहुत बड़ा झटका है, वह एक ऐसे राजनेता हैं जिन्होंने देश के चार प्रधानमंत्रियों- इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पी.वी. नरसिंह राव व मनमोहन सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सफलतापूर्वक कार्य किया था।

इन दिनों भारत की तारीफ में जुटे अमेरिका से हमें सचेत रहना होगा

अशोक मधुप

अमेरिकी नौसेना के ऑपरेशनल हेड एडमिरल माइक गिल्डे की यह घोषणा हमें अलग तरह का संदेश देती है। हमें इससे सचेत रहना होगा। हालांकि चीन हमारा धोखेबाज पड़ोसी है। उस पर कभी यकीन नहीं किया जा सकता। हम उससे सदा सचेत हैं।

अमेरिका आजकल भारत की प्रशंसा करने पर उतरा हुआ है। फुसलाने पर लगा हुआ है। उसके इस व्यवहार से भारत के नेतृत्व को सचेत रहने की जरूरत है। फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। आवश्यकता यह भी है कि भारत उसके किसी जाल में न फंस जाए। भारत ने रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम लिया। अमेरिका ने 2018 में इस सौदे के होने की बात चलते ही विरोध करना शुरू कर दिया था। भारत पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी देनी शुरू कर दी। वह नहीं चाहता था कि भारत रूस से खरीदारी करे। वह अपना सिस्टम बेचना चाहता था। भारत ने उसकी चेतावनी और धमकी को नजर अदांज कर यह सिस्टम खरीद लिया। अब उसके सुर बदल गए। वह अब कह रहा है कि भारत के लिए यह जरूरी था। चीन से उसके विवाद को देखते हुए भारत के लिए इसकी खरीद आवश्यक थी। रूस यूक्रेन युद्ध के समय भारत को लगा कि उसे पेट्रोलियम पदार्थ का संकट होगा। गल्फ देश पहले से ही कुछ नक्शेबाजी दिखा रहे थे। उन्होंने अपने तेल के रेट भी बढ़ा दिया था। ऐसे में भारत के पुराने और सच्चे मित्र रूस ने सस्ता तेल देने की पेशकश की। भारत ने उसे स्वीकार कर लिया। रूस से तेल की खरीद बढ़ा दी। अमेरिका समेत नाटों देश ने इसका विरोध किया। अमेरिका और उसके गठबंधन के देशों ने पहले ही रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगा रखा था। भारत ने इस चेतावनी और प्रतिबंध को भी नजर अंदाज कर उन्हें आईना दिखा दिया। सच्चाई बता दी कि आपमें से कई देश रूस से तेल और गैस ले रहे हैं। भारत के धमकी में न आते देख वे चुप हो गए। अमेरिका को स्वीकारना पड़ा कि रूस भारत का पुराना मित्र है। शस्त्र आपूर्ति पर भारत की रूस पर बड़ी निर्भरता है, ऐसे में उस पर प्रतिबंध लगाना ठीक नहीं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारत के पक्ष में एक बड़ा फैसला लेते हुए नेशनल डिफेंस अथॉराइजेशन एक्ट में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के जरिए भारत को काउंटरिंग अमेरिका एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन एक्ट से भारत को छूट देने की अनुशंसा की गई। हालांकि इस विधेयक को कानून की शक्ल लेना बाकी है। दरअसल अमेरिका भारत को शुरू में धमकी में लेना चाहता था। भारत के धमकी में न आने पर उसने अब भारत को फुसलाना शुरू कर दिया है। अमेरिका चाहता है कि चीनताइवान विवाद में भारत अप्रत्यक्ष रूप से उनका साथ दे। पेंटागन के पूर्व अधिकारी एलब्रिज कोल्बी ने एशिया में कहा भी है कि अगर चीन और ताइवान के बीच युद्ध जैसी स्थिति उत्पन्न हुई तो भारत, ताइवान की सीधी तौर पर मदद नहीं करेगा लेकिन यह माना जा सकता है कि भारत भी चीन के विरुद्ध लद्दाख मोर्चे को फिर से खोल सकता है। चीन से चल रहे भारी तनाव के बीच अमेरिका ने भारत की काफी तारीफ की है। अमेरिकी नौसेना के ऑपरेशनल हेड एडमिरल माइक गिल्डे ने कहा कि भारत भविष्य में चीन का मुकाबला करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन के तनाव के दौरान भारत, अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार साबित होगा। माइक गिल्डे ने वाशिंगटन में हेरिटेज फाउंडेशन के इन-पर्सन सेमिनार में ये बात कही। माइक ने कहा कि किसी भी देश से ज्यादा समय अगर उन्होंने कहीं बिताया है तो वो भारत है। ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले समय में भारत, अमेरिका के लिए एक रणनीतिक भागीदार साबित होगा।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

पीएम फसल बीमा योजना में सुधार करेगी सरकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार की प्रमुख फसल बीमा योजना (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना-पीएमएफबीवाई) में कुछ बीमा कंपनियों द्वारा मुनाफा कमाने की खबरों के बीच केंद्र प्रीमियम दर को युक्तिसंगत बनाने और अधिक बीमाकर्ताओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इसमें सुधार की योजना बना रहा है।

सूत्रों के अनुसार, योजना में संभावित महत्वपूर्ण बदलाव फसल वर्ष 2023-24 (जुलाई-जून) से केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद लागू किए जाएंगे। फरवरी, 2016 में शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) का उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल के नुकसान/क्षति से पीड़ित किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत, किसानों द्वारा देय अधिकतम प्रीमियम खरीफ (गर्मी) के मौसम में उगाई जाने वाली सभी खाद्य और तिलहन फसलों के लिए दो प्रतिशत, रबी (सर्दियों) के मौसम में उगाई जाने वाली समान फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत और वाणिज्यिक और बागवानी फसलों के लिए पांच प्रतिशत है। किसानों द्वारा देय प्रीमियम और बीमा शुल्क की दर के बीच का अंतर केंद्र और राज्यों द्वारा समान रूप से साझा किया जाता है। किसानों की स्वैच्छिक भागीदारी को संभव बनाने और किसी भी घटना के 72 घंटे के भीतर फसल के नुकसान की रिपोर्ट करने के लिए इस योजना को अंतिम बार वर्ष 2020 में संशोधित किया गया था। सरकारी सूत्रों के

अनुसार, योजना में और सुधार की आवश्यकता महसूस की गई क्योंकि पीएमएफबीवाई में बीमा कंपनियों की भागीदारी घट रही थी। इसके कारण प्रतिस्पर्धा की कमी हो रही थी जिसकी वजह से मौजूदा बीमाकर्ता अधिक प्रीमियम दर वसूलने के लिए बाध्य हुए। नीति के अनुसार, बीमा कंपनियों को एक निविदा प्रक्रिया के माध्यम से तीन फसल वर्षों के लिए सूचीबद्ध किया जाता है। वर्ष 2019-20 से वर्ष 2022-23 तक की अवधि के लिए लगभग 18 बीमा कंपनियों को पैनल में रखा गया था। हालांकि, उनमें से आठ कंपनियां बाहर हो गई और 10 कंपनियां अब इस योजना में भाग ले रही हैं। सूत्रों ने कहा कि उच्च दावा अनुपात के बाद भारी नुकसान के कारण आठ बीमा कंपनियों फसल वर्ष 2021-22 में कारोबार से बाहर हो गईं, जिनमें सरकारी और निजी क्षेत्र से चार-चार कंपनियां शामिल थीं। हालांकि, प्रतिस्पर्धा के अभाव में जो बीमा कंपनियां मैदान में रह गई थीं, उन्होंने उच्च प्रीमियम तय किया। नतीजतन, कुछ कंपनियों ने पिछले फसल वर्ष के दौरान भारी मुनाफा कमाया क्योंकि फसल के नुकसान के दावे कम थे।

सूत्रों ने कहा कि इससे कुछ राज्य सरकारों को यह भरोसा हो गया कि पीएमएफबीवाई से केवल बीमा कंपनियों को फायदा हो रहा है, किसानों को नहीं। सूत्रों ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए कृषि मंत्रालय द्वारा 2021 में गठित एक कार्यसमूह ने पूरे मुद्दे की जांच की और एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। सूत्रों ने कहा कि कार्यसमूह ने पीएमएफबीवाई को लागू करने के लिए दो दृष्टिकोणों की सिफारिश की है। एक 'जोखिम हस्तांतरण दृष्टिकोण' है, जिसका वर्तमान में पालन किया जा रहा है, जिसमें पूरा जोखिम, लागू करने वाली बीमा कंपनियों को स्थानांतरित किया जाता है। इसमें बीमा कंपनी द्वारा संपूर्ण दावा देयता वहन करना शामिल है। दूसरा 'जोखिम भागीदारी दृष्टिकोण' है, जिसके तहत राज्यों को अपनाने के लिए तीन वैकल्पिक मॉडल की सिफारिश की जाती है। इसमें दावों के साथ-साथ अधिशेष प्रीमियम राशि (दावे को मंजूरी देने के बाद अर्जित) को इसे लागू करने वाले राज्यों और बीमाकर्ता के बीच पारस्परिक रूप से सहमत फॉर्मूले के अनुसार साझा किया जाता है। तीन मॉडल हैं: लाभ और हानि साझा करने वाला मॉडल; कप और कैप मॉडल (60:130); और कप और कैप मॉडल (80-110)। सूत्रों ने कहा कि लाभ और हानि के बंटवारे के मॉडल के तहत बीमा कंपनियों और सरकार के बीच लाभ और हानि को साझा करने के लिए एक राज्य विशिष्ट जोखिम दायरा बनाया जाएगा। उदाहरण के लिए, बिहार के लिए यह दायरा महाराष्ट्र से अलग होगा। कप और कैप मॉडल (60:130) के तहत, बीमा कंपनियां तब भुगतान करेंगी जब दावा सकल प्रीमियम के 60 से 130 प्रतिशत के बीच होगा। मान लीजिए कि दावा, सकल प्रीमियम के 60 प्रतिशत से कम का है, तो इसे सरकार द्वारा भुगतान किया जायेगा। अगर यह दावा सकल प्रीमियम के 130 प्रतिशत से ऊपर राशि के लिए है तो सरकार बीमा कंपनियों के जरिये दावा राशि का भुगतान करेगी। सूत्रों ने कहा कि तीसरा मॉडल कप और कैप मॉडल (80:110) का सुझाव दिया गया है जो ऊपर जैसा ही है। लेकिन यदि यह दावा सकल प्रीमियम के 80 से 110 प्रतिशत के बीच का है, तो बीमा कंपनियां दावों को मंजूरी दे देंगी। सूत्रों ने कहा कि यह मॉडल मौजूदा समय में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में लागू किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार कार्यदल ने फसल नुकसान के त्वरित आकलन और किसानों के दावों के शीघ्र भुगतान के लिए ड्रोन जैसी नवीनतम तकनीक के इस्तेमाल का भी सुझाव दिया है।

वित्त मंत्रालय ने खाद्य तेल आयात पर रियायती सीमा शुल्क अगले साल मार्च तक बढ़ाया

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने खाद्य तेल आयात पर रियायती सीमा शुल्क को मार्च, 2023 तक और छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। इस कदम का उद्देश्य खाद्य तेलों की घरेलू आपूर्ति को बढ़ाना और कीमतों को नियंत्रण में रखना है। एक अधिसूचना में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा कि निर्दिष्ट खाद्य तेलों पर मौजूदा रियायती आयात शुल्क की समयसीमा को 31 मार्च, 2023 तक बढ़ाया जाएगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने कहा, "कच्चे पाम तेल, आरबीडी पामोलिन, आरबीडी पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल, रिफाइंड सोयाबीन तेल, कच्चे सूरजमुखी तेल और रिफाइंड

सूरजमुखी तेल पर मौजूदा शुल्क संरचना 31 मार्च, 2023 तक अपरिवर्तित रहेगी।" फिलहाल कच्चा पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल किस्मों पर आयात शुल्क शून्य है। हालांकि, पांच प्रतिशत के कृषि उपकर और 10 प्रतिशत के सामाजिक कल्याण उपकर को ध्यान में रखते हुए इन तीन खाद्य तेलों की कच्ची किस्मों पर प्रभावी शुल्क 5.5 प्रतिशत है। पामोलिन और पाम तेल की रिफाइंड किस्मों पर मूल सीमा शुल्क 12.5 प्रतिशत है, जबकि सामाजिक कल्याण उपकर 10 प्रतिशत है। अतः प्रभावी शुल्क 13.75 प्रतिशत बनता है। रिफाइंड सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल पर मूल सीमा शुल्क 17.5 प्रतिशत है और 10 प्रतिशत सामाजिक कल्याण उपकर को ध्यान में रखते हुए प्रभावी शुल्क 19.25 प्रतिशत बैठता है। एसईए के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने कहा कि सरकार ने उपभोक्ता हित में रियायती शुल्क की समयसीमा को मार्च तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सोयाबीन जैसी खरीफ तिलहन की फसल घरेलू बाजार में आने के बाद सरकार को अक्टूबर में शुल्क ढांचे पर फिर से विचार करने की जरूरत होगी।

पाकिस्तान में सब्जियों के दाम आसमान पर, भारत के साथ व्यापार मार्ग खोलने की मांग ने जोर पकड़ा

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान में भारत के साथ व्यापार मार्ग खोलने की मांग जोर पकड़ रही है। यहां विनाशकारी बाढ़ के कारण सब्जियों और फलों की कीमतों में जोरदार उछाल आया है और देशभर में हजारों एकड़ में फसल नष्ट हो गई है।

चूंकि शहबाज शरीफ सरकार ने अभी तक भारत से सब्जियों और फलों के आयात पर निर्णय नहीं लिया है, इसलिए कई व्यापार मंडल, उपभोक्ताओं की खातिर पड़ोसी देश भारत से प्याज और टमाटर जैसी आवश्यक वस्तुओं को आयात करने का आग्रह कर रहे हैं। सब्जियों की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर भारत से

खाद्य सामान आयात करने का विचार सबसे पहले वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने सोमवार को पेश किया था। हालांकि, इस्माइल ने बुधवार को कहा कि कश्मीर मुद्दे पर भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों के मद्देनजर इस योजना को लेकर विपक्ष की आलोचना के बीच वह सरकार भारत से खाद्य पदार्थों के आयात पर गठबंधन सहयोगियों और प्रमुख अंशधारकों से परामर्श करेंगे। बृहस्पतिवार को फैसलाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष आतिफ मुनीर ने सरकार से सब्जियों की आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, "परिवहन शुल्क को कम करने के लिए पड़ोसी देशों के साथ व्यापार, विशेष रूप से भारत के साथ व्यापार करना महत्वपूर्ण है और इससे यहां उपभोक्ताओं को सस्तर दरों पर सब्जियां और फल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।" लाहौर मार्केट कमेटी के सचिव शहजाद चीमा ने कहा कि सरकार को भारत से सब्जियां और फल आयात करने का फैसला करना चाहिए क्योंकि यहां के उपभोक्ताओं को राहत देना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि ताफ्तान सीमा (बलूचिस्तान) के जरिये ईरान से सब्जियों का आयात व्यवहार्य नहीं है क्योंकि ईरानी सरकार ने इसके आयात और निर्यात पर कर बढ़ा दिया था। तहरीक-ए-इस्तकलाल के अध्यक्ष रहमत खान वरदाग ने भी पाकिस्तान के नागरिकों के लाभ के लिए भारत के साथ खुले व्यापार की वकालत की है। इस वरिष्ठ राजनेता ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा, "सरकार को उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सभी तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि टमाटर और प्याज की कीमतें 400 रुपये प्रति किलो को पार कर गई हैं। सब्जियों और फलों की आपूर्ति कम से कम समय में भारत जैसे पड़ोसी देशों से ही संभव है।"

इतना अंतर क्यों है, वेतनभोगी लोग 90,000 सालाना और गैर-वेतनभोगी 31,500 टैक्स देते हैं

एजेंसी

वेतनभोगी वर्ग भारत में सबसे अधिक कर देता है। अगर हम गैर-वेतनभोगी वर्ग के बारे में बात करते हैं तो इसमें अपना व्यवसाय करने वाले, उद्योग चलाने वाले और डॉक्टर, सीए, आर्किटेक्ट आदि जैसे पेशेवर शामिल होते हैं, जो कि उनसे बहुत कम कर देते हैं। भारत के राजस्व सचिव तरुण बजाज ने कहा है कि देश में औसतन गैर-वेतनभोगी लोग प्रति रिटर्न 31,500 का कर दाखिल करते हैं जबकि वेतनभोगी वर्ग प्रति रिटर्न 90,000 से अधिक का कर भुगतान करता है। भारत के राजस्व सचिव ने कहा है कि 96% गैर-वेतनभोगी लोग 10 लाख रुपये से कम का आयकर

रिटर्न दाखिल करते हैं। 88% गैर-वेतनभोगी लोग 5 लाख से कम का आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं। एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर देश में आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले कुल लोगों की बात की जाये तो 75 प्रतिशत आयकर रिटर्न 5,00,000 प्रति वर्ष से कम पर दाखिल किया जाता है और 92% आयकर रिटर्न 10 लाख से कम के लिए दाखिल किए जाते हैं। एक वेतनभोगी कर्मचारी वह होता है जिसे काम के घंटों को ध्यान में रखे बिना एक निश्चित राशि का भुगतान किया जाता है। वेतनभोगी कर्मचारियों को आम तौर पर नियमित अंतराल में द्वि-साप्ताहिक या मासिक वेतन चेक मिलता है। उनकी आय अक्सर सशुल्क छुट्टियों, देखभाल और अन्य लाभों से पूरित होती है। वहीं गैर-वेतनभोगी कर्मचारी का मतलब उस व्यक्ति से होता है जो काम किए गए प्रत्येक घंटे के लिए प्रति घंटा की दर से वेतन प्राप्त करता है।

आखिर क्यों वेतनभोगी लोग ज्यादा टैक्स देते हैं जबकि गैर-वेतनभोगी लोग उनसे कहीं बहुत कम टैक्स देते हैं, इसकी वजह क्या है, दोनों के टैक्स में इतना अंतर क्यों है?

एक्सपर्ट के मुताबिक़, आमतौर पर सैलरीड क्लास की पूरी इनकम एक नंबर में होती है, उन्हें कार्यालय से बैंक खाते में वेतन मिलता है और धारा 80सी सहित सभी कटौतियों को काटने के बाद नियोक्ता उनका टीडीएस काटकर वेतन का भुगतान करता है। इस वजह से वेतनभोगी वर्ग को अधिक टैक्स देना पड़ता है। वहीं अगर हम गैर-वेतनभोगियों के बारे में बात करते हैं तो इसमें उद्यमी, व्यवसायी और पेशेवर लोग शामिल हैं जो अपने ग्राहकों की मदद से अपना काम करते हैं। गैर-वेतनभोगी वर्ग को आयकर अधिनियम के अनुसार कई लाभ प्राप्त होते हैं, जिसकी वजह से उनकी कर देयता कम हो जाती है। आम तौर पर गैर-वेतनभोगी वर्ग अपने खर्चों को एक संख्या में अर्जित आय के बराबर दिखाते हैं।

बेरोजगारी दर अगस्त में बढ़कर एक साल के उच्चस्तर 8.3 प्रतिशत पर

एजेंसी

मुंबई। देश में बेरोजगारी दर अगस्त में एक साल के उच्चस्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गयी। इस दौरान रोजगार पिछले महीने की तुलना में 20 लाख घटकर 39.46 करोड़ रह गया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में बेरोजगारी दर 6.8 प्रतिशत थी तथा रोजगार 39.7 करोड़ था। सीएमआईई के प्रबंध निदेशक महेश व्यास ने पीटीआई-से कहा, "शहरी बेरोजगारी दर आमतौर पर ग्रामीण बेरोजगारी दर से ऊंची यानी आठ प्रतिशत रहती है, जबकि ग्रामीण बेरोजगारी दर लगभग सात प्रतिशत होती है।" उन्होंने कहा, "अगस्त में

शहरी बेरोजगारी दर बढ़कर 9.6 प्रतिशत और ग्रामीण बेरोजगारी दर बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई।" व्यास ने बताया अनियमित वर्षा ने बुवाई गतिविधियों को प्रभावित किया और यह ग्रामीण भारत में बेरोजगारी बढ़ने का एक कारण है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर जुलाई में 6.1 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त में 7.7 प्रतिशत हो गई। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि रोजगार दर 37.6 प्रतिशत से गिरकर 37.3 प्रतिशत पर आ गई। व्यास ने कहा, "आगे जाकर ग्रामीण बेरोजगारी दर में कमी आ सकती है क्योंकि मानसून में देरी से मानसून के अंत में कृषि गतिविधियों में वृद्धि होगी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि आने वाले महीनों में शहरी बेरोजगारी दर कैसी होगी। वर्तमान में, यह काफी अधिक बनी हुई है।" आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के दौरान हरियाणा में सबसे ज्यादा 37.3 प्रतिशत बेरोजगारी थी। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी दर 32.8 प्रतिशत, राजस्थान में 31.4 प्रतिशत, झारखंड में 17.3 प्रतिशत और त्रिपुरा में 16.3 प्रतिशत थी।

सितंबर माह से हुए बदलाव आप पर कितना डालेंगे असर, इसे समझिए

एजेंसी

अंग्रेजी कैलेंडर में सितंबर महीना का खास महत्व है। बदलते मौसम के साथ साथ वित्तीय वर्ष की अर्द्धवार्षिकी के लिहाज से भी। इसलिए वित्तीय लेन-देन, शासकीय करारोपण व आर्थिक नीतिगत मामलों जैसे- बैंकिंग, बीमा, एलपीजी, प्राधिकरण आदि में हर वर्ष की तरह इस बार भी यह महीना आपके लिए कुछ महत्वपूर्ण और बदलाव लेकर उपस्थित हुआ है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 1 सितंबर से कई बदलाव प्रभावी भी हो चुके हैं। जिनमें नेशनल पेंशन स्कीम यानी एनपीएस में पीओपी को कमीशन, पंजाब नेशनल बैंक यानी पीएनबी में केवाईसी का अनिवार्य होना, इंश्योरेंस का प्रीमियम कम होना, टोल टैक्स का बढ़ना, रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों का बदलना, गाजियाबाद में प्रॉपर्टी का महंगा होना और किसानों से संबंधित एक जरूरी अपडेट आदि शामिल हैं। तो आइए जानते हैं कि एक सितंबर से कौन-कौन से बदलाव प्रभावी हो चुके हैं और ये बदलाव आप पर कितना डालेंगे असर, इसे समझिए। इन बदलावों के मद्देनजर कहीं आपको अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी तो कहीं कहीं पैसे भी बचेंगे। एक ओर जहां एनपीएस का खाता खोलने वाले प्वाइंट ऑफ प्रजेंस को कमीशन दिया जायेगा, वहीं, पंजाब नेशनल बैंक समेत अन्य बैंकों में गत 31 अगस्त 2022 तक अपनी केवाईसी अपडेट नहीं कराने वालों के लेनदेन में कुछ अड़चनें भी आएंगी। वहीं, आईआरडीएआई द्वारा जनरल इंश्योरेंस के नियमों में बदलाव करने के बाद आपके प्रीमियम का बोझ भी

कुछ हल्का होगा।

नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में हुआ बदलाव, अब पीओपी को मिलेगा कमीशन

नेशनल पेंशन स्कीम के नियमों में एक सितंबर 2022 से एक बदलाव हो रहा है, जिसके मुताबिक अब एनपीएस का खाता खोलने वाले प्वाइंट ऑफ प्रजेंस (पीओपी) को कमीशन दिया जायेगा। बता दें कि यही पीओपी, एनपीएस में लोगों का रजिट्रेशन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराती हैं। इसलिए पॉइन्ट ऑफ प्रजेंस को एक सितंबर से 10 रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक का कमीशन मिलेगा।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में केवाईसी अपडेट नहीं होने पर सितंबर से होगी दिक्कत

भारत के बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक पंजाब नेशनल बैंक कई दिनों से अपने ग्राहकों से केवाईसी अपडेट करने का आग्रह कर रहा था। बैंक ने केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2022 भी घोषित कर रखी थी। बैंक के मुताबिक, जो ग्राहक 31 अगस्त तक केवाईसी नहीं करवाएंगे, उन्हें 1 सितंबर 2022 से अपने खाते का इस्तेमाल करने में विभिन्न प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

बैंक अकाउंट की केवाईसी अपडेट नहीं है तो रुकेगा लेनदेन

यदि आपका किसी भी बैंक में बचत या अन्य खाता है तो आपको 31 मार्च 2022 तक अपने अकाउंट का केवाईसी अपडेशन करा लेना चाहिए था। यदि आपने किसी कारण वश ऐसा नहीं कराया है, तो इसे 31 अगस्त 2022 तक पूरा करा लेने का मौका दिया गया था। फिर यदि आपने अपनी केवाईसी अपडेट नहीं करवाई है तो आपके खाते से पैसों का लेन-देन रुक सकता है।

आईआरडीएआई के हस्तक्षेप के बाद घट गया बीमा का प्रीमियम

1 सितंबर 2022 से आपको बीमा पॉलिसी का प्रीमियम कम चुकाना होगा। दरअसल, बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा जनरल इंश्योरेंस के नियमों में बदलाव करने के बाद ऐसा संभव हो पाया है। अब एजेंट को इंश्योरेंस कमीशन पर 30 से 35 प्रतिशत के बजाय 20 प्रतिशत ही कमीशन देने का नियम लागू हुआ है। यह बचत जहां इंश्योरेंस करवाने वालों के लिए फायदे की बात है, वहीं एजेंट को इससे काफी नुकसान होगा।

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने टोल टैक्स में इजाफा किया

यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने टोल टैक्स की दरों में इजाफा किया है। उसने ऐसा करने का निर्णय बहुत पहले लिया था, जो 1 सितंबर 2022 से लागू हो चुका है। लिहाजा, अब छोटे वाहन के लिए यमुना एक्सप्रेस-वे से जाने पर प्रति किलोमीटर 10 पैसे ज्यादा देने होंगे, जबकि बड़े कमर्शियल वाहनों पर प्रति किलोमीटर 52 पैसे ज्यादा टोल देना होगा।

गाजियाबाद में सर्किल रेट में बढ़ोतरी से प्रॉपर्टी हुई महंगी

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 1 सितंबर 2022 से घर, मकान और प्लाट सहित सभी तरह की प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा। क्योंकि हाल ही में सरकार ने गाजियाबाद का सर्किल रेट बढ़ाने का निर्णय लिया था, जो एक सितंबर से लागू हो चुका है। यहां सर्किल रेट में 2 से 4 फीसदी तक की वृद्धि की गई है।

पंजाब में आप सरकार की कृपा से मिलेगी 300 यूनिट फ्री-बिजली

पंजाब सरकार 1 सितंबर 2022 से बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दे चुकी है। उसने घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने 300 यूनिट बिजली फ्री बिजली देने का जो वादा किया है, उसे सितंबर माह से लागू कर चुकी है। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में फ्री बिजली को मुख्य मुद्दा बनाया था, जिसके बाद उसने दिल्ली की तरह पंजाब में भी सभी दलों का सुफड़ा साफ कर दिया। अब एलपीजी कम्पनियों द्वारा हर महीने की पहली तारीख को घरेलू रसोई गैस की कीमतों में बदलाव किया जाता है। इसी के दृष्टिगत पिछले महीने इसकी कीमत कुछ कम की गई थी।

पुतिन ने गोर्बाचेव को श्रद्धांजलि दी, लेकिन अंतिम संस्कार में नहीं होंगे शामिल

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोवियत संघ के पूर्वराष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाचेव को बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि दी। पुतिन हालांकि पूर्व सोवियत नेता के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे। यह फैसला गोर्बाचेव की विरासत को लेकर क्रेमलिन की मिली-जुली भावना को प्रदर्शित करता है। गौरतलब है कि गोर्बाचेव का मंगलवार को निधन हो गया था। वह 91 वर्ष के थे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने बताया कि रूस के पश्चिमी छोर में बाल्टिक बस्ती कलिनिनग्राद के दौरे के लिए रवाना होने से पहले पुतिन मॉस्को के उस अस्पताल गए,

जहां शनिवार को अंतिम संस्कार के पहले गोर्बाचेव की पार्थिव देह को पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए रखा गया है। पेस्कोव ने एक कॉन्फ्रेंस कॉल में संवाददाताओं से कहा, ''यह खेदजनक है कि राष्ट्रपति के तय कार्यक्रम के कारण वह शनिवार को आज यह करने का फैसला किया।'' रूसी सरकारी टेलीविजन चैनल में दिखाया गया कि पुतिन गोर्बाचेव के खुले ताबूत की ओर गए और उन्होंने उसके पास लाल गुलाब का एक गुलदस्ता रखा। वह कुछ देर मौन खड़े रहे, उन्होंने अपना सिर झुकाया, ताबूत को छुआ, अपने सीने पर हाथ रखा और फिर वहां से चले गए। गोर्बाचेव का मंगलवार को निधन हो गया था। उनकी पार्थिव देह को मास्को के नोवोडदेविची कब्रिस्तान में उनकी पत्नी रायसा के ताबूत के पास दफनाया जाएगा।

इसके पहले हाउस ऑफ द यूनियंस' के पिलर हॉल में उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी जाएगी। पुतिन का अस्पताल में जाकर गोर्बाचेव को निजी रूप से श्रद्धांजलि देना और शनिवार को सार्वजनिक रूप से दी जानी वाली अंतिम श्रद्धांजलि से दूरी बनाना तथा अंतिम संस्कार के तरीके को लेकर अनिश्चितता पूर्व सोवियत नेता की विरासत को लेकर क्रेमलिन की असहजता को दर्शाती है। दिवंगत नेता को शीत युद्ध को समाप्त करने के लिए पश्चिम में सराहा जाता है, लेकिन 1991 में सोवियत के विघटन के लिए जिम्मेदार कदमों के लिए रूस में उनके कई आलोचक हैं।

यदि क्रेमलिन गोर्बाचेव के लिए राजकीय अंतिम संस्कार की घोषणा करता, तो पुतिन का आधिकारिक समारोह में शामिल न होना अजीब लगता। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने पर क्रेमलिन को विदेशी नेताओं को भी इसमें शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजना पड़ता, जो मास्को यूक्रेन में अपनी कार्रवाई को लेकर पश्चिम के साथ तनाव के बीच संभवतः नहीं करना चाहता। पुतिन ने गोर्बाचेव की स्पष्ट व्यक्तिगत आलोचना करने से बचते हुए अतीत में उन पर बार-बार आरोप लगाया था कि वह उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्व की ओर विस्तार की संभावनाओं को मिटाने के लिए पश्चिम से लिखित प्रतिबद्धताएं हासिल करने में नाकाम रहे। नाटो का पूर्व की ओर विस्तार पश्चिमी देशों और रूस के बीच संबंधों में तनाव का मुख्य कारण है और इसी के परिणामस्वरूप रूसी नेता ने 24 फरवरी को यूक्रेन में सेनाएं भेजीं। क्रेमलिन द्वारा जारी शोक संदेश में पुतिन ने गोर्बाचेव की प्रशंसा की।

पोलैंड द्वितीय विश्व युद्ध में हुए नुकसान के लिए जर्मनी से मुआवजे की मांग करेगा

एजेंसी

वारसा। पोलैंड के शीर्ष नेता ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजियों के हमले और उनके देश पर कब्जे के लिए जर्मनी से 1300 अरब अमेरिकी डॉलर के मुआवजे की मांग करेगी। पोलैंड के सत्तारूढ़ दल के नेता जेरोस्लाव काजिंस्की ने कहा कि मुआजवा मांगना पोलैंड का दायित्व है। वह नाजी जर्मन के कब्जे से देश को हुए नुकसान के संबंध में लंबे समय से प्रतीक्षित रिपोर्ट जारी किए जाने के मौके पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''हमने न सिर्फ रिपोर्ट तैयार की बल्कि आगे के कदमों के बारे में भी फैसला किया है। काजिंस्की पोलैंड के मुख्य नीति निर्माता हैं। पोलैंड की दक्षिणपंथी सरकार की दलील है कि उनका देश दूसरे विश्व युद्ध का पहला शिकार था और उसे पड़ोसी जर्मनी द्वारा पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया गया है और अब जर्मनी यूरोपीय संघ के प्रमुख भागीदारों में से एक है। दूसरा विश्व युद्ध एक सितंबर, 1939 को शुरू हुआ था जब नाजी जर्मनी ने पोलैंड पर हमला किया था और पांच साल से अधिक तक अपने कब्जे में रखा था। करीब 30 अर्थशास्त्रियों, इतिहासकारों और अन्य विशेषज्ञों की एक टीम 2017 से इस रिपोर्ट पर काम कर रही थी। इस मुद्दे को लेकर द्विपक्षीय तनाव पैदा हो गया है। जर्मन-पोलैंड सहयोग के लिए जर्मनी की सरकार के अधिकारी डाइटमार नीटान ने एक बयान में कहा एक सितंबर जर्मनी के लिए शर्म का दिन है जो हमें बार-बार याद दिलाता है कि उसके द्वारा किए गए अपराधों को नहीं भूला जा सकता। उन्होंने कहा कि यह हमारे इतिहास का सबसे काला अध्याय है और अब भी द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करता है।

डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतराः जो बाइडन

एजेंसी

वाशिंगटन। मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वह और उनके समर्थक अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव नवंबर में होने हैं। बाइडन ने बृहस्पतिवार को फिलाडेल्फिया में अपने संबोधन में कहा, ''आज समानता और लोकतंत्र खतरे में है।'' अपने पूर्ववर्ती का नाम लिए बिना उन पर हमला करते हुए बाइडन ने कहा, ''हमारे देश में आज बहुत कुछ ऐसा हा रहा है, जो सामान्य नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप और एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) अभियान से जुड़े रिपब्लिकन अतिवाद का प्रतिनिधित्व करते हैं और वे हमारे लोकतंत्र के लिए खतरा हैं।'' उन्होंने कहा, ''एमएजीए से जुड़ी ताकतें देश को पीछे ले जाने पर उतारू हैं। उनकी मंशा अमेरिका को उस जगह पर पहुंचाना है, जहां चुनाव का अधिकार, गोपनीयता का अधिकार, गर्भपात का अधिकार, जिससे पसंद करते हैं उससे शादी करने का कोई अधिकार न हो। वे राजनीतिक हिंसा को बढ़ावा देते हैं।'' अमेरिकी लोकतंत्र के उद्गम स्थल 'इंडिपेंडेंस हॉल' के सामने खड़े होकर बाइडन ने उनके 'सोल ऑफ द नेशन' भाषण को सुनने पहुंचे सैकड़ों लोगों से कहा कि समानता और लोकतंत्र पर हमले हो रहे हैं। 'हाउन माइनॉरिटी' के नेता केविन मैककार्थी ने एमएजीए की विचारधारा की निंदा करने के लिए बाइडन से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति बाइडन ने अपने साथी अमेरिकियों को विभाजित करने और उन्हें नीचा दिखाने का विकल्प चुना है।

ईशनिंदा मामलों में सरकारी अधिकारी ''बहुत सतर्कता'' बरतें : उच्चतम न्यायालय

एजेंसी

इस्लामाबाद। ''धर्म से जुड़े अपराधों'' की ''गंभीर'' प्रकृति के संबंध में आपत्ति जताते हुए पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को ईशनिंदा के मामलों से निपटने के दौरान सरकार से जुड़े लोगों से 'बहुत सावधानी'' बरतने को कहा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ऐसे मामलों को काफी प्रचार होता है जिसका प्रतिकूल असर होता है तथा 'निष्पक्ष सुनवाई भी खतरे में पड़ सकती है।'' एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के खबर के अनुसार शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि इस्लामिक विधिशास्त्र में भी अपराधी को वह व्यक्ति फांसी पर नहीं चढ़ा सकता है जो इसके लिए अधिकृत नहीं है। पाकिस्तान के कानून के तहत

ईशनिंदा के दोषियों के लिए मृत्युदंड एकमात्र निर्धारित सजा है। आलोचकों ने यह कहते हुए पाकिस्तान के ईशनिंदा कानून में सुधार की मांग की है कि समाज के प्रभावशाली लोग एवं चरमपंथी धार्मिक तत्व अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने तथा निजी दुश्मनी को साधने के वास्ते विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए अक्सर इसका दुरूपयोग करते हैं। उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस बात का भी संज्ञान लिया गया है कि कैसे कई बार ''निजी दुश्मनी को साधने या शरारतपूर्ण उद्देश्य से या दुर्भावना से वशीभूत होकर झूठे आरोप लगाये जाते हैं।'' अखबार के अनुसार न्यायमूर्ति काजी फैज इशा और न्यायमूर्ति सैयद मंसूर अली शाह की खंडपीठ ने एक ईसाई सफाईकर्मी के गिरफ्तारी बाद जमानत अनुरोध के मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया जो पिछले साल से जेल में है। लाहौर अपशिष्ट प्रबंधन कंपनी के सफाईकर्मी सलमान मन्शाह मसीह पर ईशनिंदा करने का आरोप है।

न्यायमूर्ति काजी फैज इशा ने कहा, '' दुर्भाग्य से , ऐसे मामलों का खूब प्रचार होता है जिसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और निष्पक्ष सुनवाई भी खतरे में पड़ सकती है।'' फैसले में कहा गया है, '' आरोपी ने कथित रूप से जो कुछ कहा है या किया है, उसके बारे में बार बार गैर जिम्मेदार तरीके से प्रसारण एवं प्रकाशन होता है। जोबार-बार ऐसा करते हैं, वे भी संभवतःऐसा ही अपराध कर रहे होते हैं।''

पाकिस्तान में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1186 हुई

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के ज्यादातर हिस्सों में मॉनसून की भीषण बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बृहस्पतिवार को 1,186 हो गई। वहीं, अधिकारी हजारों प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री मुहैया कराने के प्रयास में जुटे रहे। पिछले तीन दशकों में मॉनसून के दौरान भीषण बारिश से बाढ़ की शुरुआत हुई जिससे बलूचिस्तान और सिंध प्रांतों समेत देश का एक तिहाई हिस्सा जलमग्न हो गया। आपदाओं से निपटने के लिए मुख्य संस्था राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने कहा, ''बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 1,186 लोग मारे गए हैं और 4,896 घायल हुए हैं। बाढ़ से 5,063 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई है तथा 1,172,549 आवास आंशिक रूप से या पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। वहीं, 733,488 मवेशी मारे गए हैं।'' सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि बचाव कार्य शुरू होने के बाद से करीब 50,000 लोगों को निकाला गया है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि 3.3 करोड़ से अधिक लोग बड़े पैमाने पर आपदा से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पाकिस्तान ने सभी संभावित संसाधनों को जुटाने के लिए समन्वित बचाव और राहत अभियान चलाया, लेकिन आपदा के व्यापक पैमाने ने ''हमारे संसाधनों और क्षमताओं को सीमा तक बढ़ा दिया।

धामी ने खंडूरी को विधानसभा नियुक्तियों की उच्च स्तरीय जांच कराने का सुझाव दिया

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में हुई नियुक्तियों पर भाई-भतीजावाद का आरोप लगने की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूरी को मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा गड़बड़ी पाए जाने पर उन्हें निरस्त करने का सुझाव दिया। खंडूरी को लिखे एक पत्र में धामी ने विधानसभा सचिवालय में हुई नियुक्तियों में अनियमितता के आरोपों का हवाला देते हुए कहा है कि विधानसभा एक गरिमामय, स्वायत्तशासी और संवैधानिक संस्था है और इस संस्था की गरिमा को बनाए रखना सबकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री ने कहा

कि विधानसभा की गरिमा, शुचिता और प्रदेश के युवा अभ्यर्थियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विधानसभा सचिवालय की विवादित नियुक्तियों की उच्च स्तरीय जांच कराना और अनियमितता पाए जाने की स्थिति में उन्हें रद्द करना उचित होगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को भविष्य में निष्पक्ष और पारदर्शी नियुक्तियों के लिए प्रावधान करने का भी सुझाव दिया है। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से की गयी नियुक्तियों में अनियमितता के आरोपों की गहनता से हो रही जांच तथा आरोपियों के विरूद्ध की जा रही कड़ी कार्रवाई का जिक्र करते हुए धामी ने उम्मीद जताई कि विधानसभा सचिवालय में नियुक्तियों को लेकर चल रहे विवाद के दृष्टिगत वह इस पर विचार करेंगी। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने कहा था कि विधानसभा भर्तियों में अनियमिताताओं की जांच में राज्य सरकार पूरा सहयोग करेगी। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश के वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल जब पिछली विधानसभा में अध्यक्ष पद पर थे।

संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी की टीम यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्र पहुंची

एजेंसी

कीव (एपी)। रूस और यूक्रेन के सुरक्षा बलों में जारी युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी की एक टीम यूक्रेन में यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र में सुरक्षा स्थितियों का जायजा लेने के लिए पहुंची है।

यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा एजेंसी 'एनरहोतोम' ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'एनरहोतोम' ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की टीम जापोरिज्जिया संयंत्र पहुंच गई है। यूक्रेन और रूस के सुरक्षा बलों के बीच युद्ध से परमाणु संयंत्र की सुरक्षा को लेकर खतरा मंडरा रहा है। बिगड़ते हालात के कारण इससे पहले संयंत्र के एक रिएक्टर को बंद कर दिया गया। यूक्रेन और रूस के सुरक्षा बलों के बीच भारी गोलाबारी के बीच आईएईए

के निदेशक राफेल ग्रोसी के नेतृत्व में एक टीम रूस के कब्जे वाले संयंत्र का दौरा करने गई है। यूक्रेन की कंपनी 'एनरहोतोम' ने कहा कि रूस की सेना की तरफ से गोलाबारी के कारण जापोरिज्जिया संयंत्र के एक रिएक्टर को बंद करना पड़ा और गोलाबारी से बिजली की बैकअप आपूर्ति भी बाधित हुई है। इसके साथ ही संयंत्र के एक रिएक्टर को डीजल जेनेरेटर से संचालित किया जा रहा। भारी गोलाबारी के कारण नीपर नदी के एक किनारे टीम के निरीक्षण में देरी हुई। गोलाबारी के लिए यूक्रेन और रूस ने एक दूसरे पर आरोप मढ़े हैं। संयंत्र के लिए रवाना होने से पहले, ग्रोसी ने कहा, ''क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ी हैं।'' ग्रोसी ने कहा कि यूक्रेन के अधिकारियों द्वारा खतरे के बारे में अवगत कराए जाने के बावजूद उनकी टीम ने दौरा करने का फैसला किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन की तरफ से गोलाबारी में कुछ गोले संयंत्र के रिएक्टर नंबर एक से 400 मीटर की दूरी पर गिरे। वहीं, यूक्रेन के अधिकारियों ने रूसी सुरक्षा बलों पर उस कॉरिडोर पर गोलाबारी करने के आरोप लगाए जहां से आईएईए की टीम गुजरने वाली थी। हालांकि, टीम सुरक्षित संयंत्र पहुंच गई। रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने कहा कि मास्को को आशा है कि टीम 'निष्पक्ष' रहते हुए अपना काम करेगी। लावरोव ने कहा, ''संयंत्र सुरक्षित रहे, यह ठीक से काम करे, ऐसा सुनिश्चित करने के लिए हम हर मुमिकन कदम उठा रहे हैं।'' जापोरिज्जिया संयंत्र पर रूसी सैनिकों ने कब्जा कर लिया लेकिन युद्ध के शुरुआती दिनों से ही यूक्रेन के इंजीनियर इसे संचालित कर रहे हैं।

यूक्रेन का आरोप है कि रूस संयंत्र को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर वहां हथियारों का भंडार कर रहा और आसपास उस जगह से हमलों को अंजाम दे रहा। वहीं, रूस ने भी यूक्रेन पर भीषण गोलाबारी का आरोप लगाया है। भीषण गोलाबारी के कारण परमाणु हादसे की आशंका के मद्देनजर अधिकारियों ने आसपास के बाशिंदों को आयोडीन की गोलियां भी वितरित की है। रवाना होने से पहले ग्रोसी ने कहा, ''हमारे पास पूरा करने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण मिशन है। हम संयंत्र में सुरक्षा स्थिति का आकलन शुरू करने जा रहे हैं।

अमेरिका के साथ तनाव के बीच रूस ने चीन संग मिलकर शुरू किया युद्धाभ्यास

एजेंसी

मॉस्को। अमेरिका के साथ तनाव के बीच रूस ने बृहस्पतिवार को चीन और अन्य देशों की सेनाओं को शामिल करते हुए सप्ताह भर चलने वाला युद्धाभ्यास शुरू किया। रूस के युद्धाभ्यास का मकसद यह भी दिखाना है कि यूक्रेन में युद्ध में उसके सैनिकों के भाग लेने के बावजूद उसके पास पर्याप्त सैन्य ताकत है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वोस्तोक 2022 (ईस्ट 2022) अभ्यास रूस के सुदूर पूर्व और जापान सागर में सात फायरिंग रेंज में सात सितंबर तक चलेगा। इस अभ्यास में 50,000 सैनिक, 140

विमान और 60 युद्धपोत समेत 5000 हथियार इकाइयां हिस्सा लेंगी। रूसी 'जनरल स्टाफ चीफ' जनरल वालेरी गेरासिमोव निजी तौर पर अभ्यास का निरीक्षण करेंगे जिसमें पूर्व सोवियत संघ के कई राष्ट्र, चीन, लाओस, मंगोलिया, निकारागुआ और सीरिया के सैनिक भी हिस्सा ले रहे हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि युद्धाभ्यास के तहत जापान सागर में रूसी और चीनी नौसेनाएं ''समुद्री संचार, समुद्री आर्थिक गतिविधि के क्षेत्रों और तटीय क्षेत्रों में जमीनी सैनिकों के समर्थन की रक्षा के लिए संयुक्त कार्रवाई का अभ्यास करेंगी।'' चीनी मीडिया की खबरों में कहा गया है कि बीजिंग ने 300 से अधिक सैन्य वाहनों, 21 लड़ाकू विमानों और तीन युद्धपोतों के साथ 2,000 से अधिक सैनिकों को अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भेजा है। चीन के अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' ने कहा है कि यह पहली बार है कि रूसी अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए सेना के तीनों अंगों के कर्मियों को भेजा गया है। अखबार ने इसे चीन-रूस के बीच प्रगाढ़ सैन्य सहयोग और आपसी विश्वास का प्रतीक बताया है। अभ्यास दिखाता है कि यूक्रेन में 24 फरवरी को रूसी सैनिकों के हमले के बाद मॉस्को और बीजिंग के बीच रक्षा संबंध मजबूत हुए हैं। रूस-चीन के संबंधों पर करीबी नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषक एलेक्जेंडर गबुएव ने कहा, ''बीजिंग के लिए यह दिखाना बहुत महत्वपूर्ण है कि उसके पास अमेरिका और उसके वैश्विक हितों पर दबाव बनाने की क्षमता है।'' उन्होंने कहा, ''नौसेना समेत मॉस्को के साथ संयुक्त अभ्यास का मकसद यह संदेश देना है कि अगर बीजिंग पर दबाव बनाया जाता रहा तो उसके पास रूस के साथ सैन्य भागीदारी को मजबूत करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा।''

निर्वासित उइगर लोगों के लिए संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बहुप्रतीक्षित पुष्टि

एजेंसी

बीजिंग। जुमरेत दावुत ने जब सुना कि संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा की है कि चीन के सुदूर पश्चिमी शिंजियांग क्षेत्र में बीजिंग की कार्रवाई को मानवता के खिलाफ अपराध की श्रेणी में रखा जा सकता है, उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। वह अतीत के उन दिनों में चली गईं जब शिविर में उनके साथ हिरासत में लोगों को रखा गया था और उनके पिता की शिंजियांग पुलिस की हिरासत में मौत हो गई थी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अब न्याय हुआ है क्योंकि दुनिया में ऐसे लोग हैं जो दूसरों की सुध लेते हैं। मुझे लगता है कि जागरूकता फैलाने की हमारी कोशिशें आखिरकार रंग लाई।''दावुत और अब चीन के बाहर रहे उइगर के अन्य पीड़ितों की सामूहिक हिरासत (उइगर में) तथा अन्य मानवाधिकार हनन पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट वर्षों के अभियान का परिणाम है। साथ ही, उनके लिए यह उन कार्रवाइयों की पुष्टि है जो चीन सरकार ने की थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने जिनेवा में यह बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट बुधवार देर रात जारी की। इसमें कहा गया है कि चीन ने आतंकवाद और चरमपंथ रोधी अपनी नीतियों के तहत मानवाधिकारों का गंभीर हनन किया। साथ ही, इसमें संयुक्त राष्ट्र, विश्व समुदाय और खुद चीन से इसका समाधान करने के लिए तत्काल ध्यान देने की अपील की गई है। उल्लेखनीय है कि हिरासत शिविरों में रखे गये लोगों की आवाज बंद करने की कोशिशों के तहत उन्हें वर्षों तक चीनी पुलिस की धमकियों का सामना करना पड़ा। शिविरों के बारे में अमेरिकी संसद के समक्ष नवंबर 2018 में गवाही देने वाली मिहरीगुल तुरसुन ने कहा कि बोलने की कीमत उन्हें अपनी सुरक्षा को निरंतर खतरा पैदा किये जाने से चुकानी पड़ी। उन्होंने बताया कि उन्हें झूठा कहा गया, कार से उनका पीछा किया गया और रेस्तरां में अजनबी लोगों से उनकी तस्वीरें खिंचवाई गईं। उन्होंने कहा, ''रिपोर्ट महज शुरूआत है। जब तक सभी हिरासत केंद्र बंद नहीं हो जाते, उन्हें चैन नहीं मिलेगा।''

बांग्लादेश को हराकर श्रीलंका 'सुपर फोर' में पहुंचा

एजेंसी

दुबई। किस्मत के रथ पर सवार कुसल मेंडिस की 60 रन की पारी के साथ कप्तान दासून शनाका (45 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी के दम पर श्रीलंका ने एशिया कप टी20 टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में गुरुवार को यहां बांग्लादेश को दो विकेट से शिकस्त देकर 'सुपर फोर' में अपनी जगह पक्की की। दोनों टीमों के लिए करो और मरो के मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 183 रन बनाये।

श्रीलंका ने चार गेंद शेष रहते इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। टीम को पदार्पण कर रहे 10वें क्रम के बल्लेबाज असिथा फर्नांडो ने तीन गेंद में नाबाद 10 रन बनाकर जीत दिला दी। दुबई के मैदान पर यह लक्ष्य का पीछा करते हुए यह सबसे बड़ी जीत है। मेंडिस को अपनी पारी के दौरान चार जीवनदान मिले। उन्होंने 37 गेंद में चार चौके और तीन छक्के जड़े। शनाका ने 33 गेंद की पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाये। श्रीलंका के लिए पदार्पण कर रहे इबादत हुसैन ने चार ओवर में 51 रन देकर तीन विकेट लिये। इससे पहले अफीफ हुसैन (22 गेंद में 39 रन), मेहदी हसन मिराज (26 गेंद में दो चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन), महमूदुल्लाह (22 गेंद में 27 रन) और मोसादेक हुसैन की आक्रामक पारियों के दम पर बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफी टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना सर्वोच्च स्कोर खड़ा किया। मोसादेक हुसैन ने आखिरी ओवरों में नौ गेंद की नाबाद पारी में चार चौकों की मदद से 24 रन बनाकर टीम के स्कोर को 183 के पार पहुंचाया। टीम के लिए कप्तान शाकिब अल हसन ने 22 गेंद

में 24 रन का योगदान दिया। वह इस दौरान टी20 (घरेलू, लीग और अंतरराष्ट्रीय) में 6000 रन और 400 विकेट पूरा करने वाले दूसरे क्रिकेटर बने। श्रीलंका के लिए वानिंदु हसरंगा और चमिका करुणारत्ने ने दो -दो विकेट लिये। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पथुम निसंका और मेंडिस ने शुरुआती पांच ओवर में 44 रन जोड़कर श्रीलंका को शानदार शुरुआत दिलायी। इस दौरान दूसरे ओवर में तस्कीन अहमद की गेंद पर विकेटकीपर रहीम ने मेंडिस का कैच टपका दिया। निसंका ने चौथे ओवर में गेंदबाजी के लिये आये मुस्ताफिजुर रहमान के खिलाफ छक्का और चौका लगाया तो वहीं मेंडिस ने पांचवें ओवर शाकिब के खिलाफ लगातार दो छक्के और चौका जड़ा। पदार्पण कर रहे इबादत हुसैन ने इसके बाद छठे गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। श्रीलंका ने इस ओवर से 22 रन बटोरे। मेंडिस ने इसके बाद गेंदबाजी पर आये मिराज की गेंद पर छक्का जड़ा लेकिन 15वें ओवर में मुस्तफिजुर रहमान की गेंद पर ओवर में बांग्लादेश को दो सफलता दिलायी। उन्होंने निसंका (20 रन) की पारी को खत्म करने के बाद चरिथ असलंका को एक रन पर पवेलियन भेजा। इबादत ने इसके बाद दनुष्का गुणतिलका की पारी को तस्कीन के हाथों कैच कराकर खत्म किया। उन्होंने छह गेंद में 11 रन बनाये। तस्कीन ने नौवें ओवर में भानुका राजपक्षे (दो रन) को आउट कर बांग्लादेश को बड़ी सफलता दिलायी। शनाका 13वें ओवर में इबादत के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाकर जरूरी रन गति को कम किया। इसी ओवर में मेंडिस ने 32 टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद फर्नांडो (51 रन पर एक विकेट) ने पारी के तीसरे ओवर में शब्बीर रहमान (पांच रन) को पवेलियन की राह दिखाकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलायी। मिराज ने तस्कीन को कैच थमा दिया। लगातार दो विकेट गिरने के बाद भी शनाका ने 17वें ओवर में मुस्तफिजुर और 18वें ओवर में मेहदी हसन के खिलाफ चौके जड़े। मेहदी ने हालांकि 18वें ओवर में उन्हें बाउंड्री के पास मोसादेक हुसैन के हाथों कैच कराया। चमिका करूणारत्ने (16 रन) ने इबादत हुसैन के खिलाफ चौका लगाया लेकिन इसी ओवर में एक रन चुराने के चक्कर में शाकिब के थ्रो पर रन आउट हो गये।

पदार्पण कर रहे असिथा फर्नांडो ने इसके बाद तीन गेंद में दो चौके जड़े जिससे मैच श्रीलंका के नाम हो गया। विकेटकीपर मेंडिस को कैच देकर आउट हुए। कप्तान शाकिब अल हसन ने जोखिम उठाकर नौवें और 10वें ओवर में चार गेंद पर तीन चौके जड़े। तीक्षना ने 11वें ओवर में उन्हें बोल्ड करके उनकी पारी को ने चौथे ओवर में महीश तीक्षना की गेंद पर छक्का और पांचवें ओवर में फर्नांडो के खिलाफ लगातार गेंदों पर छक्का और चौका लगा कर रन गति को तेज किया। फर्नांडो के इस ओवर से बांग्लादेश ने 18 रन बटोरे।

अगले ओवर में मिराज ने एक और चौका जड़ा जिससे पावरप्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 55 रन हो गया। सातवें ओवर में गेंदबाजी के आये हसरंगा ने मिराज को बोल्ड कर 26 गेंद में 38 रन की उनकी पारी को खत्म किया। अगले ओवर में करुणारत्ने की उछाल लेती गेंद पर मुशफिकुर रहीम (चार रन) खतरनाक होने से पहले ही रोक दिया। इसके बाद अफीफ हुसैन और महमुदुल्लाह तेजी से रन बटोरे। अफीफ इस दौरान ज्यादा आक्रामक रहे। उन्होंने 13वें ओवर में हसरंगा और 16वें ओवर में फर्नांडो के खिलाफ लगातार गेंदों पर चौका और छक्का लगाया तो वहीं महमुदुल्लाह ने यही काम पारी के 15वें ओवर में हसरंगा के खिलाफ किया।

दोनों की अर्धशतकीय साझेदारी को मदुशंका ने 17वें ओवर में अफीफ को आउट कर तोड़ा। 18वें ओवर में हसरंगा ने महमुदुल्लाह को चलता किया। इसके के बाद मोसादेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से श्रीलंका के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। आखिरी ओवर में तस्कीन(नाबाद 11) ने भी छक्का लगाया जिससे टीम ने 180 के स्कोर को पार किया।

एचएस प्रणय जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

एजेंसी

ओसाका। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को यहां सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन किदांबी श्रीकांत हारकर बाहर हो गए। विश्व रैंकिंग में आठवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने यहां आठवीं वरीयता प्राप्त यू को 44 मिनट में 22-20, 21-19 से हराया। यह भारतीय खिलाड़ी पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था। प्रणय की सिंगापुर के खिलाड़ी के खिलाफ चार मुकाबलों में यह तीसरी जीत है। यह 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी अंतिम आठ में चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन से भिड़ेगा। प्रणय ने पिछले दो मुकाबलों में चेन को हराया है, लेकिन ओवरऑल रिकॉर्ड में वह चीनी खिलाड़ी से 3-4 से पीछे हैं। बुधवार को विश्व में पांचवें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी ली जी जिया को हराने वाले श्रीकांत हालांकि अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी नहीं रख सके और स्थानीय खिलाड़ी तथा विश्व में 17वें नंबर के कैंटा सुनेयामा से 10-21, 16-21 से हार गए। इससे पहले यह दोनों खिलाड़ी 2019 में कोरियाई ओपन में एक दूसरे से भिड़े थे और तब भी जापानी खिलाड़ी जीत हासिल करने में सफल रहा था। प्रणय ने लोह के खिलाफ दोनों गेम में शानदार वापसी की। पहले गेम में वह 11-19 से जबकि दूसरे गेम में 6-14 से पीछे चल रहे थे।

मैदान पर फिर देखेंगे वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर, इन टीमों की संभालेंगे कमान

एजेंसी

जब-जब भारत के महान बल्लेबाजों की बात होगी, उसमें वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर का नाम जरूर आएगा। दोनों ही अपनी लाजवाब बल्लेबाजी की बदौलत भारत को कई महत्वपूर्ण मैच जीतवाएं हैं। दोनों ने भारतीय टीम की कई मौकों पर कप्तानी भी की है। दोनों ने टीम इंडिया के लिए कई सालों तक ओपनिंग भी की है। इन सबके बीच दोनों दिग्गज बल्लेबाज एक बार फिर से मैदान पर बल्लेबाजी करते नजर आएंगे। लेकिन यह बात भी सच है कि दोनों बल्लेबाज अलग-अलग टीमों के लिए खेलेंगे। इतना ही नहीं, दोनों बल्लेबाज अपनी-अपनी टीमों की कप्तानी भी करेंगे। ऐसे में एक बार फिर से इनके प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, लीजेंड्स लीग क्रिकेट का आयोजन हो रहा है। इसमें गुजरात जायंट्स की कप्तानी वीरेंद्र सहवाग करेंगे जबकि इंडिया कैपिटल्स की अगुवाई गौतम गंभीर करेंगे। आपको बता दें कि गुजरात जायंट्स का स्वामित्व अदानी समूह के पास में है। वहीं, इंडिया कैपिटल्स का मालिकाना हक जीएमआर स्पोर्ट्स लाइन के पास में है। इस खबर के बाद सहवाग की प्रतिक्रिया भी आ गई है। उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर वापस आने के लिए उत्सुकता जताई है। उन्होंने कहा कि मैंने व्यक्तिगत रुप से हमेशा निडर क्रिकेट खेलने में विश्वास किया है और मैं यहां भी उसी शैली को आगे बढ़ाउंगा। दूसरी ओर गौतम गंभीर ने कहा है कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि क्रिकेट एक टीम गेम है और एक कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी की उसकी टीम अच्छी होती है। इंडिया कैपिटल्स का नेतृत्व करते हुए मैं ऐसी टीम बनाने पर जोर दूंगा जो उत्साह से भरी हो। आपको बता दें कि लेकिन लीग क्रिकेट 16 सितंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन में शुरू हो रहा है। इसके मुकाबले लखनऊ, नई दिल्ली, कटक और जोधपुर में भी खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबले के लिए अभी वेन्यू का फैसला नहीं हुआ है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला इंडियन महाराज बनाम वर्ल्ड जॉयंट्स के बीच होगा। बताया जा रहा है कि इस टूर्नामेंट का यह सीजन भारत के आजादी के 75 सालगिरह को समर्पित होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 4 टीमें हिस्सा ले रही हैं और 16 मुकाबले खेले जाएंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान आईओए कोषाध्यक्ष पांडे पर महिला से बदसलूकी का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। पहले से ही बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे पर बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान एक महिला चालक के साथ अनुचित व्यवहार का आरोप लगा है जिस वजह से इन खेलों के दौरान पांडे के परिवहन विशेषाधिकार (टी2) को रद्द कर दिया गया था। पांडे ने हालांकि दावा किया कि वह निर्दोष हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' अगर मैंने कुछ संगीन किया होता, तो इन खेलों के लिए जारी मेरी मान्यता (एक्रीडिटेशन) रद्द कर दी जाती लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केवल मेरे परिवहन विशेषाधिकार को वापस लिये गये थे।'' बर्मिंघम खेलों 'फैमिली सर्विसेज' के प्रमुख अश्विन लोखरे ने पांच अगस्त को आईओए के कार्यवाहक अध्यक्ष अनिल खन्ना को इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने अपने पत्र में कहा, '' आनंदेश्वर पांडे के अनुचित व्यवहार के कारण इन खेलों से जुड़ी वॉलंटियर चालक ने असहज महसूस किया। बर्मिंघम 2022 ने शेष खेलों के लिए उनके ' परिवहन विशेषाधिकार' को रद्द करने का निर्णय लिया है।'' उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव पांडे पर हाल में बलात्कार का आरोप गया था और इस संबंध में राजस्थान के भिवाड़ी थाने में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पांडे के खिलाफ यह आरोप सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की पूर्व राष्ट्रीय स्तर की हैंडबॉल खिलाड़ी सीमा शर्मा ने लगाया है। पांडे ने 2013 से 2020 तक भारतीय हैंडबॉल महासंघ (एचएफआई) के महासचिव के रूप में कार्य किया है।

कोहली के हाव भाव दिल छूने वाले: सूर्यकुमार

एजेंसी

दूबई। सूर्यकुमार यादव की एशिया कप में हांगकांग के खिलाफ खेली गई लाजवाब पारी से विराट कोहली इतने खुश थे कि उन्होंने टोपीउतार कर उन्हें नमन किया जिसे मुंबई के इस बल्लेबाज ने दिल छूने वाला करार दिया। सूर्यकुमार यादव ने हांगकांग के खिलाफ केवल 26 गेंदों पर नाबाद 66 रन की धुआंधार पारी खेली इसमें छह छक्के और इतने ही चौके शामिल हैं। भारत ने यह मैच 40 रन से जीत कर सुपर चार में जगह बनाई। उनकी बेहतरीन पारी कोहली की 44 गेंदों पर खेली गई नाबाद 59 रन की पारी पर हावी हो गई। भारतीय पारी समाप्त होने के बाद कोहली ने सूर्यकुमार के सामने सिर झुकाया और कहा ''क्या है यह।'' सूर्यकुमार ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' विराट कोहली के हाव भाव दिल छूने वाले थे। मुझे इससे पहले कभी इस तरह का

अनुभव नहीं था। मैं हैरान था कि आखिर वह मेरे से आगे क्यों नहीं जा रहे हैं और जब मुझे अहसास हुआ तब मैंने उनसे साथ में चलने के लिए कहा। वह मुझसे कहीं अधिक अनुभवी हैं।'' सूर्यकुमार और कोहली ने तीसरे विकेट के लिए 98 रन की अटूट साझेदारी की जिससे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 192 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। सूर्यकुमार ने कहा,'' मैंने उनके साथ बल्लेबाजी का भरपूर आनंद लिया। हम इस पर बात कर रहे थे कि आगे की गेंदों में किस तरह का रवैया अपनाना है। वह इतने अनुभवी खिलाड़ी हैं और मैंने बहुत अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। इसलिए मैच में ऐसे समय में इस तरह के अनुभवी खिलाड़ी का साथ होना काफी महत्व रखता है।'' पहले बल्लेबाजी का न्यौता पाने पर रोहित शर्मा और केएल राहुल अपनी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल पाए। इसके बाद कोहली और सूर्यकुमार ने जिम्मेदारी बखूबी निभाई। सूर्यकुमार ने कहा,'' परिस्थिति ऐसी थी कि मेरे लिए क्रीज पर उतरते ही आक्रामक बल्लेबाजी करना जरूरी था। विकेट शुरू में थोड़ा धीमा खेल रहा था और मैंने विराट कोहली से बात की। उन्होंने मुझे अपना नैसर्गिक खेल खेलने की सलाह दी। मेरी रणनीति भी स्पष्ट थी और इसलिए मुझे बल्लेबाजी करने में मजा आया।'' सूर्यकुमार ने केवल 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था।

सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट छह सितंबर से

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में जमीनी स्तर की शीर्ष प्रतियोगिताओं में से एक सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के 61वें सत्र का आयोजन कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के ब्रेक के बाद छह सितंबर से यहां किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र का आयोजन 2019 में किया गया था जबकि कोविड-19 महामारी के कारण 2020 और 2021 में टूर्नामेंट का आयोजन नहीं हो सका था। एयर मार्शल के अनंतरमन ने प्रतियोगिता से जुड़े कार्यक्रम के दौरान कहा, ''हमें खुशी है कि सीमित संसाधनों के बावजूद हम इतने लंबे समय से इस टूर्नामेंट का सफल आयोजन कर रहे हैं। इस बार कोविड-19 के कारण दो साल के ब्रेक के बाद टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है।''इस दौरान

टूर्नामेंट की आधिकारिक किट, गेंद और ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। टूर्नामेंट का आयोजन तीन वर्गों में किया जाएगा जिसमें सब जूनियर लड़के (अंडर-14), जूनियर लड़कियां (अंडर-17) और जूनियर लड़कों (अंडर-17) की स्पर्धाएं शामिल हैं। तीनों वर्ग में कुल मिलाकर 92 टीम हिस्सा लेंगी जिसमें जूनियर लड़कों के वर्ग में बांग्लादेश की एक टीम के रूप में अंतरराष्ट्रीय टीम भी मौजूद है।

यह टूर्नामेंट 13 अक्टूबर तक चलेगा। सब जूनियर लड़कों के वर्ग का फाइनल छह सितंबर, जूनियर लड़कियों के वर्ग का फाइनल 28 सितंबर और जूनियर लड़कों के वर्ग का फाइनल 13 अक्टूबर को होगा। टूर्नामेंट की कुल इनामी राशि 23 लाख रुपये से अधिक है। जूनियर लड़कों तथा लड़कियों के वर्ग की विजेता टीम को साढ़े तीन लाख रुपये दिए जाएंगे जबकि सब जूनियर लड़कों के वर्ग की विजेता टीम को ढाई लाख रुपये मिलेंगे। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीम को भी इनामी राशि मिलेगी। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, सर्वश्रेष्ठ कोच और सर्वश्रेष्ठ स्कूल का भी चयन होगा। इसके अलावा प्रत्येक वर्ग से 25-25 खिलाड़ियों को एकमुश्त छात्रवृत्ति दी जाएगी। जूनियर लड़कों और लड़कियों के वर्ग में चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी को 25 हजार जबकि सब जूनियर लड़कों के वर्ग के चुने गए प्रत्येक खिलाड़ी को 15 हजार रुपये की राशि मिलेगी।

देश भर के स्कूलों की लगभग 30 हजार टीम के बीच हुए मुकाबलों के बीच टीमों ने अंतिम चरण के लिए क्वालीफाई किया है। अंतिम चरण के मुकाबलों का आयोजन यहां चार स्थलों डॉ. बीआर अंबेडकर स्टेडियम, तेजस फुटबॉल ग्राउंड, सुब्रतो पार्क और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह छह सितंबर को होगा जिसका डीडी स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण किया जाएगा। सभी फाइनल मुकाबलों का भी सीधा प्रसारण किया जाएगा।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से महत्वपूर्ण है एशिया कप इन खिलाड़ियों को मिल सकता है भारतीय टीम में मौका

एजेंसी

भारतीय टीम इस वक्त एशिया कप खेल रही है। एशिया कप के दो मुकाबले में टीम इंडिया ने जीत हासिल की है। भारतीय टीम का टॉप 4 में भी पहुंच चुकी है।

अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले T20 विश्व कप के लिए एशिया कप बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 15 सितंबर तक सभी देशों की टीमें घोषित भी हो जाएगी। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर भारतीय टीम में किसको जगह मिलेगी? इसको लेकर चयन समिति लगातार चर्चा भी कर रहा है। भारतीय टीम में 15 खिलाड़ियों का

चयन निश्चित है। लेकिन यह 15 खिलाड़ी कौन होंगे, उनकी फिटनेस क्या रहने वाली है, इस पर बड़ा सवाल अभी भी बना हुआ है। हालांकि यह बात तो तय है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में ही टीम इंडिया टी20 विश्व कप में उतरेगी। उप कप्तान की भूमिका में केएल राहुल नजर आ सकते हैं। माना जा रहा है कि दो-तीन में खिलाड़ियों को मौका देकर चयनकर्ता क्रिकेट प्रेमियों को चौंका सकते हैं।

जिन 15 खिलाड़ियों को इस बार टीम में शामिल किया जा सकता है, उनमें बल्लेबाज के रूप में कप्तान रोहित शर्मा, उप कप्तान केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक शामिल रहेंगे। दिनेश कार्तिक और ऋषभ पंत को विकेटकीपर की भूमिका के तौर पर टीम में शामिल किया जाएगा। ऑल राउंडर के रूप में हार्दिक पांड्या, रविंद्र जडेजा और दीपक हुड्डा को 15 सदस्य टीम में मौका मिल सकता है। तेज गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह के साथ हर्षल पटेल और अर्शदीप सिंह शामिल होंगे। फिलहाल हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं। स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन के कंधों पर होगी।

हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिन्हें बैकअप के तौर पर ऑस्ट्रेलिया में भेजा जा सकता है। या फिर आखिरी क्षणों में टीम में शामिल किया जा सकता है। इसमें श्रेयस अय्यर, उमरान मलिक, दीपक चाहर, रवि बिश्नोई और ईशान किशन का नाम शामिल है। आपको बता दें कि 16 अक्टूबर से टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत हो रही है। भारत को अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के साथ खेलना है।

भारत को ग्रुप दो में जगह मिली है जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की टीम है। भारत को अपना दूसरा मुकाबला 27 अक्टूबर को खेलना होगा। वहीं, तीसरा मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के साथ 30 अक्टूबर को होगा। बांग्लादेश के साथ भारत का मुकाबला 2 नवंबर को जबकि ग्रुप बी के विनर के साथ भारत का सामना 6 नवंबर को होगा।

सेरेना यूएस ओपन के तीसरे दौर में, फर्नांडीज और सकारी बाहर

एजेंसी

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन 2021 की उपविजेता लेला फर्नांडीज और सेमीफाइनलिस्ट मारिया सक्कारी दूसरे दौर से बाहर हो गई। यूएस ओपन के बाद सन्यास लेने के संकेत दे चुकी 40 वर्षीय सेरेना ने दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त एनेट कोंटेविट को 7-6 (4), 2-6, 6-2 से हराया। इससे यह तय हो गया कि वह कम से कम अभी एक मैच और खेलेंगी। महिला एकल में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों का बाहर होना जारी रहा। पिछली दो चैंपियन नाओमी ओसाका और एम्मा राडुकानू पहले ही बाहर हो चुकी हैं और अब इस सूची में फर्नांडीज और सक्कारी का नाम भी जुड़ गया है। सक्कारी को दूसरे दौर में चीन के वांग शियू ने 3-6, 7-5, 7-5 से हराया जबकि एक साल पहले फाइनल में राडुकानू से हारने वाली 14वीं वरीय फर्नांडीज को ल्यूडमिला सैमसोनोवा ने 6-3, 7-6 (3) से पराजित किया। बारहवीं वरीयता प्राप्त कोको गॉफ और 20वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को हालांकि आगे बढ़ने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। अमेरिका की दोनों खिलाड़ी तीसरे दौर में आमने-सामने होंगी। गॉफ ने एलेना गैब्रिएला रुसे को 6-2, 7-6 (4) से, जबकियूएस ओपन 2017 की उपविजेता कीज़ ने कैमिली जियोर्गी को 6-4, 5-7, 7-6 (6) से हराया।

भगवान गणेश की मूर्ति घर लाने पर ट्रोल हुए शाहरुख खान, यूजर्स बोले- ड्रामा बंद करो साहब

गणेश चतुर्थी का त्यौहार पूरे भारत में धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी को बड़े स्तर पर महाराष्ट्र में लोग मनाते हैं। गणपति महराज की बड़ी-बड़ी मुर्तिय़ां सुसज्जित की जाती हैं। लाल बाग में हर साल बड़े बड़े सितारें दर्शन करने के लिए आते हैं। बॉलीवुड के कई सितारें गैर हिंदू होने के बाद भी अपने घर पर गणपति बप्पा को लेकर आते हैं और उनकी पूजा अर्चना करते हैं। इन सितारों में शाहरूख खान और सलमान खान का नाम सबसे उपर आता है। शाहरूख खान की कई बार सोशल मीडिया पर बप्पा की तस्वीर पोस्ट करते हैं। इस बार भी शाहरूख खान ने तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने गणपति बप्पा की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा मेरे घर में विराजे गणपति बप्पा! शाहरुख खान ने इंस्टाग्राम और ट्विटर दोनों पर भगवान गणेश

की मूर्ति की एक तस्वीर साझा और लिखा, गणपति जी का मैं घर में स्वागत करता हूं और भगवान में विश्वास, आप अपने सपनों को जी सकते हैं सभी को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं। अब सोशल मीडिया पर उनकी इस पोस्ट के बाद लोगों से किंग खान की चर्चा करना शुरू कर चुकें हैं। जहां कुछ लोग शाहरूख खान की पोस्ट के लिए उनकी तारीफ कर रहे हैं वहीं दूसरी तरह कुछ लोगों ने उन्हें आड़े हाथ लिया। सोशल मीडिया पर कई लोग शाहरूख खान की अलोचना कर रहे हैं और कह रहे हैं कि शाहरूख खान घर पर गणपति को लाने का ड्रामा कर रहे हैं क्योंकि उनकी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। वह इस तरह की चीजें करके अपने आपको हिंदूओं का समर्थक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा कि किंग साहब फिल्म चलाने के लिए क्यों ड्रामा कर रहे हैं। आमिर की हालत देखकर डर गये हो क्या? आज से पहले तो कभी भी गणपति बप्पा को घर नहीं लेकर आये। वहीं कुछ लोग जीरो एक्टर के समर्थन में आये ट्विटर पर एक यूजर ने लिखा, उनकी पत्नी हिंदू है यह भारत की सुंदरता है, वह हर धर्म और भगवान का सम्मान करते हैं कुछ लोगों को इस आदमी से उसके धर्म के आधार पर नफरत करना बंद करने की जरूरत है, वह वास्तव में एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति है और हमारे लिए बहुत सारे परोपकारी कार्य किए हैं। एक चौथे व्यक्ति ने ट्विटर पर अन्य उपयोगकर्ताओं से कहा कि शाहरुख हर साल गणेश चतुर्थी मनाते हैं और लिखा, एक शब्द भी कहने से पहले कि आप ऐसा कर रहे हैं, यह अब बॉलीवुड के बहिष्कार या आलोचना का प्रभाव है, वह हर साल गणेश पूजा करता है।

आदित्य रॉय कपूर के साथ रिलेशनशिप में हैं कृति

करण जौहर ने पूछा- मेरी पार्टी में तुम दोनों कोने में क्या कर रहे थे?

कहते है कि सुशांत सिंह राजपूत और अंकिता लोखंडे के ब्रेकअप का कारण कृति सेनन थी। अंकिता को सुशांत सिंह राजपूत और कृति सेनन की नजदीकियां पसंद नहीं आ रही थी। अंकिता से ब्रेकअप के बाद कृति और सुशांत ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट किया लेकिन बाद में अचानक से ऐसी खबरें आयी कि दोनों के बीच केवल अच्छी दोस्ती है। कृति सेनन का नाम पहली बार सुशांत सिंह राजपूत से जुड़ा था और अब लगभग 5- 6 साल बाद खबरें आ रही हैं कि कृति सेनन आदित्य राय कपूर को डेट कर रही हैं। करण जौहर के चिट-चैट शो कॉफी विद करण के सीजन सात में कृति सेनन को आदित्य राय कपूर से जुड़े कई सवालों का जवाब देना पड़ा। कृति सेनन हाल ही में फिल्म मिमी में नजर आयी थी। उन्हें फिल्म में निभाए गये किरदार के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला हैं। अब

वह कॉफी विद करण में अपनी पहली फिल्म के को-स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आयी। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि करण जौहर अपने शो में जिसे भी बुलाते हैं उससे फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी से जुड़े सवाल भी पूछते हैं। ऐसे में उन्होंने कृति सेनन से भी उनकी निजी जिंदगी से जुड़े सावल पूछे थे। करण जौहर ने कृति सेनन से पूछा कि हम सभी ने मेरी एक पार्टी में तुम्हें आदित्य राय कपूर के साथ कोने में देखा था? क्या आप आदित्य राय कपूर को डेट कर रही हैं? ऐसे में कृति ने बहुत की स्मार्ट जवाब देते हुए कहा कि पार्टी में हम बहुत लोगों से मिले थे। आदित्य राय के साथ मैं बात कर रही थी लेकिन किसी कोने में नहीं बल्कि सबसे सामने ही कर रही थी। आदित्य राय काफी अच्छी बातें करते हैं तो मुझे उनकी कंपनी काफी अच्छी लग रही थी उनका साथ मेरे लिए काफी मजेदार था। करण जौहर ने यह भी कहा कि कृति सेनन और आदित्य राय कपूर को लोगों ने साथ में नोटिस किया। आप दोनों साथ में काफी अच्छे लग रहे थे। आपको बता दें कि पिछले काफी दिनों से मुंबई गलियारों में चर्चा है कि आदित्य राय कपूर और कृति सेनन एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों में से किसी ने भी अभी तक इस खबर की पुष्टि नहीं की है लेकिन दोनों को लेकर काफी चर्चा हैं। करण जौहर के शो में कई सितारों ने अपने दिल की बात कहीं हैं। करण के शो से शुरू हुई लव स्टोरी कई बार शादी तक भी पहुंची हैं इसका सबसे बड़ा उदाहरण विक्की कौशल और कैटरीना कैफ हैं। विक्की कौशल ने शो में कैटरीना के लिए अपने दिल की बात बोली थी जिसके बाद विक्की और कैट की नजदीकियों की खबरें आने लगी थी।

अपने पुराने बयानों पर आमिर खान ने मांगी माफी, शेयर किया लंबा चौड़ा मैसेज, फिर किया डिलीट

साल 2022 की सबसे बड़ी चर्चित फिल्म लाल सिंह चड्ढा रही है। जब से फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था तब से यह फिल्म चर्चा का विषय बनीं रही। फिल्म को 180 करोड़ के बजट में बनाया गया था और इ समय फिल्म 100 करोड़ का घाटा सह रही हैं। 20 दिनों तक पड़े पर्दे पर लगे रहने के बावजूद फिल्म 50 करोड़ भी नहीं कमा सकी। सोशल मीडिया पर फिल्म को बायकॉट करने का लगातार ट्रेंड चलाया गया। रोजाना आमिर खान और करीना कपूर खान के अलग-अलग विवादित बयानों को लेकर फिल्म का बहिष्कार करने की मांग की जाती थी। शुरूआत में तो मानों ऐसा महौल था कि फिल्म इस तरह से अपना प्रमोशन कर रही हैं लेकिन धीरे-धीरे विवाद गहराता चला गया।

बताया जा रहा है कि फिल्म न चलने का सबसे बड़ा कारण आमिर खान हैं। जनता आमिर खान के भारत को असहिष्णु कहने वाले बयान से काफी ज्यादा नाराज थी। आमिर खान ने कहा था कि वह उन्हें और उनकी पत्नी किरण राव को भारत में रहने में डर लगता है। अब जनता ने उनकी फिल्म रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर उनकी फिल्म का बहिष्कार करने की मांग की जिसका असर काफी बड़े स्तर पर दिखाई दिया। सिनेप्रेमियों को आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा से काफी उम्मीदें थीं। अफसोस की बात है कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और ऐसा नुकसान हुआ जैसा पहले कभी नहीं हुआ। इतना ही नहीं जाहिर तौर पर आमिर ने निर्माताओं के नुकसान की भरपाई के लिए अपनी अभिनय फीस माफ करने का फैसला किया। वास्तव में फिल्म को विभिन्न कारणों से ऑनलाइन और ऑफलाइन बहुत अधिक आलोचना मिली। 1 सितंबर को आमिर खान प्रोडक्शंस के सोशल मीडिया पेजों पर माफी मांगने वाला वीडियो 'मिचामी दुक्कड़म', जिसका

अर्थ है 'मेरे सभी अनुचित कार्यों को महत्वहीन हो सकता है' कहा गया था। जबकि कुछ ने कहा कि वे उसकी माफी स्वीकार करते हैं, दूसरों को लगा कि उसका खाता हैक कर लिया गया है। सिनेप्रेमियों को आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा से काफी उम्मीदें थीं। अफसोस की बात है कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और ऐसा नुकसान हुआ जैसा पहले कभी नहीं हुआ। इतना ही नहीं, जाहिर तौर पर आमिर ने निर्माताओं के नुकसान की भरपाई के लिए अपनी अभिनय फीस माफ करने का फैसला किया। वास्तव में फिल्म को विभिन्न कारणों से ऑनलाइन और ऑफलाइन बहुत अधिक आलोचना मिली। 1 सितंबर को, आमिर खान प्रोडक्शंस के सोशल मीडिया पेजों पर माफी मांगने वाला वीडियो जारी किया गया जिसमें कहा गया कि हिंदी में शब्दों का मोटे तौर पर अनुवाद किया जा सकता है "मिच्छामि दुखणम... हम सभी इंसान हैं और हम केवल गलतियाँ करते हैं। कभी अपनी बातों से, कभी अपनी हरकतों से, कभी अनजाने में, कभी गुस्से से, कभी मजाक में तो कभी बात न करने से। अगर मैंने कभी आपको किसी भी तरह से चोट पहुंचाई है, तो मैं आपसे क्षमा चाहता हूं। शाहरुख खान की कल हो ना हो थीम पृष्ठभूमि में बजती रही क्योंकि शब्द सामने आते रहे।

गणेश चतुर्थी पर रितेश देशमुख और जेनेलिया ने खरीदी 1.4 करोड़ की लग्जरी BMW इलेक्ट्रिक कार

बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा इस गणेश चतुर्थी पर एक शानदार नई कार लेकर आयी है। इस जोड़े ने 1.4 करोड़ रुपये की एक नई लग्जरी बीएमडब्ल्यू इलेक्ट्रिक कार खरीदी है। सलमान खान की बहन अर्पिता और आयुष शर्मा के घर गणपति समारोह में भी वह अपनी नयी कार से ही गयी थे। रितेश देशमुख, जेनेलिया डिसूजा और उनके दो बेटे, रियान और राहिल, बुधवार, 31 अगस्त को अर्पिता और आयुष के आवास पर गणेश चतुर्थी उत्सव में शामिल हुए। वे अपनी नई बीएमडब्ल्यू कार में वहां पहुंचे। मैरून इलेक्ट्रिक कार की कीमत 1.4 करोड़ रुपये है। दंपति, अपने बच्चों के साथ, कार में पहुंचे। सलमान खान ने अर्पिता खान के घर पर गणपति समारोह का एक वीडियो साझा किया। वीडियो में, एक था टाइगर स्टार अपनी बहन, बहनोई आयुष शर्मा और रितेश देशमुख के साथ गणेश आरती करते देखा जा सकता है। इस साल की शुरुआत में, रितेश देशमुख के 40 वें जन्मदिन पर, उनकी पत्नी जेनेलिया डिसूजा ने उन्हें जन्मदिन के उपहार के रूप में 55 लाख की टेस्ला मॉडल एक्स ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी उपहार में दी थी। यह बीएमडब्ल्यू उनके शानदार कारों के संग्रह में एक और अतिरिक्त है।

कपिल शर्मा ने तैयार की अपनी अनोखी सेना, नये किरदारों के साथ शो को वापस लेकर आ रहे हैं कप्पू

सालों से कपिल शर्मा अपनी कॉमेडी से लोगों को हंसा रहे हैं। कुछ ही सालों में कपिल को जनता का इतना प्यार मिला कि जनता ने उन्हें सराखों पर बिठाया। साल 2022 में जब कपिल ने अपने शो को खत्म करने का ऐलान किया तब फैंस काफी परेशान हुए लेकिन फैंस के लिए खुशखबरी यह है कि कपिल का शो एक बार फिर नये अंदाज और नये कलाकारों के साथ लौटने के लिए तैयार हैं। सोनी टीवी ने द कपिल शर्मा शो के आगामी सीज़न के कलाकारों और नए पात्रों

का खुलासा करते हुए एक नया वीडियो शेयर किया है। कॉमेडी शो का आखिरी सीज़न इस साल जून में प्रसारित हुआ था, और नए सीज़न की घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। कपिल शर्मा कप्पू शर्मा की भूमिका निभाएंगे। सुमोना चक्रवर्ती उनकी पत्नी बिंदु का किरदार निभाएंगी। कप्पू के दोस्त चंदन के रूप में चंदन प्रभाकर निभाएंगे और इस बार 'मोहल्ले की धोबन' जिसका नाम गुड़िया होगा उसका किरदार कीकू शारदा निभा रहे हैं। कपिल शर्मा ने नए चरित्र मस्की को पेश किया, जो कप्पू के दोस्त चंदन की पत्नी है। गोली कप्पू की साली है, रूपमती कप्पू की सास है और ग़ज़ल (सृष्टि रोडे) 'मोहल्ले की रौनक' है, सुंदरा कप्पू के ससुर हैं और घरचोददास उस्ताद जी हैं। नए सीजन के लिए सुमोना चक्रवर्ती, कीकू शारदा और चंदन प्रभाकर और अर्चना पूरन सिंह की वापसी हुई है। पिंकविला के साथ बात करते हुए, कृष्णा अभिषेक ने पहले पुष्टि की कि वह शो में वापस नहीं आएंगे। कृष्णा ने शो में जैकी दादा, धर्मेंद्र और सपना सहित कई किरदार निभाए थे। उन्हें सुनील ग्रोवर के बाहर निकलने के बाद शो में देखा गया था। सुनील ने शो में गुत्थी की भूमिका निभाई थी। पिछले हफ्ते शो का टीजर रिलीज किया गया था। इसे शेयर करते हुए कपिल ने लिखा, कपिल शर्मा एक नए सीजन और आपको हंसाने के लिए नए कारणों के साथ वापस आ गए हैं। देखिए द कपिल शर्मा शो शनिवार और रविवार को रात 9.30 बजे सोनी टीवी पर। कपिल शर्मा शो के अलावा, कपिल नंदिता दास की फिल्म ज़्विगाटो में भी दिखाई देंगे। फिल्म में, वह एक खाद्य वितरण कार्यकारी की भूमिका निभाते हैं और अभिनेता शाहना गोस्वामी उनकी पत्नी की भूमिका निभाते हैं।

सारा अली खान और क्रिकेटर शुभमन गिल के बीच शुरू हुआ रोमांस

बॉलीवुड और खेल की दुनिया का रिश्ता काफी पुराना हैं। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा, नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या, गीता बसरा और हरभजन सिंह जैसे कई कपल हैं जिन्होंने लंबी डेटिंग के बाद शादी की हैं। अब बॉलीवुड और खेल जगत की जोड़ी एक बार लगता है फिर से बनने वाली हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान और क्रिकेटर शुभमन गिल को एक डिनर डेट पर साथ देखा गया हैं। सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों को साथ देखकर फैंस भी काफी हैरान हैं। फैंस दोनों की जोड़ी को लेकर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। एक फैन ने अपने टिकटॉक प्रोफाइल पर एक वीडियो शेयर किया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में सारा अली खान को एक रेस्टोरेंट में स्पॉट किया गया। वीडियो की खास बात यह है कि इसमें सारा को क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ डिनर करते हुए दिखाया गया है। TikToker Uzma Merchant (@uxmiholics) द्वारा साझा किए गए वीडियो में सारा अली खान और शुभमन गिल को मुंबई के बास्टियन में अपनी टेबल के बगल में एक वेटर के साथ ऑर्डर देते हुए दिखाया गया है। सारा पिंक कलर के आउटफिट में नजर आईं, जबकि शुभमन ने व्हाइट और ग्रीन कलर की शर्ट पहनी थी। दोनों सेलेब्रिटीज के फैंस दोनों को एक साथ देखकर हैरान रह गए। एक ने पूछा क्या चक्कर है। एक अन्य ने लिखा, शुभमन की पहले क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ डेटिंग की अफवाह थी। एक अन्य व्यक्ति ने मजाक में कहा, एक क्रिकेटर की बेटी (सारा तेंदुलकर) से एक क्रिकेटर (सारा अली खान) की पोती तक शुभमनगिल ने एक लंबा सफर तय किया। कई सालों से शुभमन गिल के क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर को डेट करने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन अब, शुभमन और जूनियर तेंदुलकर के ब्रेकअप की ताजा अटकलें तेज हो गई हैं। और यह वायरल वीडियो आग में घी का काम कर रहा है। सारा अली खान अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी हैं। वह मंसूर अली खान पटौदी और शर्मिला टैगोर की पोती भी हैं। उन्होंने 2017 में फिल्म केदारनाथ के साथ अभिनय की शुरुआत की और सिम्बा और लव आज कल जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। शुभमन गिल से पहले सारा अली खान कार्तिक आर्यन को डेट कर रही थी, जिसकी पुष्टि हाल ही में फिल्म निर्माता करण जौहर ने की थी। सारा 2018 में कॉफ़ी विद करण में दिखाई दी थीं और उन्होंने कार्तिक आर्यन को अपना फेवरेट एक्टर कहा था। रिपोर्टों के अनुसार यहीं से उनका रोमांस शुरू हुआ था। हालांकि दोनों 2020 में अलग हो गए। तब से उन्होंने शायद ही कभी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के बारे में बात की हो। इसके अलावा सारा अली खान की मां अमृता सिंह ने भी अनुभवी क्रिकेटर रवि शास्त्री को डेट किया था लेकिन ब्रेकअप के बाद उन्होंने सैफ अली खान से शादी करने का फैसला किया। बाद में 2004 में अमृता और सैफ का तलाक हो गया। नवाब पटौदी मंसूर अली खान, जिन्हें टाइगर पटौदी के नाम से भी जाना जाता है, एक पूर्व सफल टेस्ट क्रिकेट कप्तान भी थे। उन्हें बॉलीवुड दिवा शर्मिला टैगोर को बोल्ड किया और प्रतिष्ठित जोड़ी ने 70 के दशक में रोमांस किया। बाद में दोनों ने शादी करने का फैसला किया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DELHIHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स -WA30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276 , संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोन:8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।